राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

11 धोनी के रिटायर होने पर...

जो बाइडन को माफी मांगनी चाहिए... 12

वर्ष : 14 | अंक : 299 | नई दिल्ली, मंगलवार, 12 मार्च, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

अधिकतम तापमान 24°C

न्यूनतम तापमान 15°C

बाजार

सोना 67,395

चांदी 77,500

सेंसेक्स 73,502

निफ्टी 22,332

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति मुर्मू मॉरीशस की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपनी पहली तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर मॉरीशस के लिए रवाना हुईं। वो मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह की मुख्य अतिथि होंगी। इस समारोह में भारतीय नौसेना का एक दल भी हिस्सा लेगा। इसमें भारतीय नौसेना के पहले प्रशिक्षण स्क्वाड्रन पोत- आईएनएस तीर और सीजीएस सारथी शामिल होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस दौरान मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रोपुन और प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनॉथ के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगी। वो मॉरीशस नेशनल असेंबली के अध्यक्ष, मॉरीशस सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस और अन्य नेताओं से मुलाकात भी करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री जुगनाथ संयुक्त रूप से मॉरीशस के साथ भारत की जीवंत विकास साझेदारी की बढ़ती और बहुमुखी प्रकृति को प्रदर्शित करने वाली 14 भारत सहायता प्राप्त परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

दिल्ली में बोरवेल में गिरे व्यक्ति की मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली। पुलिस ने यहां दिल्ली जल बोर्ड के एक जलशोधन संयंत्र में बने बोरवेल में गिरे 30 वर्षीय व्यक्ति की मौत के संबंध में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि मृतक की अभी तक पहचान नहीं की जा सकी है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम विचित्र वीर ने बताया, विकासपुरी पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 304ए (लापरवाही से मौत) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गयी है। मामले की जांच की जाएगी। पुलिस ने बताया कि 40 फुट गहरे बोरवेल में गिरे व्यक्ति को बाहर निकालने के लिए लगभग 12 घंटे तक बचाव अभियान चलाये जाने के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी और रविवार को व्यक्ति का शव बोरवेल से बाहर निकाल लिया गया।

चुनावी बॉन्ड : समय सीमा बढ़ाने की एसबीआई की याचिका खारिज

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने 12 अप्रैल 2019 से खरीदे और राजनीतिक दलों को दिए गए चुनावी बॉन्ड का विवरण सार्वजनिक करने के लिए 30 जून 2024 तक समय बढ़ाने की स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की याचिका सोमवार को खारिज करते हुए उसे चेतावनी दी कि 12 मार्च तक चुनाव आयोग के समक्ष विवरण सौंप दे वरना उसके खिलाफ आवमानना की कार्रवाई की जा सकती है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की संविधान पीठ ने एसबीआई को निर्देश दिया कि वह 12 मार्च को कामकाजी समय के आखिरी वक्त तक चुनाव आयोग को सभी विवरण सौंप दे। इसके अलावा उसने चुनाव आयोग को उन विवरणों को 15 मार्च शाम पांच बजे तक अपने वेबसाइट पर डालने का निर्देश दिया गया है। पीठ ने चुनावी बॉन्ड जारी करने वाले बैंक एसबीआई की याचिका खारिज करते हुए 12 मार्च तक कामकाजी समय के दौरान संबंधित बॉन्ड विवरण का खुलासा करने का निर्देश के साथ ही यह भी कहा कि निर्धारित समय पर विवरण का खुलासा नहीं करने पर अवमानना की कार्रवाई की जा सकती है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की

अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ अपने आदेश में कहा, एसबीआई के आवेदन से संकेत मिलता है कि मांगी गई जानकारी आसानी से उपलब्ध है। इस प्रकार 30 जून तक समय बढ़ाने की मांग करने की उसकी अर्जी खारिज की जाती है। एसबीआई को 12 मार्च 2024 के कामकाजी समय के आखिरी वक्त तक विवरण का खुलासा करने का निर्देश दिया जाता है। शीर्ष अदालत ने एसबीआई का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे से कहा कि बैंक को 15 फरवरी 2024 के उच्चतम न्यायालय के फैसले का पालन करना होगा, जिसने राजनीतिक दलों को चंदा देने के लिए 2018 में शुरू की गई चुनावी बॉन्ड योजना को असंवैधानिक घोषित किया था। पीठ ने निर्धारित समय सीमा छह मार्च तक विवरण सार्वजनिक नहीं करने पर एसबीआई की खिंचाई की और कहा कि वह 26 दिनों तक क्या कर रही थी। शीर्ष अदालत ने गैर सरकारी संगठन- एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और राजनीतिक दल- मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से दायर अवमानना आवेदनों का निपटारा करते हुए कहा कि अगर मंगलवार को कामकाजी समय के आखिरी वक्त तक तक उसके निदेशों का अनुपालन नहीं किया गया तो वह ऐसी (अवमानना) कार्यवाही शुरू करेगी। पीठ ने एसबीआई के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक को उसके निदेशों का अनुपालन करते हुए एक हलफनामा दायर करने का भी निर्देश दिया। शीर्ष अदालत की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 15 फरवरी को अपने फैसले में राजनीतिक दलों को चंदा देने की चुनावी बॉन्ड को अपारदर्शी और असंवैधानिक करार देते हुए इसे रद्द कर दिया था। चुनावी बॉन्ड संबंधी सभी विवरण छह मार्च तक चुनाव आयोग के पास नहीं जमा करने पर एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और माकपा ने भारतीय स्टेट बैंक के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की थी। इससे पहले शीर्ष अदालत के समक्ष पांच मार्च को (एक आवेदन के जरिए) एसबीआई की ओर से समय सीमा बढ़ाने के अलावा यह भी कहा गया था कि 12 अप्रैल 2019 से फैसले की तारीख यानी 15 फरवरी 2024 के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों को चंदा देने के लिए 22,217 चुनावी बॉन्ड का इस्तेमाल किया गया था।

सशक्त नारी-विकसित भारत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोलें, पीएम

मेरा तीसरा कार्यकाल नारी शक्ति के उत्कर्ष का नया अध्याय लिखेगा: मोदी

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि उनकी संवेदनाएं और योजनाएं जमीन से जुड़े अनुभवों से निकली हैं जो नारी शक्ति के जीवन को आसान बना रही हैं और उनका तीसरा कार्यकाल नारी शक्ति के उत्कर्ष का नया अध्याय लिखेगा। प्रधानमंत्री ने राजधानी दिल्ली के पूसा स्थित राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान में सशक्त नारी-विकसित भारत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि जब भी वह महिलाओं के कल्याण की बात करते हैं, विपक्षी दल उसे उन्हें गाली देने के अवसर के रूप में उपयोग करता है। इस अवसर पर उन्होंने नमो ड्रोन दीदियों की ओर से कृषि क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग का प्रदर्शन देखा और 1,000 से अधिक नमो ड्रोन दीदियों को ड्रोन सौंपे। कार्यक्रम के दौरान कुछ ड्रोन दीदियों से संवाद करने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, मोदी की संवेदनाएं और मोदी की योजनाएं जमीन से जुड़े जीवन के अनुभवों से निकली हैं। बचपन में जो अपने घर में देखा, अपने आस-पड़ोस में देखा, फिर देश के गांव-गांव में अनेक परिवारों के साथ रहकर जो अनुभव किया, वही आज मोदी की संवेदनाओं और योजनाओं में झलकता है। उन्होंने कहा कि इसलिए ये योजनाएं नारी शक्ति के जीवन को आसान बनाती हैं और उनकी मुश्किलें कम करती हैं। उन्होंने कहा कि देश में एक करोड़ से ज्यादा बहनें पिछले दिनों अलग-अलग योजनाओं और प्रयासों के कारण लखपति दीदी बन चुकी हैं। मोदी ने कहा कि यह आंकड़ा छोटा नहीं है और उनका लक्ष्य अब तीन करोड़ लखपति दीदी के आंकड़े को पार करना है।

उन्होंने कहा, हमारा तीसरा कार्यकाल नारी शक्ति के उत्कर्ष का नया अध्याय लिखेगा। इस आयोजन के समय देशभर में 11 अलग-अलग जगहों से भी नमो ड्रोन दीदियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने उन लखपति दीदियों को सम्मानित भी किया, जिन्होंने दीन दयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की सहायता से सफलता प्राप्त की है और वे अन्य स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों के उत्थान के लिए मददगार बन रही हैं तथा उन्हें प्रेरित कर रही हैं। साथ ही प्रधानमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों को रियायती ब्याज दरों पर लगभग 8,000 करोड़ रुपये का ऋण भी प्रदान किया। ये ऋण बैंकों की ओर से प्रत्येक जिले में बनाए गए बैंक संपर्क शिविरों के माध्यम से दिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, हर बार जब मैं आपके कल्याण की बात करता हूं, कांग्रेस इसे मुझे गाली देने के अवसर के रूप में उपयोग करती है। परिवारवादी पार्टियां कभी भी आपके संघर्षों से जुड़ नहीं सकतीं। मोदी ने कहा कि 2014 से उन्होंने ऐसी योजनाएं बनाने की कोशिश की है जो महिलाओं के जीवन के हर पड़ाव में उनकी सहायता करें। उन्होंने कहा, प्रसव पूर्व देखभाल से लेकर वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच बनाने तक, हमने महिलाओं की सभी जरूरतों का ध्यान रखा है। उन्होंने कहा, मैं आज देश की हर महिला, हर बहन, हर बेटी को ये बताना चाहता हूं। जब-जब मैंने लाल किले से आपके सशक्तीकरण की बात की तो दुर्भाग्य से कांग्रेस जैसे राजनीतिक दलों ने मेरा मजाक उड़ाया, मेरा अपमान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई भी देश या कोई भी समाज नारी शक्ति की गरिमा बढ़ाते हुए और उनके लिए नए अवसर बनाते हुए ही आगे बढ़ सकता है। पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, लेकिन दुर्भाग्य से देश में पहले जो सरकारें रहीं, उनके लिए आप सभी महिलाओं का जीवन, आपकी मुश्किलें कभी प्राथमिकता नहीं रहीं और आपको आपके नसीब पर छोड़ दिया गया था। अपने अनुभवों का हवाला देते हुए मोदी ने कहा कि अगर महिलाओं को थोड़ा अवसर और थोड़ा सहारा मिल जाए तो फिर उनको सहारे की जरूरत नहीं रहती है, वे खुद लोगों का सहारा बन जाती हैं।

ड्रोन दीदियों को पीएम मोदी ने दिया बड़ा तोहफा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को ड्रोन दीदियों को एक शानदार तोहफा दिया है। राजधानी दिल्ली के पूसा स्थित राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित सशक्त नारी-विकसित भारत कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे पीएम मोदी ने नमो ड्रोन दीदियों की ओर से कृषि क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग का प्रदर्शन देखा। इसी दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने एक हजार से अधिक नमो ड्रोन दीदियों को ड्रोन भी सौंपे हैं। इस कार्यक्रम में देशभर के 11 अलग-अलग हिस्सों से भी नमो ड्रोन दीदियों ने हिस्सा लिया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन लखपति दीदियों को भी सम्मानित किया, जिन्होंने दीन दयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की सहायता से सफलता के परचम फहराए हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं सहायता समूहों को रियायती ब्याज दरों पर लगभग 8 हजार करोड़ रुपये का ऋण भी प्रदान किया है। यह ऋण बैंक की ओर से प्रत्येक जिले में बनाए गए बैंक संपर्क शिविरों के माध्यम से दिए जाने का प्रावधान है। यहां पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि आज का आयोजन महिला सशक्तिकरण के लिहाज से ऐतिहासिक है। आज मुझे नमो ड्रोन दीदी अभियान के तहत 1 हजार आधुनिक ड्रोन महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को सौंपने का अवसर जो मिला है। इसे देखते हुए मैंने यह फैसला लिया है कि अब 3 करोड़ लखपति दीदी के आंकड़े को हमें पार करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए आज 10 हजार करोड़ रुपये की राशि भी इन दीदियों के खाते में ट्रांसफर की गई है।

न्यायालय ने साईबाबा को बरी करने के आदेश पर रोक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जी एन साईबाबा और अन्य को माओवादियों से संबंध के मामले में बरी करने के बंबई उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का महाराष्ट्र सरकार का अनुरोध मानने से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय का आदेश प्रथम दृष्टया तर्कसंगत है। लेकिन, न्यायालय ने राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई के लिए सहमति जताई। पीठ ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से पैरवी कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू के याचिका को जल्द सूचीबद्ध करने के मौखिक अनुरोध को भी खारिज कर दिया और कहा कि इस पर उचित समय पर सुनवाई की जाएगी। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि यह बड़ी मुश्किल से बरी किए जाने का मामला है और सामान्य तौर पर, इस अदालत को यह अपील खारिज कर देनी चाहिए थी। बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने पांच मार्च को साईबाबा को बरी कर दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ आरोपों को साबित करने में विफल रहा।

गडकरी ने झारखंड में किया 25 हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने झारखंड में 2500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी। श्री गडकरी ने ट्वीट कर कहा आज जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया उनमें तुपुदाना से कुंडियाबारटोली खंड खूंटी बाईपास सहित-को 4-लेन का निर्माण, बेरो से खूंटी खंड का चौड़ीकरण और उन्नयन शामिल है। बेरो से खूंटी खंड के निर्माण से यातायात सुगम होगा और आस पास के क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा मिलेगा। खांटी बाईपास के निर्माण से स्थानीय उत्पादों को बाजार तक पहुंचना आसान हो जाएगा जिससे क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से समय और ईंधन की बचत होगी जिससे प्रदूषण कम होगा। आधुनिक और उच्च गुणवत्ता वाली सड़कें आसान और सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित कर आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करेगी और रोजगार तथा उद्यमिता के अवसर पैदा होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, वरिष्ठ नेता करिया मुंडा, भाजपा सांसद सुदर्शन भगत,, सांसद संजीव सेठ तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियोंकी उपस्थिति में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास किया।

सुभाष यादव की लगभग 2.37 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने पटना में अवैध रेत खनन और रेत की बिक्री से संबंधित मामले में सुभाष यादव और उनके करीबी सहयोगियों के यहां से लगभग 2.37 करोड़ रुपये बरामद किए हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि पटना में सुभाष यादव और उनके करीबी सहयोगियों से संबंधित छह ठिकानों पर तलाशी के दौरान लगभग 2.37 करोड़ रुपये की अस्पष्टीकृत नकदी बरामद की गई। ईडी ने यह कार्रवाई 9 मार्च को धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के प्रावधानों के तहत की थी।

जांच एजेंसी ने कहा कि इस तलाशी अभियान के दौरान सुभाष यादव के एक कर्मचारी और करीबी सहयोगियों के परिसर से डिजिटल उपकरण को जब्त किया गया है। इसके साथ ही सुभाष यादव को गिरफ्तार किया गया। एजेंसी ने बताया कि सुभाष यादव को 10 मार्च को यहां विशेष पीएमएलए कोर्ट, पटना के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें 22 मार्च तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने ये कार्रवाई मेसर्स ब्रॉडसन्स कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड और उसके डायरेक्टर्स के खिलाफ पहले से बिहार पुलिस में दर्ज 20 एफआईआर के आधार पर की है। इस मामले में ईडी तीन बार अपना सर्च अभियान चला चुकी है। इसके अलावा मेसर्स बीएसपीएल के निदेशक और सिंडिकेट सदस्य राधा चरण साह और उनके बेटे कन्हैया कुमार समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

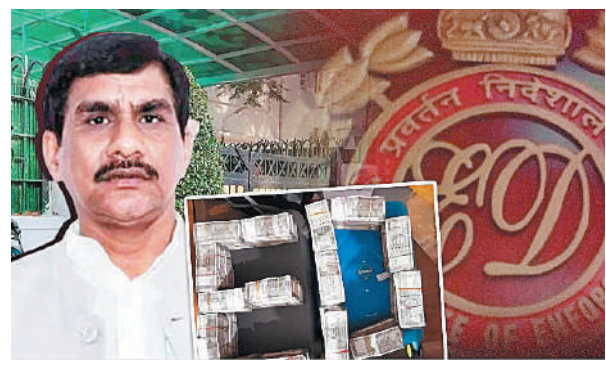

कोर्ट के आदेश से भाजपा की असलियत से पर्दा हटेगा : कांग्रेस

- चुनावी बॉन्ड के रूप में मिले चंदे पर लीपा पोती करने की उसकी कोशिश पर फिर गया पानी

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चुनावी बॉन्ड्स को लेकर मोदी सरकार को घेरते हुए सोमवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय के ताजा फैसले से भारतीय स्टेट बैंक के जरिए चुनावी बॉन्ड के रूप में मिले चंदे पर लीपा पोती करने की उसकी कोशिश पर पानी फिर गया है और भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार की असलियत जल्द ही जनता के सामने आ जाएगी। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड पर विवरण देने के लिए समय मांगने वाली एसबीआई की याचिका खारिज कर उसे कड़ी फटकार लगाई और मंगलवार तक चुनावी बॉन्ड से मिले चंदे का पूरा विवरण देने का आदेश दिया है। न्यायालय के आदेश से भाजपा का भ्रष्टाचार सामने आ जाएगा। श्री खडगे ने कहा, इलेक्टोरल बॉन्ड प्रकाशित करने के लिए एसबीआई द्वारा साढ़े चार महीनें माँगने के बाद साफ हो गया था कि मोदी सरकार अपने काले कारनामों पर पर्दा डालने की हर संभव कोशिश कर रही है। आज के माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले से देश को जल्द इलेक्टोरल बॉन्ड से भाजपा के चंदा देने वालों की लिस्ट पता चलेगी। मोदी सरकार के भ्रष्टाचार, घपलों और लेन-देन की कलई खुलने की ये पहली सीढ़ी है। उन्होंने कहा अब भी देश को ये नहीं पता चलेगा कि भाजपा के चुनिंदा पूँजीपति चंदाधारक किस-किस ठेके के लिए मोदी सरकार को चंदा देते थे, उसके लिए माननीय सुप्रीम कोर्ट को उचित निर्देष देने चाहिए। मीडिया रिपोर्ट्स से ये तो उजागर हुआ ही है कि भाजपा किस तरह ईडी, सीबीआई,आईटी छापे डलवाकर जबरन चंदा वसूलती थी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतंत्र में बराबरी के मौके की जीत है। श्री गांधी ने कहा नरेंद्र मोदी के चंदे के धंधे की पोल खुलने वाली है। स्विस बैंक से काला धन 100 दिन में लाने का वायदा कर सत्ता में आई सरकार अपने ही बैंक का डेटा छिपाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में सिर के बल खड़ी हो गई। चुनावी बॉन्ड्स भारतीय इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला साबित होने जा रहा है जो भ्रष्ट उद्योगपतियों और सरकार के नेक्सस की पोल खोल कर नरेंद्र मोदी का असली चेहरा देश के सामने लेकर आएगा।

बिखरते विश्व को करुणा की डोर से जोड़ने की पहल : सत्यार्थी

नई दिल्ली। नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित बाल अधिकार कार्यकर्ता कैलाश सत्यार्थी ने युद्ध और हिंसा ग्रस्त विश्व को एक डोर में जोड़ने के लिए करुणा अभियान सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पैशन शुरू किया गया है, जिसमें दुनिया भर के शिक्षकों, सामाजिक-राजनीतिक नेताओं और प्रबुद्ध व्यक्तियों को जोड़ा जाएगा। करुणा अभियान की शुरूआत सोमवार को यहां लॉरेट्स एंड लीडर्स फॉर चिल्ड्रन कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र में की गयी। श्री सत्यार्थी ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि नोबेल पुरस्कार विजेताओं और नेताओं, व्यवसायों, शिक्षाविदों, युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर शुरू किये गए करुणा के इस नए अभियान का उद्देश्य, टूटन और बिखराव जैसी चुनौतियों का सामना कर रही दुनिया को एकजुट करके एक न्यायपूर्ण, समावेशी और पक्षपात रहित विश्व का निर्माण करना है। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) पटरी से उतर गए हैं। अकूत धन, संसाधन और ज्ञान के बावजूद, ये समस्याएँ क्यों बनी हुई हैं?

सूचना **तीन मुल्कों के छह प्रवासी समुदायों को मिलेगी नागरिकता**

देश में सीएए लागू, केंद्र ने जारी की अधिसूचना

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के नियम देश भर में लागू हो गए हैं। केंद्र सरकार ने सोमवार शाम को नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। इसके लिए पोर्टल भी तैयार कर लिया गया है, जिसके जरिए गैर मुस्लिम प्रवासी समुदाय के लोग नागरिकता पाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। कुछ दिन पहले ही केंद्रीय गृह मंत्रालय को नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 के नियमों को तैयार करने के लिए लोकसभा में अधीनस्थ कानून पर संसदीय समिति की तरफ से एक और विस्तार मिला था। पहले के सेवा विस्तार की अवधि नौ जनवरी को खत्म हो गई थी। सीएए के नियम तैयार करने के लिए गृह मंत्रालय को सातवीं बार विस्तार प्रदान किया गया था। इससे पहले राज्यसभा से भी गृह मंत्रालय को उक्त विषय पर नियम बनाने व लागू कराने के लिए 6 महीने का विस्तार मिला था। सीएए नियमों के तहत ऑनलाइन पोर्टल के जरिए आवेदन मांगे जाएंगे। इस प्रक्रिया का काम पूरा हो चुका है। नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों के तहत भारत के तीन मुस्लिम पड़ोसी देश, जिनमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं, से आए गैर मुस्लिम प्रवासी लोगों के लिए भारत की नागरिकता लेने के नियम आसान हो जाएंगे। इन छह समुदायों में हिंदू, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी, शामिल हैं। नागरिकता संशोधन विधेयक 11 दिसंबर, 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया था। एक दिन बाद ही इस विधेयक को राष्ट्रपति की सहमति मिल गई थी। सीएए के जरिए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता लेने में आसानी होगी। सीएए, किसी व्यक्ति को खुद नागरिकता नहीं देता है। इसके जरिए पात्र व्यक्ति, आवेदन करने के योग्य बनता है। यह कानून उन लोगों पर लागू होगा, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए थे। इसमें प्रवासियों को वह अवधि साबित करनी होगी कि वे इतने समय में भारत में रह चुके हैं। उन्हें यह भी साबित करना होगा कि वे अपने देशों से धार्मिक उत्पीड़न की वजह से भारत आए हैं। वे लोग उन भाषाओं को बोलते हैं, जो संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हैं। उन्हें नागरिक कानून 1955 की तीसरी सूची की अनिवार्यताओं को भी पूरा करना होगा। इसके बाद ही प्रवासी आवेदन के पात्र होंगे। क्या है नागरिकता संशोधन कानून?: नागरिकता संशोधन विधेयक से अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई अवैध प्रवासियों को नागरिकता के लिए पात्र बनाने के लिए नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन किया गया है। नागरिकता संशोधन विधेयक 9 दिसंबर 2019 को लोकसभा में प्रस्तावित किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

हिमोत्सव में 150 छात्रों को किया जाएगा सम्मानित

ऋषिकेश, एजेंसी। स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय (एसआरएचयू) जौलीग्रांट के 11 वर्ष पूरे होने पर 11 से 13 मार्च तक तीन दिवसीय हिमोत्सव-2024 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय (एसआरएचयू) के कुलपति डॉ. राजेंद्र डोभाल ने कहा कि 12 मार्च 2013 को स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय (एसआरएचयू) जौलीग्रांट की स्थापना की गई। एसआरएचयू के तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह हिमोत्सव-2024 का सोमवार 11 मार्च शाम छह बजे से आगाज होगा। समारोह को भव्य बनाने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए डॉ. मीना हर्ष की अगुवाई में कमेटी का गठन किया गया है। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों के फैकल्टी सदस्य शामिल हैं। 12 मार्च को सुबह 11 बजे विश्वविद्यालय के आदिकैलाश सभागार में सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें करीब 150 छात्र-छात्राओं को एकेडमिक अवॉर्ड, डिप्लोमा, श्रीमद्भागवत गीता पर आधारित तृतीय वैल्यू एजुकेशन, लिटरेरी अवॉर्ड सहित स्पोर्ट्स अवॉर्ड देकर छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। 12 मार्च की शाम को भी छात्र-छात्राओं सहित फैकल्टी व कर्मचारी सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देंगे। 13 मार्च को उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोक संगीत बैंड पांडवाज ग्रुप लाइव कॉन्सर्ट की लोक सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ हिमोत्सव-2024 का समापन होगा।

जनरल बिपिन रावत स्मृति तिरंगा पार्क और प्रतिमा का किया उद्घाटन

ऋषिकेश, एजेंसी। यमकेश्वर ब्लॉक के तल्ला बणास गांव में श्री लौह सिद्ध वनवासी हनुमान में गौमुख डायरी में देश के प्रथम सीडीएस स्वर्गीय जनरल बिपिन रावत की प्रतिमा और 80 फीट तिरंगा झंडा एवं पार्क का निर्माण किया गया है। रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट और जनरल बिपिन रावत की पुत्री तारिणी रावत ने पार्क का उद्घाटन किया। 80 फीट तिरंगा एवं पार्क का निर्माण 128 इंफेंट्री बटालियन (टीए) राजपूताना राइफल्स इको और जीबीआर मेमोरियल फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से किया गया। इस इको पार्क को बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री चारधाम की थीम पर बनाया गया है। रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि जनरल बिपिन रावत हमारी देश की आन, बान और शान हैं।

गंगा घाट पर दिखा भारत और इंडोनेशिया का संगम

ऋषिकेश, एजेंसी। श्री गंगा गो सेवा समिति मुनि की रेती की ओर से शत्रुघ्नघाट पर तीन दिवसीय इंडोनेशिया भारत संगम महोत्सव आयोजन किया गया। पद्म श्री इंदिरा उद्याना, केशव स्वरूप ब्रह्मचारी, समिति के अध्यक्ष महंत मनोज प्रपन्नाचार्य, पूर्व कमिश्नर अजय सिंह नव्याल ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में गढवाल की प्रसिद्ध कलाकार साक्षी काला ने शिव स्तुति से दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया। उसके बाद मीरा चौहान ने शिव तांडव स्त्रोत पर प्रस्तुति दी। इंडोनेशिया की पद्मश्री इन्दिरा उद्याना, हेन्द्रा कुरनीयावान, सावित्री, दीया पुष्पा ने वशिष्ठ गीता रामायण पर आधारित राम सीता की प्रस्तुति दी।

हजारों टन कूड़ा छोड़ गए कांवड़ यात्री, सफाई में जुटा नगर निगम

हरिद्वार, एजेंसी। शिवरात्रि पर्व के दौरान जलाभिषेक करने के लिए गंगा जल लेने आए कांवड़ यात्रियों ने धर्मनगरी में हजारों मीट्रिक टन कूड़ा फैलाया। घाटों पर जहां-तहां पुराने कपड़े, खाद्य सामग्रियों के खुले पैकेट और अन्य कई तरह का कूड़ा फैला दिखे।
गंगा घाटों को गोद लिए लोगों ने अपने कर्मियों के साथ जगह-जगह से कूड़े को एकत्र कराया। वहीं, नगर निगम ने टीम गठित कर कूड़े का निस्तारण शुरू किया। सहायक मुख्य नगर आयुक्त श्याम सुंदर ने बताया कि गंगा घाटों की सफाई के लिए सबसे बड़े मददगार स्वयं सेवी संस्थाएं हैं। इन्होंने गंगा घाटों को गोद लिया उनके कर्मियों ने फैले कूड़े को एकत्र कर दिया। निगर निगम के वाहन पूरे दिन में करीब एक हजार मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण कर चुके हैं। कुल छह टीमें इस कार्य में लगाई गई हैं। बताया कि पूरी तरह सफाई में करीब दो दिन का समय लगेगा।

हाईकोर्ट के लिए हो सकती है पटवाडांगर में 103 या एचएमटी में 91 एकड़ जमीन

नैनीताल, एजेंसी।
नैनीताल के पास पटवाडांगर में 103 एकड़ और काठगोदाम के निकट एचएमटी से राज्य सरकार को मिली 45 एकड़ भूमि होने के बावजूद इन्हें कोर्ट के लिए क्यों नहीं चुना जा रहा है। खबर में जानें पूरा मामला...

नैनीताल के निकट पटवाडांगर में 103 एकड़ और काठगोदाम के निकट एचएमटी से राज्य सरकार को मिली 45 एकड़ (वन और राज्य सरकार की खुली भूमि मिलाकर 91 एकड़) भूमि होने के बावजूद इन्हें कोर्ट के लिए क्यों नहीं चुना जा रहा है। अगर यहां हाईकोर्ट बनाया जाता है तो यहां न पेड़ काटने पड़ेंगे और ना ही वन मंत्रालय, एनजीटी या किसी अन्य आपत्ति की संभावना है। बिजली, पानी, यातायात, पार्किंग सहित समस्त सुविधाएं यहां पहले से हैं। ये दोनों ही जगहें सुरम्य, प्राकृतिक और शांत क्षेत्र हैं। यहां का मौसम भी नैनीताल या हल्द्वानी के मुकाबले अच्छा है। मुख्य मार्ग से हटकर होने के कारण इसका संचालन भी आसान रहने की संभावना है।

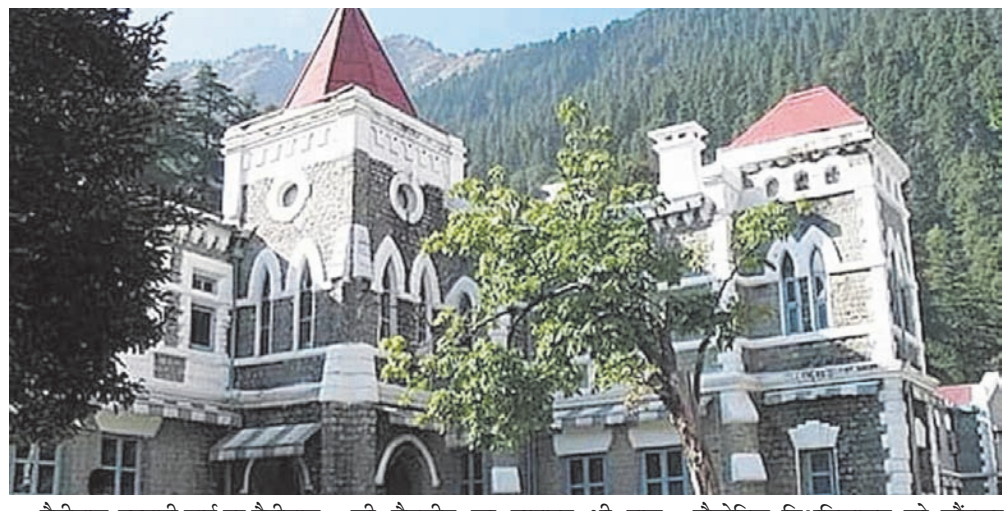

नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग पर नैनीताल से 12 किलोमीटर दूर स्थित पटवाडांगर में 103 एकड़ के विशाल और लगभग पांच अरब रुपये कीमत के इस बेशकीमती परिसर को 19 वर्षों से किसी भी रूप में उपयोग में नहीं लाया जा रहा है। यहां 1903 में वैक्सीन इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई थी। वर्ष 1957 में इस संस्थान में एंटी रैबीज वैक्सीन और बाद में टिटनेस की वैक्सीन का उत्पादन भी शुरू किया गया। वर्ष 1980 में विश्व से चेचक का उन्मूलन होने के बाद वर्ष 2003 तक यहां तरह-तरह की वैक्सीन बनती रहीं। बाद के वर्षों में आधुनिक तकनीक के अभाव में यहां वैक्सीन का निर्माण बंद कर दिया गया।

2005 में राज्य सरकार ने संस्थान को पंतनगर के जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय को सौंपकर जैव प्रौद्योगिक संस्थान के रूप में बदल दिया गया। 15 साल तक यह संस्थान पंतनगर विवि के पास रहा लेकिन कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल न हो सकी। 2019 में कुमाऊं विवि के तत्कालीन कुलपति प्रो. केएस राणा ने इस जगह को विवि को देने की मांग उठाई लेकिन 2020 में उत्तराखंड शासन ने इसे उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद हल्दी को सौंप दिया। अब भी वर्तमान कुलपति प्रो. डीएस रावत इसे विवि को दिलाने के लिए जोर-शोर से प्रयासरत हैं।

2020 में काठगोदाम के पास रानीबाग स्थित एचएमटी की 45.33 एकड़ विकसित भूमि और भवन केंद्र से प्रदेश सरकार को मिला था। सीएम धामी ने प्रधानमंत्री मोदी और तत्कालीन केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय से एचएमटी की भूमि को प्रदेश सरकार को हस्तांतरित करने का अनुरोध किया था। इसके बाद भारत सरकार ने एचएमटी की यह भूमि उत्तराखंड सरकार को 72 करोड़ की राशि में सौंप दी थी। पहले यह परिसर 91 एकड़ में था जिसमें 45.33 एकड़ फैक्ट्री की खरीदी हुई भूमि थी। शेष भूमि राज्य सरकार व वन विभाग की थी जो वापस हो चुकी है।

वर्ष 1985 में तत्कालीन भारी उद्योग मंत्री एनडी तिवारी के प्रयासों से स्थापित एचएमटी फैक्टरी कभी उत्तराखंड की शान थी। तब यह 91 एकड़ में फैली थी।

मार्च के आखिरी सप्ताह से शुरू होगा चारधाम यात्रा का ऑनलाइन पंजीकरण

ऋषिकेश, एजेंसी। बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि घोषित की जा चुकी है। गंगोत्री और यमुनोत्री की तिथि घोषित होनी बाकी है। ऐसे में पर्यटन विकास परिषद मार्च माह के आखिरी सप्ताह से चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू कर देगा।

बदरीनाथ के कपाट 12 मई और केदारनाथ के कपार्ट 10 मई को खुलेंगे। बोर्ड की सूत्रों की माने तो ऋषिकेश ट्रांजिट कैंप और अन्य स्थानों पर 15 अप्रैल से ऑफलाइन पंजीकरण शुरू हो सकता है। इसके लिए पर्यटन विकास की एजेंसी को दो दिन ऑफलाइन पंजीकरण का ट्रायल करना है।

गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट खुलने की आधिकारिक तिथि घोषित नहीं की गई है। तिथि घोषित होने के बाद ही चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण की आधारिक तिथि घोषित की जाएगी। मार्च माह के आखिरी सप्ताह में ऑनलाइन पंजीकरण और अप्रैल मध्य में ऋषिकेश ट्रांजिट कैंप और अन्य स्थानों पर पंजीकरण शुरू हो सकेगा।

राजकीय पशु अस्पतालों को रखरखाव के लिए नहीं मिल पा रहा बजट

ऋषिकेश, एजेंसी। राजकीय पशु चिकित्सालय ऋषिकेश को रखरखाव के लिए शासन से बजट नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में पशु अस्पताल का रखरखाव का काम नहीं हो पा रहा है। वहीं फर्नीचर का टोटा होने से अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी टूटे और सड़े गले फर्नीचर पर बैठने को मजबूर हैं। राजकीय पशु अस्पताल में शेड निर्माण और पेयजल टैंक के लिए डॉक्टर की ओर से पशुपालन निदेशालय में करीब 10 लाख रुपये का प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था। लेकिन बजट का अभाव बताकर निदेशालय से प्रस्ताव लौटा दिया गया। यदि बजट पास हो जाता तो अस्पताल परिसर में शेड निर्माण के साथ ही सीसी फर्श भी बनाई जानी थी। बजट के अभाव में अस्पताल के आगे आंगन की फर्श उखड़ी पड़ी है। अस्पताल परिसर में शेड निर्माण न होने से बरसात और गर्मियों में पशुओं का इलाज खुले आसमान के नीचे करना पड़ता है। जिले के राजकीय पशु चिकित्सालयों में फर्नीचर की आपूर्ति करने के लिए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय की ओर से लाखों रुपये के फर्नीचर खरीदे गए।

नगर क्षेत्र में नहीं थम रहा आवारा कुत्तों का आंतक

ऋषिकेश, एजेंसी। नगर निगम, नगर पंचायत स्वर्गाश्रम जौंक, नगर पंचायत तपोवन और नगरपालिका मुनिकीरेती ढालवाला क्षेत्र में रोजाना आवारा कुत्तों का आंतक बना हुआ है। शहर और गलियों में घूम रहे आवारा कुत्ते राहगीरों को काटकर लहुलुहान कर रहे हैं। एसपीएस राजकीय चिकित्सालय में रोजाना 40 से 45 मामले कुत्तों से काटने के आ रहे हैं। नगर निगम अंतर्गत इंदिरानगर मीट मार्केट में सबसे अधिक आवारा कुत्तों का आतंक बना हुआ है। राहगीर यहां से गुजरते है तो कुत्ते उन्हें काटने के लिए दौड़ाते हैं। आईडीपीएल क्षेत्र का भी यही हाल है। इसके अलावा सुमन विहार बापूग्राम, बीसबीघा, मीरानगर क्षेत्र की आंतरिक गलियों में बीते एक महीने में आवारा कुत्तों ने 40 से अधिक लोगों को लहुलूहान कर दिया है। चौदहबीघा, शीशमझाड़ी, ढालवाला, चंद्रेश्वरनगर, मायाकुंड, गुमानीवाला, आईएसबीटी, लक्ष्मणझूला, स्वर्गाश्रम, मुनिकीरेती, तपोवन आदि क्षेत्रों में भी आवारा कुत्तों से लोगों में दहशत है। यहां क्षेत्र में घूमने वाले कई कुत्ते दोपहिया वाहनों के पीछे दौड़ने लगते हैं। स्थानीय प्रशासन की ओर से आवारा कुत्तों से निजात दिलाने के लिए कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हो रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में की सी.एम हेल्पलाईन 1905 की समीक्षा

देहरादून, एजेंसी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में सी.एम हेल्पलाईन 1905 की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान विभिन्न शिकायतकताओं से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनी एवं सीएम हेल्पलाईन के संबंध में फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन 1905 में आने वाली शिकायतों को शीर्ष प्राथमिकता से लें। साथ ही सीएम हेल्पलाइन 1905 को और अधिक प्रभावी बनाए जाने पर कार्य हो। उन्होंने कहा सीएम हेल्पलाइन का मकसद जनता को सहूलियत पहुंचाना है। शिकायत का समाधान न होने पर संबंधित विभाग व अधिकारी उसका अनवरत रूप से फॉलोअप करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दीर्घकालीन/ टेक्निकल समस्याओं को लंबित रखने की आदत छोड़, समस्याओं के शीघ्र समाधान पर कार्य करें। शासन व प्रशासन का एक मात्र मकसद जनता को संतुष्ट करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी प्रत्येक स्तर पर नियमित रुप से सीएम हेल्पलाइन 1905 के संबंध में बैठके लें। शासन एवं प्रशासन की जवाबदेही जनता के प्रति होनी चाहिए। उन्होंने कहा शिकायतकताओं के प्रति सभी सेवा भाव से कार्य करें, एवं उनकी समस्याओं को बेवजह लंबित न रखते हुए शीघ्र समाधान करें। मुख्यमंत्री ने वचुंअल माध्यम से जुड़े सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि तहसील दिवसों के दौरान भी सीएम हेल्पलाइन 1905 से आने वाली शिकायतों को तत्काल पोर्टल पर अपडेट किया जाए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सीएम हेल्पलाईन के शिकायतकताओं से फोन के माध्यम से वार्ता की जिसमें उधम सिंह नगर की शिकायकर्ता भावना फुलारा द्वारा बताया गया है कि उनका राशन कार्ड ऑनलाइन प्रदर्शित नही हुआ था, जिस कारण उनका आयुष्मान कार्ड नही बन पा रहा था। सीएम हेल्पलाईन में शिकायत करने के महज 5 दिन में उनकी शिकायत का समाधान किया जा चुका है। जिसके लिए शिकायकर्ता भावना फुलारा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री से वार्ता के दौरान नैनीताल के शिकायकर्ता सर्वेश शर्मा ने बताया कि उनके घर में कई दिनों से पानी नही आ रहा था। नई पाइप लाइन डालते समय उनके घर की पुरानी पाइप लाइन टूट गई थी। कोई अधिकारी सुनने को तैयार नहीं था। परंतु सीएम हेल्पलाईन में शिकायत करने के महज कुछ दिनों बाद ही उनकी शिकायत का समाधान किया जा चुका है। शिकायकर्ता सर्वेश शर्मा ने सीएम हेल्पलाईन की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। हरिद्वार से शिकायकर्ता सुखजीवन सिंह ने मुख्यमंत्री से वार्ता के दौरान बताया कि उनकी कॉलोनी वसंत विहार में कुछ दिन पहले सड़क का निर्माण कार्य किया गया है। उन्होंने घटिया सड़क निर्माण कार्य के संबंध में सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज की थी। शिकायत दर्ज करने के उपरांत बीते रविवार को ही सड़क को फिर से बना लिया गया है। जिसके लिए उन्होंने सीएम हेल्पलाईन की सराहना की एवं सीएम के प्रति आभार प्रकट किया। देहरादून से शिकायकर्ता विवेक की शिकायत को सुनते हुए मुख्यमंत्री ने तत्काल लंबित पड़ी शिकायत के शीघ्र समाधान हेतु जिलाधिकारी देहरादून को निर्देशित किया। उन्होंने जिला अधिकारियों को भी नियमित रूप से सीएम हेल्पलाइन के संबंध में बैठक लेने की बात कहीं।

आवारा जानवरों के सामने बेबस नगर निगम, हर दिन लोगों पर हमला कर रहे कुत्ते; व्यवस्था जीरो

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। काशीपुर में लावारिस कुत्ते बच्चों और बड़े लोगों पर हमलाकर उन्हें घायल कर रहे हैं। वहीं नगर निगम ने पचास लाख की लागत से राजकीय पशु अस्पताल परिसर में एबीसी सेंटर तो बनवा दिया, लेकिन सेंटर आज तक शुरू नहीं हो सका है।

काशीपुर नगर क्षेत्र में लावारिस कुत्ते बच्चों और बड़े लोगों पर हमलाकर उन्हें घायल कर रहे हैं। वहीं नगर निगम ने पचास लाख की लागत से राजकीय पशु अस्पताल परिसर में एबीसी सेंटर तो बनवा दिया, लेकिन सेंटर आज तक शुरू नहीं हो सका है।

शहर की गली-मोहल्लों में लावारिस कुत्तों की तादाद बढ़ती ही जा रही है। इनके डर से लोग बच्चों को अकेले में बाहर नहीं जाने दे रहे हैं। एलडी भट्ट उप जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन 20 से 25 नए लोग एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे हैं। वहीं 30-40 लोग प्रतिदिन वैक्सीन की दूसरी और तीसरी डोज लगवाने के लिए आ रहे हैं।

इसके अलावा निजी अस्पतालों में भी कुत्तों के हमलों में घायल लोग वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे हैं। बताया जाता है कभी कभी एक दिन में सरकारी अस्पताल में वैक्सीन लगवाने के लिए 90 मरीज तक पहुंच जाते हैं। लावारिस और पालतू कुत्ते ज्यादातर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों पर हमला करते हैं। क्योंकि वह जल्दी से भाग नहीं पाते हैं।

जमीन दिलाने के नाम पर पूर्व सैनिक से ठगे 40 लाख रुपये, पुलिस ने तीन आरोपितों के खिलाफ मुकदमा किया दर्ज

देहरादून, एजेंसी।
जमीन दिलाने के नाम पर भूमाफिया ने एक पूर्व सैनिक से 40 लाख रुपये ठग लिए। आरोपितों ने सांठगांठ कर पूर्व सैनिक को नगर निगम की जमीन बेच दी। करीब 10 साल से चल रहे मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

रायपुर थानाध्यक्ष कुंदन राम ने बताया कि बालकराम भट्ट निवासी आमवाला तरला रायपुर ने तहरीर दी है कि वह गढ़वाल राइफल्स से सेवानिवृत्त हैं। वर्ष 2014 में उन्होंने आशु शर्मा से ज्योति पंवार के माध्यम से बड़यासू में जमीन खरीदने की बात की थी।

आरोपितों ने कहा कि रकम देने के बाद ही जमीन की रजिस्ट्री होगी। आरोप है कि आरोपितों ने रुपये लेने के बाद फोन उठाना बंद कर दिया। जांच पड़ताल में पता चला कि जो जमीन आरोपितों ने उन्हें बेची वह पूर्व में किसी दूसरे व्यक्ति को बेची थी।

किसी तरह आरोपितों से संपर्क हुआ तो उन्होंने दूसरी जमीन देने का वादा किया। दो वर्ष चक्कर काटने के बाद उन्हें डांडा लखौंड में जमीन दिखाई गई। इस पर जैसे ही उन्होंने चारदीवारी करनी चाहती तो पुलिस ने काम रुकवा दिया। बताया कि जमीन सरकारी है।

शिकायतकर्ता ने जब विरोध किया तो आरोपित ने उन्हें 40 लाख रुपये के चेक लौटाए, लेकिन दोनों चेक बाउंस हो गए। पुलिस ने मामले में नीरज शर्मा, आशू शर्मा, ज्योति पंवार निवासी डांडा लखौंड के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विभागों के अन्तर्गत चयनित 84 अभ्यर्थियों को वितरित किये नियुक्ति पत्र

देहरादून, एजेंसी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्य सेवक सदन में खेल नीति-2021 के अंतर्गत विभिन्न पदों पर चयनित राज्य के 31 विशिष्ट खिलाड़ियों को खेल विभाग, गृह विभाग, युवा कल्याण एवं वन विभाग में आउट ऑफ टर्न सेवायोजन, परिवहन विभाग में 25 कनिष्ठ सहायकों तथा उद्यान विभाग में 28 सहायक लेखाकारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। इस प्रकार कुल 84 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र वितरित किये। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सभी अभ्यर्थियों को बधाई एंव शुभकामनाएं देते हुये कहा कि आपने यह सफलता कड़ी मेहनत व परिश्रम से हासिल की है। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्व का संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि आप जितनी ईमानदारी, लगन और मेहनत से काम करेंगे, आपके आगे की राह उतनी ही सुगम और सरल होगी। मुख्यमंत्री ने खेल नीति 2021 का उल्लेख करते हुये कहा कि इसके तहत हमने अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न सरकारी नौकरी देने का जो वादा किया था, उसे हम आज धरातल पर उतरते हुए देख रहे हैं। उन्होने कहा कि हमने तय किया है कि जो भी युवा खेल की दुनिया में उत्तराखंड का नाम रोशन करेंगे, उन्हें प्रोत्साहित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों के साथ ही खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेलों में प्रतिभाग करने के लिए तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित करके, खिलाड़ियों का मनोबल निरन्तर बढ़ा रही है। उन्होंने आउट ऑफ टर्न नियुक्त प्रक्रिया का जिक्र करते हुये कहा कि यह प्रक्रिया सभी अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए संजीवनी का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्यान, परिवहन विभाग की तरह ही विगत माहों में प्रतिदिन युवाओं को विभिन्न विभागों के अन्तर्गत नियुक्ति पत्र देने का सिलसिला जारी है।

एक माह पहले बिछाई टाइल्स, अब चौड़ीकरण के लिए उखाड़ीं

हल्द्वानी, एजेंसी। रामपुर रोड पर पंचायतघर चौराहे के चौड़ीकरण का काम शुरू होने के साथ ही यहां एक माह पहले बिछाई गई इंटरलॉकिंग टाइल्स को उखाड़ा जाने लगा है। दुकानों के आगे खुदाई से लोग परेशान हैं तो पाइप लाइन डालने के लिए अब मिट्टी खोदकर सड़क पर डाली जा रही है। शहर के चौराहों के चौड़ीकरण के तहत रामपुर रोड पर स्थित पंचायतघर चौराहे को भी चौड़ा किया जा रहा। इसके लिए चौराहे के पास बनी कई दुकानों को तोड़ा गया है, साथ ही अब दुकानों के आगे भी पाइप लाइन डालने के लिए सड़क खोदी जा रही है। मगर चौराहे पर जिस तरह से सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। वह विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। दरअसल, हल्द्वानी-रुद्रपुर राजमार्ग के चौड़ीकरण का काम ब्रिडकुल कर रहा है। इसके लिए एसटीएच से बेलबाबा मंदिर तक सड़क चौड़ी की जा रही है। जनवरी में सड़क पर डामरीकरण का काम भी किया गया था, जिसके बाद पंचायतघर पर सड़क के दोनों ओर इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछा दी गई, जबकि पंचायत घर चौराहे के चौड़ीकरण का काम लोनिवि को करना था।

ऑनलाइन सट्टा लगवाते सरगना सहित पांच दबोचे

हल्द्वानी, एजेंसी। पुलिस और एसओजी की टीम ने रामपुर रोड की गली नंबर नौ में छापा मारा। इस दौरान यहां ऑनलाइन सट्टा लगाया जा रहा था। पुलिस ने सट्टा सरगना और चार अन्य आरोपियों को 15 लाख रुपये के साथ गिरफ्तार किया। साथ ही एक लैपटॉप, 11 मोबाइल सहित कई उपकरण बरामद किए। मनोज कुमार गुप्ता पुत्र गंगाशरण गुप्ता अपने घर से सट्टे का ऑनलाइन और ऑफलाइन कारोबार चला रहा है। इस पर पुलिस और एसओजी की टीम ने शनिवार रात मनोज गुप्ता के घर पर दबिश दी तो मनोज के साथ चार और लोग दबोचे गए। मौके से पुलिस ने मनोज के पास से नोटों भरा बैग बरामद किया, जिसमें 801640 रुपये थे। एसपी सिटी प्रकाश चंद्र ने बताया कि मनोज गुप्ता सट्टा सरगना है। मनोज के अलावा मौके से पकड़े गए अभिषेक अग्रवाल पुत्र ओमप्रकाश अग्रवाल निवासी सतीश कॉलोनी हीरानगर के पास से 59 हजार रुपये, मो. कामिल पुत्र नाजिम खां निवासी लाइन नंबर 18 लाल स्कूल बनभूलपुरा के पास से कुल 2.5 लाख रुपये, विशाल गुप्ता पुत्र मुकेश गुप्ता निवासी गली नंबर नौ रामपुर रोड के कब्जे से 2.30 लाख रुपये और रोहित गुप्ता पुत्र धर्मपाल गुप्ता निवासी धानमिल बरेली रोड के पास से 1.70 लाख रुपये बरामद किए गए।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, मंगलवार, 12 मार्च, 2024

दिल्ली के सीवर सिस्टम को जाम कर आप सरकार को बदनाम करना चाहती है भाजपा- दुर्गेश पाठक

भाजपा को चेतावनी है कि आपकी घटिया राजनीति से दिल्लीवाले आपको वोट देने वाले नहीं हैं- दुर्गेश पाठक

- यह सब कोई संयोग नहीं हो सकता है, सबकुछ एक घटिया षड्यंत्र के तहत हो रहा है- दुर्गेश पाठक
- पिछले कुछ दिनों से दिल्ली की कई जगहों पर सीवर जाम होने और सीवर ओवरफ्लो की समस्या हो रही है- दुर्गेश पाठक
- दिल्ली जलबोर्ड को सफाई के दौरान सीवरों से बालू-सीमेंट से भरी बोरियां मिल रही हैं- दुर्गेश पाठक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आप विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा दिल्ली के सीवर सिस्टम को जाम करके आप सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली की कई जगहों पर सीवर जाम होने और सीवर ओवरफ्लो की समस्या हो रही है। दिल्ली जलबोर्ड ने सफाई की कोशिश की तो उन्हें कई सीवरों से बालू-सीमेंट से भरी बोरियां मिलीं। ऐसी जगहों पर ओवरफ्लो हो रहा है जहां 25-25 सालों से नहीं हुआ। यह सब कोई संयोग नहीं हो सकता है। सबकुछ एक घटिया षड्यंत्र के तहत हो रहा है। भाजपा वालों, आपकी घटिया राजनीति से दिल्लीवाले आपको वोट देने वाले नहीं हैं। दिल्ली वालों से माफी मांगे भाजपा। साथ ही इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता, राजेंद्र नगर के विधायक एवं एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता को संबोधित किया। दुर्गेश पाठक ने सीवर की एक वीडियो और कुछ फोटो दिखाते हुए कहा कि दिल्ली के अधिकांश लोग सीवर के ओवरफ्लो की समस्या से पीड़ित हैं, जिससे उनकी जिंदगी दूभर हो गई है। यह समस्या दिल्ली की कई जगहों पर देखने को मिल रही है। दिल्ली जल बोर्ड के लोग वहां जा-जाकर सफाई कर रहे हैं। जब वह मलबे को निकालने की कोशिश करते हैं तो वहां से बालू और सीमेंट से भरी बोरियां निकलती हैं। साफ पता लग रहा है कि बोरियों को जानबूझकर सीवरो में डाला गया है ताकि सीवर जाम हो जाएं और लोगों तक गंदा पानी पहुंचे। मुझे यह कहने में बिल्कुल संकोच नहीं है कि भाजपा जैसी घटिया पार्टी पूरी दुनिया में मिलना मुश्किल है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार सीवर में जानबूझकर मालबा डालने का मकसद एक ही है कि अरविंद केजरीवाल को बदनाम किया जाए। आम आदमी पार्टी के विधायक और पार्षद को बदनाम किया जाए। यह सब कुछ भाजपा एक षड्यंत्र के तहत कर रही है। किसी एक सीवर में बोरी मिलती तो हम इसे संयोग समझ सकते थे, लेकिन पिछले 10 दिनों में बहुत सारी जगहों पर मलबे से भरी बोरियां मिल रही हैं। दिल्ली की कई ऐसी जगहों पर ओवर फ्लो हो रहा है जहां 25-25 सालों से ओवरफ्लो की समस्या नहीं हुई। यह सब कोई संयोग नहीं हो सकता है। यह सब कुछ भाजपा के लोग करवा रहे हैं अन्यथा दिल्ली का एक आम नागरिक ऐसा करने का सोचेगा भी नहीं कि सीवर में बोरी डालकर पानी का फ्लो रोक दिया जाए। सीवर का पाइप 20-30 फीट नीचे होने के कारण यह पता करने में बहुत मुश्किल आती है कि मलबा कहां फंसा हुआ है। दो-तीन दिनों की मेहनत के बाद पता चलता है कि सीवर के अंदर सीमेंट से भरी बोरियां फंसी हुई हैं।

आप विधायक ने कहा कि इससे शर्मनाक और घटिया राजनीति मैंने अपने जीवन में नहीं देखी। दिल्ली नगर निगम में 15 सालों तक भाजपा की सरकार रही। केंद्र सरकार का सहयोग भी प्राप्त था लेकिन फिर भी बीजेपी ने दिल्ली का पूरा ड्रेनेज सिस्टम खत्म कर दिया। आपने पूरी दिल्ली को बर्बाद कर दिया। आपसे कोई काम नहीं होता है लेकिन अगर कोई एक पार्टी या नेता काम करने की कोशिश कर रहा है तो उसको रोकने की कोशिश में लगे रहते हैं।

दुर्गेश पाठक ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली में मोहल्ला क्लिनिक बनाए गए। स्कूल अस्पताल शानदार हो गए, बिजली-पानी मुफ्त हो गया। कुछ काम आप भी करके दिखाओ। कभी केंद्र सरकार तो कभी एलजी की मदद से हमारे कामों को रोकने की कोशिश करते हो। आज अपने गुंडों की मदद से सीवर जाम करने और सीवर का ओवरफ्लो बढ़ाने का घटिया काम कर रहे हो। भाजपा को चेतावनी देता हूं कि इस प्रकार की घटिया राजनीति से दिल्ली की जनता आपको वोट देने वाली नहीं है। दिल्ली वालों को पता है कि कौन काम कर रहा है और कौन काम नहीं कर रहा है। भाजपा को दिल्ली वालों से माफी मांगनी चाहिए। साथ ही हम इस पूरे मामले की जांच की मांग करते हैं।

क्या केजरीवाल सार्वजनिक माफी मांग सकते हैं? सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री से ऐसा क्यों कहा

- हम इसकी जांच करेंगे। जब एक वकील ने निर्देश लेने के लिए समय मांगा तो पीठ ने कहा कि उन्हें माफीनामा दिखाओ।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से आपराधिक मानहानि मामले में माफीनामा देने को कहा है। सीएम केजरीवाल ने पिछली बार सुनवाई में यूट्यूबर ध्रुव राठी के वीडियो को शेयर करने की गलती स्वीकार की थी।

कोर्ट ने शिकायतकर्ता से पूछा क्या आप उन्हें माफी देना चाहते हैं। आप इस बारे में हमें बताएं। मामले में अगली सुनवाई 13 मई को होगी। अरविंद केजरीवाल ने ध्रुव राठी के एक वीडियो को शेयर किया था, जिसमें भाजपा आईटी सेल पर कई आरोप लगाए थे। इसी मामले में उनके खिलाफ शिकायत की गई थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने उन पर मानहानि का मुकदमा बरकरार रखने का आदेश दिया था, जिसे अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

सुप्रीम कोर्ट में 26 फरवरी को सुनवाई के दौरान अरविंद केजरीवाल ने वीडियो को शेयर करने की गलती स्वीकार की थी। सोमवार को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल से पूछा कि वह शिकायतकर्ता को माफीनामा देना चाहते हैं। सोमवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ को शिकायतकर्ता विकास सांकृत्यायन के वकील ने बताया कि केजरीवाल माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स या इंस्टाग्राम जैसे सार्वजनिक प्लेटफार्मों पर माफी जारी कर सकते हैं।

शिकायतकर्ता कर सकता है माफ

पीठ ने वकील से कहा, आप हमें बताएं कि आप क्या चाहते हैं। हम इसे दूसरी तरफ रख सकते हैं। हम आपकी या दूसरे पक्ष की जगह नहीं लेंगे। पीठ ने कहा कि शिकायतकर्ता केजरीवाल को माफी का प्रारूप दे सकता है। पीठ ने अरविंद केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी कहा कि इसलिए यदि आप माफी मांगना चाहते हैं तो आप इसे अपने अधिकारों और तर्कों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना प्रसारित कर सकते हैं। उन्हें जांच करने दीजिए।

नहीं तो जांच के बाद देंगे फैसला

कोर्ट ने आगे कहा कि अन्यथा हम कानूनी मुद्दे की जांच करेंगे कि केवल री-ट्वीट करना आपराधिक अपराध है या नहीं। जांच के बाद हम आपसे सहमत हो सकते हैं, हम दूसरे पक्ष से सहमत हो सकते हैं। हम इसकी जांच करेंगे। जब एक वकील ने निर्देश लेने के लिए समय मांगा तो पीठ ने कहा कि उन्हें माफीनामा दिखाओ। अगर वो इससे सहमत हैं तो ठीक है। मानहानि मामले में ट्रायल पर स्टे को सुप्रीम कोर्ट ने दो महीने और बढ़ा दिया है। अब सुनवाई 13 मई को होगी।

नए सत्र के लिए स्कूलों का वार्षिक कैलेंडर हुआ जारी

नई दिल्ली। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए शिक्षा निदेशालय ने सरकारी स्कूलों और सहायता प्राप्त स्कूलों का वार्षिक कैलेंडर जारी कर दिया है। इसमें दाखिला कार्यक्रम से लेकर वर्षभर स्कूलों में होने वाली विभिन्न गतिविधियों का ब्यौरा दिया गया है। नए सत्र की शुरूआत एक अप्रैल से होगी। स्कूलों में नर्सरी, केजी और पहली कक्षा में दाखिला को लेकर आवेदन की प्रक्रिया जारी है। 15 मार्च तक दाखिला के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद कक्षा पांचवीं तक की खाली सीटों पर दाखिला पहले आओं और पहले पाओं के आधार पर मिलेगा।

स्कूलों में कक्षा छठीं से नौवीं में योजना बद्ध दाखिला और गैर योजना बद्ध दाखिला की प्रक्रिया तीन अलग-अलग चरणों में एक अप्रैल से शुरू होगी। जबकि कक्षा 11वीं के लिए दाखिला कक्षा दसवीं के बोर्ड के परिणाम आने के बाद शुरू होंगे। कक्षा दसवीं और 12वीं में गैर योजना बद्ध दाखिला के लिए 18 अप्रैल से आवेदन कर सकेंगे। आखिरी तारीख 29 अप्रैल है। इसको लेकर नौ मई को टेस्ट का आयोजन किया जाएगा। टेस्ट का परिणाम 14 मई को घोषित होगा। वार्षिक कैलेंडर में कंपार्टमेंट की परीक्षा को लेकर संभावित तारीख भी जारी की गई है। कक्षा पांचवीं, आठवीं, नौवीं और 11वीं की परीक्षा आठ अप्रैल से लेकर 30 अप्रैल तक के बीच होंगी। 11 मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश : स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 11 मई से लेकर 30 जून तक रहेगा। शरद ऋतु अवकाश नौ अक्तूबर से लेकर 11 अक्तूबर तक और शीतकालीन अवकाश वर्ष 2025 में एक जनवरी से लेकर 15 जनवरी तक रहेगा।

प्लास्टिक का बेहतर विकल्प बन रहा प्राकृतिक कॉयर, लोग इसका प्रयोग करके वातावरण को बचाए: कॉयर बोर्ड

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भारत सरकार के एमएसएमई (टरटए) मंत्रालय के तहत कॉयर बोर्ड के शोरूम और सेल्स डिपो, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली ने कॉयर और कॉयर बोर्ड की योजनाओं और सेवाओं पर अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) हस्तक्षेप पर एक सेमिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम 11 मार्च, 2024 को नई दिल्ली वाईएमसीए टूरिस्ट हॉस्टल ऑडिटोरियम, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में हुआ। क्षेत्रीय सेमिनार का उद्घाटन माननीय सचिव, कॉयर बोर्ड श्री जीतेन्द्र कुमार शुक्ला. द्वारा किया गया। क्षेत्रीय अधिकारी प्रभारी सुनील कुमार बी. सीसीआरआई कलावूर के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी श्रीमती सुमी सेबस्टिन ने अपने विचार रखें। इस कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का अभिनंदन श्री दिवाकर शर्मा, प्रबंधक सह पीआरओ, कॉयर बोर्ड द्वारा, और धन्यवाद ज्ञापन श्री सुशील भट्ट, प्रबंधक, कॉयर बोर्ड ने किया। इस कार्यक्रम में कॉयर उत्पादों का उपयोग, उनकी पर्यावरण-अनुकूल और बायोडिग्रेडेबल विशेषताओं की विशेषता, पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और प्रकृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जैसे प्रमुख विषयों पर विस्तार से बताया गया। कॉयर बोर्ड के सचिव श्री शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि कॉयर एकमात्र प्राकृतिक फाइबर है जिसकी खेती केवल निष्कर्षण के लिए नहीं की जाती है, बल्कि इसका प्रयोग विभिन्न क्षेत्रों में की जाती है। इस प्राकृतिक उत्पाद का खारे पानी के प्रति इसका प्रतिरोध इसे जाल और रस्सियों जैसे समुद्री अनुप्रयोगों के लिए आदर्श बनाता है, जबकि इसका स्थायित्व फर्श मैट, ब्रश और सुतली के लिए उपयुक्त है। उन्होंने कहा कॉयर की लिग्निन सामग्री, सागौन से बेहतर, विविध तकनीकी कपड़ा अनुप्रयोगों के लिए भविष्य के फाइबर के रूप में इसकी स्थायित्व और क्षमता को रेखांकित करती है। श्रीमती सुमी सेबस्टिन, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी प्रभारी, सीसीआरआई,ने अपने अनुसंधान के बारे में बताते हुए कहा की इसका प्रयोग उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास विकासों में सड़क सुदृढीकरण, रेलवे तटबंध स्थिरीकरण, कटाव नियंत्रण और खदान स्थल सुधार में कॉयर जियोटेक्सटाइल का उपयोग किया जा रहा है। जिसे भारतीय सड़क और रेलवे के अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन जैसे संगठनों द्वारा समर्थन दिया गया है। उन्होंने कहा कि कॉयर पिथ, अपनी असाधारण जल धारण क्षमता के साथ, कृषि और बागवानी में व्यापक अनुप्रयोग पाता है, जो एक प्रभावी मिट्टी कंडीशनर और नमी बनाए रखने वाले के रूप में कार्य करता है। इसके अतिरिक्त, कॉयर-आधारित कंपोजिट, मशीनरी और कॉयर मल्च मैट और बगीचे के उत्पादों में प्रगति इसकी बहुमुखी प्रतिभा और बाजार क्षमता में योगदान करती है। ग्लोबल वार्मिंग से निपटने और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों और उत्पादों को विकसित करने के उद्देश्य से चल रहे अनुसंधान के माध्यम से स्थिरता की दिशा में कॉयर लगातार प्रयास कर रहा है।

केन्द्र सरकार द्वारा सीएए को लागू किए जाने पर हार्दिक धन्यवाद -गोयल

नई दिल्ली। वरिष्ठ भाजपा नेता व यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जय भगवान गोयल जी ने सीएए लागू किए जाने पर मोदी सरकार का धन्यवाद करते हुए बताया कि हमें आत्म-निर्भर और सुरक्षित भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम उठाने का साहस और संकल्प करते हुए, हमें खुशी है कि केन्द्र सरकार ने सीमित उदारीकरण अनुबंध (सीएए) को लागू किया है। सीएए के माध्यम से, हम अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा रहे हैं।

श्री गोयल ने कहा कि सन 1955 के नागरिकता कानून में बदलाव किया जाएगा जिसमें दिसम्बर 2014 के पहले के पाकिस्तान, बांगलादेश और अफगानिस्तान से परेशान होकर भारत आए हिन्दू, बौद्ध, सिख, जैन, पारसी एवं ईसाई को भारत की नागरिकता प्रदान की जाएगी। श्री गोयल ने कहा कि सीएए के तहत नागरिकता पाने का आवेदन ऑनलाइन ही होगा। इसे लेकर एक ऑनलाइन पोर्टल भी तैयार किया गया है। आवेदकों को नागरिकता पाने के लिए अपना वह साल बताना होगा जब वो भारत में आए थे और भारत में आने के बाद वह कहां कहां रहे है इसे भी बताना होगा। आवेदक से किसी तरह का कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा। श्री गोयल ने कहा कि मोदी जी और अमित शाह जी को धन्यवाद कहना चाहता हूं कि वह दिन प्रतिदिन भारत को विकसित करने में लगे हुए है और ममता बनर्जी जैसे नेताओं को चेतावनी देना चाहता हूं जो देश के मुसलमानों को यह कहकर भड़काना बंद करें कि सीएए लागू होने से उनकी नागरिकता छीन ली जाएगी। सीएए नागरिकता देने का कानून है किसी की नागरिकता छीनने वाला कानून नहीं है।

नागरिकता संशोधन लागू कर प्रधानमन्त्री ने संकल्प पत्र में किया वादा पूरा : विनीत जैन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आखिर वह दिन आ ही गया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना एक और वादा पूरा कर दिया और देश में नागरिकता संशोधन लागू कर दिया गया। यह कहना है शाहदरा जिला भारतीय जनता पार्टी मीडिया सेल के संयोजक विनीत जैन का। विनीत जैन कहते हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते है उसे पूरा करते है। विनीत जैन कहते है इस अधिसूचना के जारी होने के बाद शरणार्थियों को नागरिकता मिलेगी और यह नियम सभी धर्मों के शरणार्थियों के लिए बनाया गया है ना की केवल किसी एक धर्म के लोगो के लिए। इस अधिनियम से गैर मुस्लिम शरणार्थियों को भी नागरिकता मिलेगी। विनीत जैन कहते है पूरा देश ही नहीं पूरी दुनिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास करती है क्योंकि सभी जानते है मोदी जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं। मोदी का हर फैसला देश हित में एवं हर समाज के उत्थान के लिए होता है क्योंकि मोदी देश के 140 करोड़ लोगो को अपना परिवार मानते है परिवार का मुखिया होने के नाते परिवार के हर सदस्य की जरूरत का ख्याल रखना वो अपना कर्तव्य मानते है। विनीत जैन ने कहा जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने है देश विकास की नई ऊंचाई छू रहा है देश विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था बनकर तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है भ्रष्टाचार पर कड़े कदम उठाने के कारण भ्रष्टाचार के मामले बहुत कम हुए है।

अग्रवाल संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित : शिखा गर्ग

नई दिल्ली। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की 2 दिवसीय बैठक संपन्न हुई। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की भव्यता एवं सफल आयोजन के लिए संगठन के संजय गुप्ता, जितेंद्र सिंघल का आभार व्यक्त किया गया। बैठक में देश के कोने कोने से 400 पदाधिकारियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आर. एन.गुप्ता, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रामबाबू सिंघल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामनिवास गोयल व देश के कोने कोने से सैकड़ों पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में समाज के संगठन व विकास पर विस्तृत चर्चा की गई। उक्त जानकारी शिखा गर्ग, राष्ट्रीय महिला महामंत्री दिल्ली नें दी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व राज्य सभा सांसद डॉ सुशील गुप्ता तथा राष्ट्रीय महामंत्री गिरीश मित्तल है। शिखा गर्ग नें बताया बैठक में आंकड़े दिए गए कुल इनकम टैक्स में 24 फीसदी हिस्सा अग्रवालों का है। कुल दान में 62 फीसदी हिस्सा अग्रवालों का है। कुल 16000 गौशाला में 12000 अग्रवाल समुदाय द्वारा संचालित है। भारत में कुल 50000 मंदिर अग्रवालों के है। 46 फीसदी शेयर दलाल अग्रवाल है। प्रमुख न्यूज पेपर के मालिक अग्रवाल है। भारत के विकास में 25 फीसदी योगदान अग्रवालों का है। लगभग 80 फीसदी से ज्यादा धर्मशालाए अग्रवाल समाज द्वारा संचालित होती है) लगभग 35 फीसदी चार्टर्ड अकाउंट, 8 फीसदी इंजीनियर, 10 फीसदी डॉक्टर, 7 फीसदी एम बी ए, और 3 फीसदी वकील अग्रवाल है। जबकि कुल अग्रवाल समुदाय की भारत में जनसंख्या सिर्फ 1 फीसदी है। हमें यह बात समझनी होगी कि अग्रवाल केवल एक जाती नहीं, एक सभ्यता है... एक संस्कृति है.. एक दर्शन है। शिखा गर्ग ने कहा हम इतने समाजसेवी इतने उदार और हर चीज में सक्षम है तो मैं चाहती हूं कि हम सत्ता के अंदर भी अपनी बागडोर संभाले। हम माँ लक्ष्मी के उपासक है, भगवान अग्रसेन के वंशज हैं, और भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे अग्रणी ध्वज वाहक है।

दो गुटों में मारपीट और फायरिंग का वीडियो वायरल

नई दिल्ली। वजीराबाद इलाके में रविवार दोपहर को रोडरेज में विवाद हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों ने छह-सात राउंड फायरिंग की और पथराव भी किया। घटना में तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने दंगा और मारपीट की धारा सहित कई अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूरी मारपीट का वीडियो भी वायरल हो रहा है। संगम विहार निवासी शावेज अपना मालवाहक टेंपो लेकर गली संख्या पांच से गुजर रहा था। इसी दौरान सलमान की चिकन दुकान के सामने उसकी स्कूटी से टेंपो भिड़ गया। इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी और दोनों ने अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को बुला लिया। दोनों पक्षों के बीच अवैध पिस्टल से फायरिंग होने लगी और ईंट-पत्थर फेंके जाने लगे। वायरल फुटेज में अरशद और मोहसिन फायरिंग करते हुए देखे जा सकते हैं। तभी बीट ऑफिसर कांस्टेबल महेश और अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। इसके बाद दोनों पक्षों में भगदड़ मच गई और वे फरार हो गए। पुलिस को मौके से तीन खाली खोल भी मिले। मारपीट में दोनों पक्षों के तीन लोग मामूली रूप से घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद एसआई विकास तोमर की टीम ने आरोपी मोहसिन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों में शामिल लोग बिल्डर का काम करते हैं और इनकी पहचान कर ली गई है। इसमें दो सगे भाई भी शामिल हैं। फिलहाल एसएचओ वीरेंद्र कुमार की देखरेख में गठित इंस्पेक्टर राजपाल बेनीवाल की टीम फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

बंद होने वाले निजी स्कूल के छात्र दूसरी जगह स्थानांतरित होंगे

नई दिल्ली। एक अप्रैल 2024 से दरियागंज इलाके में बंद होने वाले एक निजी स्कूल के छात्रों को दूसरे स्कूलों में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। स्कूल प्रशासन के एक पदाधिकारी के मुताबिक, छात्रों को आसपास के स्कूलों में स्थानांतरित कर दाखिला सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए स्कूलों का चयन कर लिया गया है। इस संबंध में सोमवार से पंजीकरण शुरू किया। अभिभावक बच्चों के दाखिला को लेकर ज्यादा चिंतित न हो। स्कूल हर संभव मदद करेगा। बता दें कि एक अप्रैल से स्कूल बंद करने को लेकर स्कूल प्रशासन ने कुछ दिन पहले नोटिस जारी किया था। पिछले वर्ष नवंबर महीने में शिक्षा निदेशालय से प्राप्त हुए आदेश के चलते यह कदम उठाया है। नोटिस में अभिभावकों से अनुरोध किया गया कि वह बच्चे का दाखिला वापस लें। स्कूल में लगभग 400 की संख्या में छात्र पढ़ते है। कक्षा नर्सरी से लेकर आठवीं तक के लिए संचालित होने वाले स्कूल का संचालन एक ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। पहले स्कूल किसी ओर इमारत में चलता था। फिर कुछ साल पहले दूसरी इमारत में स्थानांतरित किया। इसको लेकर निदेशालय का आरोप है कि स्थानांतरण को लेकर नियमों का पालन नहीं हुआ। इस कारण स्कूल बंद करने का आदेश जारी हुआ।

पंजाबी वर्ग की नाराजगी को लेकर दिल्ली में परेशान है फिलहाल भाजपा कांग्रेस

- भाजपा की अभी तक टिकटो में कोई पंजाबी चेहरा नहीं
- कांग्रेस पर भी एक टिकट पंजाबी को देने का दबाव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की सात लोकसभा सीटों पर अपने पांच प्रत्याशी घोषित करने वाली भाजपा पर जहां बची हुई दो सीटों पर वहीं कांग्रेस अपनी तीनों सीटों पर प्रत्याशी घोषित करने को लेकर असमंजस के हालात में है। एक सबसे बड़ी दिक्कत समीकरणों के हिसाब से यह आ रही है दिल्ली की राजनीति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका रखने वाले पंजाबी समाज को लेकर किसी भी पार्टी ने एक भी अपना प्रत्याशी नहीं बनाया है। और यह मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है दोनों ही पार्टियों के लिए फिलहाल इसका समाधान नहीं हो पा रहा है। भारतीय जनता पार्टी का जहां तक प्रश्न है उसकी राजनीति का दिल्ली में एक बड़ा आधार पंजाबी वर्ग रहा है जो विषम से विषम परिस्थितियों में उसके साथ खड़ा अधिकतर मौके पर नजर आया है। जहां तक भारतीय जनता पार्टी के गठन के बाद 1980 से लेकर आज तक के हालातो की बात करें सिर्फ दो बार मनोज तिवारी और सतीश उपाध्याय को छोड़ दें भाजपा प्रदेश की जिम्मेवारी पंजाबी या वैश्य समाज को देती रही है। इस क्रम में उसके प्रदेश अध्यक्ष कुमार मल्होत्रा मदनलाल खुराना केदारनाथ साहनी ओम प्रकाश कोहली जैसे नेता भी रहे हैं। वर्तमान में वीरेंद्र सचदेवा इसी समाज से आते हैं इसलिए भाजपा में बड़ा दबाव है कि वह एक सीट इस समाज से दें भाजपा यहां खुद उलझन में इसलिए है, क्योंकि उसने चांदनी चौक में वैश्य प्रत्याशी का टिकट काटा उनकी जगह वैश्य प्रत्याशी को दिया दक्षिण दिल्ली में गुर्जर प्रत्याशी का टिकट कटा वहां गुर्जर समाज को दिया इसी तरह पश्चिम दिल्ली में जाट समाज से टिकट दिया वहां जाट को ही प्रत्याशी बनाया लेकिन नई दिल्ली में पंजाबी मीनाक्षी लेखी पूर्वी दिल्ली में गौतम गंभीर के टिकट तो काट दिए गए लेकिन अभी कोई भी प्रत्याशी भाजपा ने पंजाबी घोषित नहीं किया है। इस मामले में दिक्कत यह है की हंसराज हंस को पंजाबी के नाम पर यदि बरकरार रखते हैं जिन चार सांसदों की टिकट कटी है वह पार्टी पर सवालिया निशान लगा सकते हैं की मनोज तिवारी और हंसराज हंस उनकी छवि क्षेत्र में क्या हमसे बेहतर थी जो इन्हें टिकट दी जा रही है वही उत्तर पश्चिम दिल्ली पर भाजपा के पास इस सुरक्षित सीट पर कोई पंजाबी चेहरा नहीं है इसलिए कुल मिलाकर पूर्वी दिल्ली पर सब की निगाहें टिकी हुई है सबकी नजर हैं यहां से भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और महामंत्री हर्ष मल्होत्रा के नाम चल रहे हैं और उनके पीछे समर्थन करने वाले भी काफी भारी भरकम लोग हैं।

निगम बोध घाट से चंदगी राम अखाड़ा रेड लाइट तक की सड़क का अपग्रेडेशन व सुदृढ़ीकरण करवायेगी केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की सड़कों को यात्रियों के लिए सुंदर और सुरक्षित बनाना केजरीवाल सरकार की प्राथमिकता है। इसे सुनिश्चित करने के लिए सरकार का लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मिशन मोड पर काम कर रहा है। इस दिशा में हाल ही में, पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने रिंग रोड पर निगम बोध घाट से चंदगी राम अखाड़ा रेड लाइट तक की सड़क के अपग्रडेशन और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी दी। उल्लेखनीय है कि, ये सड़क रिंग रोड का महत्वपूर्ण स्ट्रेच है और रोजाना लाखों यात्री इनका उपयोग करते हैं।

परियोजना को मंजूरी देते हुए, पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने कहा, ह्लकेजरीवाल सरकार का विजन अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करते हुए शहर में एक वर्ल्ड क्लास और सुरक्षित परिवहन नेटवर्क स्थापित करने पर है। इस दिशा में सरकार रिंग रोड जो दिल्ली में यातायात के लाइफ-लाइन की तरह है, शहर के विभिन्न हिस्सों को जोड़ती है और लाखों निवासियों के दैनिक आवागमन को सुविधाजनक बनाती है। उन्होंने कहा कि, इसके तहत रिंग रोड के प्रमुख रोड स्ट्रेच पर निगम बोध घाट से चंदगी राम अखाड़ा तक की सड़क का अपग्रेडेशन और सुदृढ़ीकरण करवाया जाएगा। ये पहल दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के विभिन्न क्षेत्रों की समग्र कनेक्टिविटी को बढ़ाते हुए दिल्ली के लोगों को सड़कों पर चलने के बेहतर अनुभव देने के विजन का हिस्सा है। बता दें कि इन सड़कों का मूल रूप से निर्माण और अपग्रेडेशान बहुत पहले किया गया था, जिसके कारण ये धीरे-धीरे खराब होने लगीं। ऐसे में पीडब्ल्यूडी ने एक्सपर्ट्स की सहायता से सड़कों का निरीक्षण किया है और पीडब्ल्यूडी मंत्री ने जल्द से जल्द इसके सुदृढ़ीकरण के निर्देश दिये है। पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने कहा कि, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी का दिल्ली के लोगों से वादा है- राजधानी की सड़कों को वर्ल्ड क्लास स्टैंडर्ड की सड़कों में तब्दील करेंगे और उनके नेतृत्व में दिल्ली की सड़कों को को बेहतर बनाने के लिए सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। परियोजना को मंजूरी देते हुए पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने अधिकारियों को निर्देश भी दिए कि, सुदृढ़ीकरण के दौरान सेफ्टी-सिक्योरिटी व क्वालिटी के सभी मानकों का प्रतिबद्धता से पालन हो और आवाजाही करने वालों को समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी का दिल्ली के लोगों से वादा है कि, राजधानी की सड़कों को वर्ल्ड क्लास स्टैंडर्ड की सड़कों में तब्दील करेंगे और उनके नेतृत्व में दिल्ली की सड़कों को को बेहतर बनाने के लिए सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि निर्माण के दौरान यात्रियों को कोई असुविधा न हो और निर्माण में उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों के सभी मानकों का पालन किया जाए। पश्चिमी दिल्ली में पीवीसी मार्केट रोड से रोहतक रोड के बीच की सड़क का भी सुदृढ़ीकरण करवायेगी केजरीवाल सरकार निगम बोध घाट से चंदगी राम अखाड़ा लाल बत्ती के साथ साथ पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने पश्चिमी दिल्ली में पीवीसी मार्केट रोड से रोहतक रोड के बीच की सड़क के भी सुदृढ़ीकरण परियोजना की मंजूरी दी।

दिल्ली के लोगों का जीवन मोदी सरकार ने बनाया सुगम : बिधूड़ी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह बिधूड़ी ने देश के तेजी से विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा द्वारका एक्सप्रेस वे सहित 114 सड़क परियोजनाओं के उद्घाटन पर उन्हें धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा है कि यह दिल्ली के लिए एक और बड़ा उपहार है और इससे दिल्लीवालों का जीवन सुगम बन सकेगा। बिधूड़ी आज इस परियोजना के साथ-साथ एक लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं के उद्घाटन के मौके पर दिल्ली से घोषित अन्य चार भाजपा प्रत्याशियों के साथ उपस्थित थे। इन परियोजनाओं पर केंद्र सरकार एक लाख करोड़ रुपए खर्च कर रही है। बिधूड़ी ने कहा कि द्वारका एक्सप्रेस वे 29 किमी. का हिस्सा चालू होने से दिल्ली और हरियाणा के लोगों का आवागमन आसान हो जाएगा। इसके अलावा दिल्ली के लोगों के लिए मोदी सरकार कई और बड़े तोहफे देने जा रही है जिसमें तीसरा रिंग रोड, दिल्ली-सहारनपुर एक्सप्रेस वे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे और रंगपुरी बाईपास शामिल हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मार्गदर्शन और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी जी के अथक परिश्रम से दिल्ली के लोगों को केवल आवाजाही में ही सुविधा नहीं मिलेगी बल्कि ट्रेफिक जाम, भीड़भाड़, प्रदूषण और रोड रेज जैसी समस्याओं से भी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों के जीवन को सुगम बनाना अरविंद केजरीवाल सरकार की जिम्मेदारी है लेकिन उस सरकार को राजनीति करने और अपनी जिम्मेदारी तथा दोष दूसरों पर डालने से ही फुरसत नहीं है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 12 मार्च, 2024

पंजाब में लोकसभा चुनाव के लिए आप का कैंपेन संसद बिच वी भगवंत मान, खुशहाल पंजाब ते बदे दी शान लांच

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने सोमवार को पंजाब में लोकसभा चुनाव के लिए संसद बिच वी भगवंत मान, खुशहाल पंजाब ते बदे दी शान कैंपेन लांच किया। मोहाली में आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान ने चुनाव प्रचार की अधिकारिक घोषणा की। इस दौरान सीएम केजरीवाल ने कहा कि विधानसभा में 117 में से 92 सीटें देने के लिए हम आपके शुक्र गुजार हैं, ऐसे ही हमें लोकसभा की सभी 13 सीटें दें। हमें ये सीटें पंजाब की खुशहाली और तरक्की के लिए मांग रहे हैं। एक समय था, जब पंजाब में चारों तरफ नकारात्मकता थी। महंगाई थी, बिजली महंगी थी, किसान-व्यापारी दुखी थे, इंडस्ट्री बाहर जा रही थी। लेकिन हमारी सरकार आने के बाद आज सबको मुफ्त व 24 बिजली मिल रही है, शानदार स्कूल-अस्पताल बन रहे हैं, सरकारी नौकरियां मिल रही हैं। अब चारों तरफ सकारात्मकता है। उन्होंने कहा, दिल्ली विधानसभा चुनाव में हमने कहा था कि मैंने काम किया है, तभी वोट देना। आज उसी विश्वास के साथ पंजाब से कहना चाहते हैं कि अगर दो साल में हमने काम किया है, तभी हमें वोट देना।

आज पंजाब में हर कोई कह रहा, 75 साल में आजतक इतना अच्छा काम करने वाली और ईमानदार सरकार कभी नहीं देखी- केजरीवाल

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि दो साल

पहले पंजाब के लोगों ने हम जैसे बहुत मामूली लोगों को प्रचंड बहुमत देकर जिताया था। पंजाब के लोगों ने उस वक्त के ज्यादातर नामी नेताओं, मंत्रियों और विधायकों को हराकर इतिहास रच दिया था और 117 में से 92 सीटें आम आदमी पार्टी को दी थी। पंजाब के लोगों का हम एहसान पूरा नहीं कर सकते। सीएम भगवंत मान के नेतृत्व में आप की सरकार पंजाब के लोगों का एहसान पूरा करने के लिए पिछले दो साल से रात-दिन सेवा कर रही है। आज पंजाब के अंदर बच्चे से लेकर बूढ़े तक हर कोई कह रहा है कि पिछले 75 साल में आज तक हमने ऐसी अच्छी सरकार कभी नहीं देखी। लोग कह रहे हैं कि आप की सरकार बहुत ही ईमानदार है, रोज नए-नए आइडिया लेकर आती है और जनता के लिए काम कर रही है।

आज पंजाब में चारों तरफ खूब काम हो रहे, लेकिन अभी बहुत काम करना बाकी है- केजरीवाल उन्होंने कहा कि हमारी सरकार से पहले पूरे पंजाब में नकारात्मकता थी, महंगाई थी, कानून-व्यवस्था खराब थी, बिजली के बिल बढ़ रहे थे, बिजली आती नहीं थी, किसान-व्यापारी दुखी थे और उद्यमी पंजाब छोड़कर जा रहे थे। हमारी सरकार बनने के दो साल बाद आज पंजाब में चारों तरफ सकारात्मकता है, व्यापारी-उद्यमी वापस आ रहे हैं, ढेरों उद्योगपति पंजाब में अपनी इंडस्ट्री खोलना चाहते हैं। बच्चों को रोजगार मिल रहे हैं, सरकारी नौकरियां मिल रही हैं, रोज नए मोहल्ला क्लीनिक का उद्घाटन हो रहा है। पंजाब के लोगों की बिजली मुफ्त हो गई। पहले 8-10 घंटे के पावर कट लगते थे, अब 24 घंटे बिजली मिलने लग गई है। शानदार स्कूल बन रहे हैं, लोगों को विश्वास नहीं हो रहा है कि सरकारी स्कूल ऐसे भी हो सकते हैं। पहले टीचर टंकियों पर चढ़े रहते थे, अब वो पक्के हो गए और स्कूल में पढ़ा रहे हैं। पूरे पंजाब में खूब काम हो रहा है लेकिन अभी बहुत काम करना बाकी है। केंद्र ने पंजाब के हक के 8 हजार करोड़ दे दिए

- आज पंजाब में मुफ्त व 24 बिजली है, शानदार स्कूल-अस्पताल बन रहे, नौकरियां पक्की हो रही, हर तरफ सकारात्मकता है- केजरीवाल

होते तो उससे कितनी सड़कें, स्कूल और मोहल्ला क्लीनिक बन गए होते- केजरीवाल आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब के लोगों को हम अपना माई-बाप मानते हैं। जनतंत्र के अंदर जनता मालिक और सरकार नौकर होती है। पंजाब की जनता भगवान है और जनता के भक्त और सेवक हैं। जब भक्त अपने भगवान के पास जाता है तो कुछ और मांगता है, वैसे ही हम पंजाब की जनता के पास और मांगने आए हैं। पंजाब की जनता ने हमें 117 में से 92 में सीटें दीं। इसके लिए हम पंजाब के बहुत शुक्र गुजार हैं। अब केंद्र का बड़ा चुनाव आ रहा है। इसमें पंजाब की 13 सीटें हैं। हमें सभी 13 सीटें चाहिए। यह सीटें हमें अपने और अपने परिवार के लिए नहीं चाहिए, बल्कि पंजाब की जनता को खुशहाल, पंजाब को रंगला और तरक्की के लिए यह सभी 13 सीटें चाहिए। जनता रोज देख रही है कि कैसे केंद्र सरकार, राज्यपाल और भाजपा वाले रोज हमारी सरकार को तंग कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने पंजाब के हक के 8 हजार करोड़ रुपए रोक लिए हैं। इस पैसे से न जाने कितनी सड़कें, स्कूल, अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक बन जाते। हमारे हर काम में राज्यपाल टांग अड़ा रहे हैं।

पंजाब के हक के लिए अकेले लड़ रहे भगवंत मान का क्या आप साथ नहीं देंगे?- केजरीवाल

सीएम केजरीवाल ने कहा कि 26 जनवरी को पंजाब की जनता अपनी झांकी निकालना चाहती थी। पंजाब ने अपनी झांकी बनाकर भेजी। उस झांकी में सरदार भगत सिंह, करतार सिंह सराभा, लाला लाजपत राय समेत पंजाब के अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियां थीं। केंद्र सरकार ने चिट्ठी भेजकर कर पंजाब की झांकी को रिजेक्ट कर दिया। केंद्र सरकार में बैठे लोग सरदार भगत सिंह, करतार सिंह सराभा, लाला लाजपत राय को रिजेक्ट करने वाले कौन होते हैं? अब ये पंजाब की सरकार गिराने के लिए रोज हमारे किसी न किसी विधायक से संपर्क करते हैं। आज भगवंत मान अकेले पंजाब के हक के लिए केंद्र सरकार, राज्यपाल और भाजपा वालों से लड़ रहे हैं। आपका बेटा-आपका भाई रात-दिन आपके लिए अकेले लड़ रहा है। क्या पंजाब की जनता भगवंत मान को अकेला छोड़ देगी, उनका साथ नहीं देगी? अगर आप पंजाब की सभी 13 सीटें भगवंत मान को दे देते हैं तो उनके 13 हाथ बनकर भगवंत मान और केंद्र सरकार से लड़ेंगे। पंजाब की आवाज उठाएंगे।

दिल्ली, पंजाब, गुजरात, कुरुक्षेत्र से हमारे 20 सांसद जीतते हैं तो संसद में हमारी ताकत बढ़ेगी- केजरीवाल

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज भी पंजाब ने लोकसभा में 13 सांसद चुनकर भेजा हुआ है। क्या कोई पंजाब की आवाज उठाता हुआ कभी सुन गए हैं, नहीं सुन गए। जब केंद्र सरकार ने पंजाब के हक के 8 हजार करोड़ रुपए रोके तब पंजाब के सभी सांसद कहां थे? केवल ह्याह्याआपह्ह्ह सांसद रिंकू की ही आवाज संसद में सुनाई देती है। जब पंजाब की झांकी रोकी गई तब दूसरी पार्टी के ये 12 सांसद कहां थे? ये पंजाब की कभी आवाज नहीं उठाते हैं। अगर आम आदमी पार्टी के 13 सांसद जीता कर संसद भेजते हैं तो ये संसद में आवाज उठाने के साथ ही आपके हक का पैसा भी लेकर आएंगे। अगर आपने हमारे 13 सांसद जीता दिए तो ये 13 सांसद इनकी नाक में दम कर देंगे। इसके अलावा, चार दिल्ली, एक कुरुक्षेत्र, गुजरात और असम से भी हम जीत रहे हैं। इस तरह लोकसभा के अंदर आम आदमी पार्टी के 20 सांसद और 10 राज्यसभा सांसद हो जाएंगे। जब हमारे 30 सांसद हो गए तो संसद के अंदर हमारी ताकत बढ़ेगी। हम केवल काम की बात करते हैं, हमें लड़ाई-झगड़ा और भ्रष्टाचार करना नहीं आता है- केजरीवाल

उन्होंने कहा कि जब 2020 में दिल्ली विधानसभा का चुना हुआ था, उसके दो माह पहले मैंने दिल्लीवालों से कहा था कि अगर मैंने काम किया है तभी हमें वोट देना। आज वही विश्वास लेकर पंजाब की जनता से भी कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार बने अभी मात्र दो साल ही हुए हैं। पंजाब की जनता को लगता है कि हमने दो साल में काम किया है, तभी हमें वोट देना, वरना हमें वोट मत देना। हम काम के दम पर वोट मांगते हैं। हम गाली-गलौज, लड़ाई-झगड़ा करके वोट नहीं मांगते हैं। इससे जनता को कुछ नहीं मिलता है। राजनीति में आने से पहले मैं देखता था कि सभी पार्टियां एक-दूसरे को गाली दे रही हैं।

जेएनयू में चार साल बाद छात्रसंघ चुनाव की घोषणा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने छात्र संघ चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है। चुनाव समिति द्वारा बीती देर रात ये घोषणा की गई। चुनाव समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने डीओएस और चुनाव समिति के सभी 40 सदस्यों से विचार विमर्श के बाद लिखित रूप में छात्र संघ कार्यक्रम को जारी किया। जारी कार्यक्रम के अनुसार आज सोमवार को चुनाव में मतदान करने वाले छात्रों की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। उसके बाद सूची में नाम को लेकर आपत्तियों के साथ नामों को जोड़ने और हटाने का काम मंगलवार को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। जेएनयू में छात्र संघ चुनाव की प्रक्रिया फरवरी महीने में शुरू हुई थी, जो डीओएस द्वारा सभी स्कूलों को जीबीएम कराने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद चुनाव समिति के गठन के लिए जीबीएम करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। अभी 4 मार्च को ही सभी स्कूलों की जीबीएम की प्रक्रिया संपन्न होने के बाद 6 मार्च को डीओएस प्रोफेसर मुनुराधा चौधरी द्वारा चुनाव समिति को मान्यता दी गई थी। उल्लेखनीय है कि लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के मुताबिक जेएनयू में चुनाव की प्रक्रिया डीओएस द्वारा अधिसूचना जारी करने के 6 से 8 हफ्ते के अंदर संपन्न करानी होती है। इस शर्त के मुताबिक जेएनयू में 29 मार्च तक छात्र संघ चुनाव हर हाल में संपन्न होना है। इसी को ध्यान में रखते हुए अब ये चुनाव का कार्यक्रम जारी किया गया है।

जेएनयू छात्रसंघ का विस्तृत चुनाव कार्यक्रम

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 11 मार्च, मतदाता सूची करेक्शन 12 मार्च सुबह 9 से शाम 5 बजे तक, नामांकन फार्म 14 मार्च दो से पांच बजे तक जारी होंगे, नामांकन 15 मार्च सुबह 9.30 से शाम 5 बजे तक दाखिल होंगे, वैध नामांकन की सूची 16 मार्च 9 बजे से, नामांकन वापसी 16 मार्च 10 से 1 बजे तक, प्रत्याशियों की घोषणा 16 मार्च तीन बजे से, सभी छात्र संगठनों की बैठक 16 मार्च शाम चार बजे, स्कूल जीबीएम 17 मार्च सुबह 10 बजे से, स्कूल जीबीएम 18 मार्च सुबह 10 बजे से, स्कूल जीबीएम 19 मार्च सुबह 10 बजे से, विश्वविद्यालय यूजीबीएम 20 मार्च सुबह 10 बजे से, अध्यक्षीय डिबेट 20 मार्च रात नौ बजे से, नो कैंपेन डे- 21 मार्च, 22 मार्च सुबह 9 से 1 बजे और 2.30 से पांच बजे तक मतदान, मतगणना 22 मार्च रात नौ बजे से और 24 मार्च को चुनाव परिणाम की घोषणा होगी।

संक्षिप्त खबरें

राजधानी के चिराग दिल्ली में पिता-पुत्र की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर थाना क्षेत्र में पिता-पुत्र की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पीड़ितों का पड़ोसियों से मामूली बात पर झगड़ा हुआ था। मालवीय नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपितों की पहचान शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान जयभगवान और उनके पुत्र सौरभ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, बीती रात आठ बजे मालवीय नगर थाने में एक कॉल आई थी कि चिराग दिल्ली में चाकूबाजी हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे। पुलिस के अनुसार यह आपसी रंजिश का मामला है। पुलिस आरोपितों को पकड़ने का दावा कर रही है। चिराग दिल्ली के लोगों का कहना है कि जयभगवान केबल का काम करता था और इलाके में पहले से किसी के साथ रंजिश चली आ रही थी। मृतक के परिवार का आरोप है कि उनके घर पर पहले भी ये लोग पथराव कर चुके हैं। इसकी शिकायत पुलिस से कई बार की गई, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। सूचना मिलते ही डीसीपी अंकित चौहान मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि हम जल्द हत्या में शामिल सभी आरोपितों को पकड़ लेंगे। इसके लिए हमने पांच टीम बनाई हैं। डीसीपी ने बताया कि जयभगवान मालवीय नगर थाने का घोषित पुराना अपराधी था। उसके खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास, स्नैचिंग आर्म्स एक्ट आदि के कई मामले दर्ज हैं। हालांकि यह झगड़ा किस बात को लेकर हुआ, यह अभी साफ नहीं हुआ है और न ही हत्यारों की अभी पहचान हो सकी है।

राजौरी गार्डन में बदमाश को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला

नई दिल्ली। दिल्ली के राजौरी गार्डन इलाके में एक बदमाश को पकड़ने गई मोहन गार्डन थाना पुलिस खुद ही हमले का शिकार हो गई। राजौरी गार्डन इलाके के रघुवीर नगर में पुलिस आदिल नाम के बदमाश को पकड़ने गई थी। मोहन गार्डन थाने में बदमाश आदिल के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आदिल को जैसे ही हिरासत में लिया, वैसे ही उसके समर्थक और रिश्तेदारों ने लाठी-डंडों और चाकुओं से पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस हमले में पुलिसवालों को चोट आई है। लोगों ने पुलिस की गाड़ी के शीशे भी तोड़ दिए। कुछ महिला और पुरुषों ने पुलिस की गाड़ी को घेरकर आदिल को छुड़ाने की कोशिश की। डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार, यह घटना राजौरी गार्डन और तिलक नगर थाना इलाके के बॉर्डर पर हुई है।सूचना मिलते ही राजौरी गार्डन और तिलक नगर थाने के एसएचओ को दल-बल के साथ मौके पर भेजा गया। इन लोगों ने भीड़ को हटाया। इस वजह से भीड़ आदिल को छुड़ाकर नहीं ले जा सकी।

दिल्ली के गांवों में भी पाइप लाइन से पहुंचेगी रसोई गैस

अमित शाह करेंगे 41 गांवों में पीएनजी सुविधा का उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली के शहीरकृत गांवों में भी लोगों को अब रसोई गैस के लिए किसी भी तरह की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनके घरों में पाइप लाइन से सस्ती और सुरक्षित तरीके से रसोई गैस की आपूर्ति होगी।

मिली जानकारी के अनुसार, पहले चरण में 41 गांवों में यह सुविधा उपलब्ध होगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार की शाम को द्वारका के यशोभूमि में दिल्ली ग्रामोदय अभियान के तहत यहां के 41 गांवों में पीएनजी सुविधा का उद्घाटन करेंगे।

इस अभियान के अंतर्गत 383 करोड़ की लागत से 178 गांवों में होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भी शुभारंभ होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संदेश में कहा है कि केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि हम दिल्ली को देश की राजधानी के अनुरूप एक शानदार, सुविधा संपन्न शहर बनाएंगे।

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिसंबर 2023 में दिल्ली ग्रामोदय अभियान की शुरूआत की थी। ग्रामीणों के साथ विचार-विमर्श करके दिल्ली के गांवों के लिए विकास योजना तैयार की जा रही है। सिर्फ तीन महीने में शहरीकृत गांवों के विकास के लिए 383 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

इस बजट से गांवों में पीएनजी की सुविधा उपलब्ध कराने, सड़क निर्माण, तालाब और अन्य जल निकायों का विकास व रख-रखाव, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाने, पेयजल सुविधा सुधारने, नालों की समस्या दूर करने, वर्षा का पानी संरक्षित करने के लिए जल संचयन प्रणाली बनाने, पार्क, खेल के मैदान, सामुदायिक सुविधाएं, पुस्तकालय, स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी कैमरे, पशुओं के लिए चारागाह की सुविधा उपलब्ध कराने और वृक्षारोपण किया जाएगा।

बोरवेल में गिरे व्यक्ति की मौत के मामले में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली जल बोर्ड के बोरवेल में गिरे एक व्यक्ति की मौत के संबंध में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि मृतक की अभी तक पहचान नहीं की जा सकी है। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि विकासपुरी पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 304ए (लापरवाही से मौत) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले की जांच की जाएगी। पुलिस ने बताया कि 40 फुट गहरे बोरवेल में गिरे व्यक्ति को बाहर निकालने के लिए लगभग 15 घंटे तक बचाव अभियान चलाये जाने के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी और रविवार को व्यक्ति का शव बोरवेल से बाहर निकाल लिया गया था। इस मामले में मृतक की अबतक पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मृतक की शिनाख्त के लिए कोशिश कर रही है, क्योंकि मृतक की पहचान होने के बाद ही उसके घर वालों से यह पता चल सकेगा कि वे लोग कहां के रहने वाले हैं और वह एसटीपी प्लांट के अंदर क्यों घुसा था।

शरजील इमाम की वैधानिक जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली दंगा मामले के आरोपित शरजील इमाम की वैधानिक जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। जस्टिस सुरेश कैत की अध्यक्षता वाली बेंच ने नोटिस जारी किया।

शरजील इमाम की ओर से पेश वकील ने कहा कि शरजील ने अधिकतम 7 साल की सजा की आधी सजा काट ली है। ऐसे में उसको तत्काल जेल से रिहा किया जाए। याचिका में कहा गया है कि शरजील इमाम 28 जनवरी 2020 से हिरासत में है। इसके पहले कड़कड़डूमा कोर्ट ने 17 फरवरी को शरजील इमाम की वैधानिक जमानत याचिका खारिज कर दिया था।

दरअसल, 30 जनवरी को दिल्ली हाईकोर्ट ने कड़कड़डूमा कोर्ट को शरजील इमाम की वैधानिक जमानत याचिका पर 17 फरवरी तक सुनवाई पूरी करने का निर्देश दिया था। कड़कड़डूमा कोर्ट में सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से पेश स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर अमित प्रसाद ने कहा था कि प्रावधानों में कुछ भ्रम है। उन्होंने कहा था कि सवाल ये है कि क्या यूएपीए के तहत कोई आरोपित आधी सजा पूरी करने के बाद अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 436ए के तहत जमानत पाने का हकदार है।

शरजील की वैधानिक जमानत याचिका का विरोध करते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा था कि अपराध की गंभीरता को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। दिल्ली पुलिस का कहना था कि सिर्फ इसलिए कि आरोपित ने उसके ऊपर दर्ज मामलों में मिलने वाली अधिकतम सजा का आधा हिस्सा जेल में बिता लिया है। इस आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती है।

दिल्ली पुलिस ने शरजील इमाम के खिलाफ यूएपीए के तहत दाखिल चार्जशीट में कहा है कि शरजील इमाम ने नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन को अखिल भारतीय स्तर पर ले जाने के लिए बेताब था और ऐसा करने की जी तोड़ कोशिश कर रहा था। दिल्ली पुलिस ने शरजील इमाम के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए, 153ए, 153बी और 505(2) के तहत एफआईआर दर्ज की थी।

18 लाख में कनाडा का फर्जी वीजा थमाया, पांच गिरफ्तार

विदेश भेजने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक गैंग का नई दिल्ली जिला पुलिस ने पदार्फाश किया है। पुलिस ने इनमें से तीन आरोपियों को जालंधर से, जबकि दो को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। इनके पास से 235 फर्जी वीजा और 8.5 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं। आरोपियों की पहचान सूरज बाहरी, अश्वनी कुमार, जसविंदर सिंह, मनीश शर्मा और जितेन्द्र कुमार के रूप में हुई है। डीसीपी देवेश महला के अनुसार कुलविंदर सिंह ने कनॉट प्लेस थाने में कबूतरबाजी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 20 जनवरी को चंडीगढ के एक मॉल में उनकी मुलाकात कुछ लोगों से हुई। उन्होंने 18 लाख रुपये में उसे कनाडा भेजने का वादा किया। उन्होंने दस्तावेजों के लिए उन्हें 9.30 लाख रुपये दे दिए। बीते फरवरी में आरोपियों ने उसे बताया कि दस्तावेज एवं विमान की टिकट तैयार है। बीते 24 फरवरी को वह कनॉट प्लेस स्थित आंध्रा कैंटीन में उनसे मिला। कुलविंदर ने उन्हें बकाया 9 लाख रुपये दे दिए। आरोपियों ने उसे 20 मिनट के बाद आरएमएल अस्पताल के बाहर आने को कहा, लेकिन तब तक उनके मोबाइल बंद हो गए थे। स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर संजय गुप्ता की देखरेख में एसआई प्रभात और प्रवीण यादव ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली और टेक्निकल सर्विलांस की मदद ली। इसकी मदद से जालंधर से सूरज बाहरी, अश्वनी कुमार और जसविंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। सूरज ने बताया कि दिल्ली में मनीष शर्मा फर्जी वीजा तैयार करता है। इसके बाद मनीष और उसके साथी जितेन्द्र को गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे ने की चाय पर चर्चा: विपिन जैन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हर वर्ग के लिए किए गए कार्यों के बलबूते भाजपा आज मुस्लिम समाज के बीच भी पहुंचने की हिम्मत रखती है। मोदी के कार्यकाल में मदरसों का आधुनिकीकरण हुआ है तो उसके साथ विश्वकर्मा योजना के तहत मुस्लिम समाज के लोगो को आर्थिक रुप से मजबूत करने का भी काम किया गया है। उक्त विचार भाजपा शाहदरा जिला (अल्पसंख्यक मोर्चा) अध्यक्ष विपिन जैन के संयोजन में बुलंद मस्जिद शास्त्री पार्क पर आयोजित चाय पर चर्चा के दौरान पार्टी के अनेक वक्ताओ ने प्रकट व्यक्त किए। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अनीस अब्बासी, प्रदेश महामंत्री शबाना रहमान, मोर्चे के जिला महामंत्री शुभम जैन, मोहम्मद शमीम व कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र जैन, विनोद जैन, सफाकत व पूजा शर्मा के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता व भारी तादाद में मुस्लिम समाज के लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने लोगों को बताया कि बढई, लुहार व नाई जैसे 17 काम करने वाले लोगों को लोन दिलवाकर स्वावलंबी बनवाने मे मदद करने की बात हो या उज्ज्वला योजना हो या आयुष्मान भारत योजना या हो मकान के लिए मदद करने की योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बिना किसी भेद भाव के हिन्दु हो या मुस्लिम हर किसी की मदद करने का प्रयास किया है। उल्लेखनीय है कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा शाहदरा जिला की ओर से बुलंद मस्जिद शास्त्री पार्क पर मुस्लिम समाज के साथ आयोजित चाय पर चर्चा का यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा 10 वर्षों में किए गए विकास कार्यों पर चर्चा के लिए अल्पसंख्यक मोर्चा शाहदरा जिला अध्यक्ष विपिन जैन की अध्यक्षता में किया गया था। वक्ताओ ने इस अवसर पर यह भी बताया कि भाजपा ने 2014 मे जारी संकल्प पत्र मे 95% व 2019 के संकल्प पत्र के संकल्पों को पूरा किया है। चाय पर चर्चा में भारी तादाद में उपस्थित मुस्लिम समाज ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को अधिक से अधिक मतों से जिताने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर से देश का प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

मैं छोटा नहीं सोच सकता हूं..मुझे जो भी चाहिए विराट चाहिए, द्वारका एक्सप्रेसवे के उद्घाटन पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा से देशवासियों को विकास की नई सौगात दी है। उन्होंने 16 राज्यों की कुल 114 सड़क परियोजनाओं की सौगात दी है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने 1 लाख करोड़ से अधिक की लागत की 114 परियोजनाओं को देश को जनता को समर्पित किया। पीएम मोदी ने गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेस-वे के 19 किलोमीटर लंबे हरियाणा खंड को भी राष्ट्र के लिए समर्पित किया है। इसके अलावा 43 किलोमीटर लंबा शामली-अंबाला राष्ट्रीय राजमार्ग और भिवानी-हांसी रोड के विस्तारीकरण की आधारशिला भी रखी। द्वारका एक्सप्रेसवे पर यातायात शुरू होने से ठल-48 पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा। इससे लाखों लोगों को राहत मिलेगी।

पीएम मोदी के संबोधन की बड़ी बातें-

-मैं छोटा नहीं सोच सकता हूं। मुझे जो भी चाहिए विराट चाहिए। 2047 में मुझे देश को विकसित भारत के रूप में देखना है। इसी रफ्तार को बढाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर का काम किया।

दिल्ली मरेठ एक्सप्रेस वे सहित कई बड़े प्रोजेक्ट हमारी सरकार ने पूरे किए हैं। दिल्ली एनसीआर में दस साल में 230 नई मेट्रो लाइन शुरू हुई है। जेवर एयरपोर्ट का काम तेजी से चल रहा है। इन प्रोजेक्ट से यातायात आसान होगा, एनसीआर में प्रदूषण कम होगा।

-देश में हो रहे लाखों करोड़ रुपये के इन विकास कार्यों से सबसे ज्यादा दिक्कत सिर्फ कांग्रेस और उसके घमंडिया गठबंधन को है। उनकी नींद हराम हो गई है। इसलिए वो लोग कह रहे हैं कि मोदी चुनाव के कारण लाखों करोड़ रुपये के काम कर रहा है। 10 वर्षों में देश इतना बदल गया, लेकिन कांग्रेस और उसके दोस्तों का चश्मा नहीं बदला। इनके चश्में का नंबर आज भी वही है

-देश में तेजी से हो रहा इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण का काम, भारत को उतनी ही तेजी से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत भी बनाएगा।

-आज जहां द्वारका एक्सप्रेस-वे का निर्माण हुआ है, एक समय था, जब शाम ढलने के बाद लोग इधर आने से बचते थे। टैक्सी ड्राइवर भी मना कर देते थे कि इधर नहीं आना है। इस पूरे इलाके को असुरक्षित समझा जाता था, लेकिन आज कई बड़ी कंपनियां यहां आकर अपने प्रोजेक्ट लगा रही हैं। ये इलाका ठउफके सबसे तेजी से विकसित हो रहे इलाकों में शामिल हो रहा है।

-2024 के अभी तीन महीने भी पूरे नहीं हुए हैं, और इतने कम समय में 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण हो चुका है। ये सिर्फ वो प्रोजेक्ट्स हैं, जिसमें मैं खुद शामिल हुआ हूं। इसके अलावा मेरे मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों ने भी विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया है।

-पहले की सरकारें छोटी सी कोई योजना बनाकर, छोटा सा कोई कार्यक्रम करके उसकी डुगडुगी पांच साल तक पीटते रहते थे। वहीं भाजपा सरकार जिस रफ्तार से काम कर रही है, उसमें शिलान्यास व लोकार्पण के लिए समय और दिन कम पड़ रहे हैं।

नितिन गडकरी ने क्या कहा-

-नितिन गडकरी ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में 35 हजार के प्रोजेक्ट पूरे किए और आने वाले समय में 65 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट पूरे होंगे। पूरे दिल्ली-एनसीआर को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी। 32 ग्रीन हाईवे बन रहे हैं, लेकिन द्वारका एक्सप्रेस वे अलग है यह स्टेट आफ आर्ट प्रोजेक्ट है। यू आर टू में 30 लाख टन से ज्यादा गाजीपुर से कचरा प्रोजेक्ट में डाला है।

-केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आज का दिन इतिहास का महत्वपूर्ण दिन है। द्वारका एक्सप्रेस वे आत्मनिर्भर भारत का नमूना है। स्टेट आफ आर्ट प्रोजेक्ट है। एक ही जगह पर एक के ऊपर चार लेन है। मैंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया था कि एक बार इस प्रोजेक्ट को देखकर उद्घाटन करें, उन्होंने इसको स्वीकार किया।

-राव इंद्रजीत ने कहा कि गुरुग्राम आज के दिन हरियाणा के अंदर सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला जिला है। बिजनेस सबसे ज्यादा गुरुग्राम में है। इंडस्ट्री गुरुग्राम में सबसे ज्यादा है। दस साल में गुरुग्राम की साख को चार चांद इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से मिला है।

-मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री को शाल भेंट किया। वहीं, राव इंद्रजीत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हरियाणा में एक महीने में दूसरी बार आगमन हुआ है। एम्स का शिलान्यास किया था। आज गुरुग्राम में पधारे हैं। कई राज्य ऐसे हैं जो उनके आगमन का इंतजार कर रहे हैं। तीसरी पारी की तैयारी देश में हो रही है। हरियाणा का सौभाग्य है कि एक हीने में प्रधानमंत्री दो बार पधारे हैं।

आईआईटी दिल्ली में समाज और विचार विषय पर एमए शुरू

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-दिल्ली ने संस्कृति, समाज और विचार विषय से स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू किया है। यह देश में प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग कॉलेजों के बीच अपनी तरह का पहला पाठ्यक्रम है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों, अनुसंधान संस्थानों और सामाजिक उद्यमिता संगठनों में अनुसंधान, शिक्षा, सामाजिक कार्य, मीडिया और नीति-निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों को प्रशिक्षित करेगा। यह दो साल का पाठ्यक्रम है, जो संस्कृति और समाज के विषय पर केंद्रित है और समाजशास्त्र, साहित्य एवं दर्शन के मुख्य विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल करता है। कोर्स के लिए आवेदन प्रक्रिया 20 मार्च से शुरू होगी। इसमें आवेदन करने की अंतिम तिथि चार अप्रैल है। आईआईटी-दिल्ली में मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रमुख फरहाना इब्राहिम का कहना है कि किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री वाले इच्छुक उम्मीदवार बीए में न्यूनतम 55 प्रतिशत या समकक्ष संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) सहित अन्य समकक्ष सभी डिग्रीधारी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवारों के लिए कार्यक्रम की संरचना और इसकी फीस, संकाय सदस्यों, छात्रवृत्ति, आवास, शैक्षणिक और कैरियर की संभावनाओं के बारे में अधिक जानने के लिए 15 मार्च को एक ओपन हाउस आयोजित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

क्राइम कंट्रोल करना हमारी पहली प्राथमिकता : शिवदीप लांडे

महुआ ।सोमवार को महुआ थाना का निरीक्षण करने तिरहुत क्षेत्र के आईजी शिवदीप लांडे महुआ पहुंचे। महुआ ।महुआ थाना पहुंचने पर थाना परिसर में अफरा तफरी मच गई।आई जी शिवदीप लांडे ने थाने में निरिक्षण के दौरान पुलिस पदाधिकारी को कई आवश्यक निर्देश भी दिए। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को तिरहुत प्रक्षेत्र के आईजी शिवदीप लांडे महुआ थाना पहुंचे। महुआ थाना पहुंचते ही आईजी शिवदीप लांडे को पुलिस प्रशासन की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वहीं उन्होंने अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न कांडों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनका फोकस स्टेट क्राइम और रोड क्राइम पर है। इस संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन लोगों की सहायता के लिए है। निरीक्षण के दौरान वैशाली पुलिस अधीक्षक हरिकिशोर राय अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरभ सुमन, थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार, अनि अजीत वर्मा, सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

बाइक सवार व्यक्ति को अपराधियों ने मारी गोली

हाजीपुर ।वैशाली थाना क्षेत्र के चकौस चौड़ के समीप स्थित वाल्मीकि टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के पास बेखौफ अपराधियों ने बाइक सवार एक व्यक्ति को गोली मार दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया.घायल व्यक्ति को आनन फानन में वैशाली पीएचसी में ईलाज के लिए लाया गया प्राथमिक उपचार के बाद घायल को बेहतर इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल लाया गया।जानकारी के अनुसार घायल बिपिन कुमार झा हाजीपुर का रहने वाला है और अपने बेटे को परीक्षा दिलाने के लिए लालगंज स्थित नवोदय विद्यालय लेकर आया था।घायल व्यक्ति ने बताया कि वह अपने बच्चे को स्कूल में छोड़कर वैशाली घूमने आया था जहाँ से लौटने के दौरान वैशाली लालगंज पथ पर पीछे से आ रही बाइक सवार अपराधियों ने गाड़ी रोक लिया और फिर गोली चला दी।गोली उसके पैर में लगी।पुलिस की गश्ती टीम ने घायल व्यक्ति को वैशाली पीएचसी लाया जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया ।पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

विदेशी शराब बनाने वाली फैक्ट्री का उद्भेदन, भारी मात्रा में शराब के साथ सात गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

वैशाली। थाना क्षेत्र के फुलाढ गांव में विदेशी शराब बनाने वाली फैक्ट्री का उद्भेदन किया गया। वैशाली एस पी हरीकिशोर राय को गुप्त सूचना मिली की फुलाढ गांव मे शराब का टेट्रा पैक का निर्माण कराया जा रहा है। एस पी के निर्देश पर थानाध्यक्ष चन्द्रगुप्त कुमार पुलिस बल के साथ पहुंच छापेमारी की। थानाध्यक्ष ने बताया कि छापेमारी मे पहुंच कर वहां का हश्य देख दंग हो गए। फुलाढ गांव निवासी रामईश्वर पासवान के बंद घर मे सात युवक शराब पैकिंग कार्य मे लगे थे। सभी युवक मोबाइल मे गाना बजाते हुए तेजी से पैकिंग कार्य कर रहा था। यह कार्य पिछले दो दिनों से चल रहा था। शराब बनाने मे लगने वाला स्प्रीट, एसेंस, अंग्रेजी शराब का टेट्रा पैक एवं अन्य समान सारण, पटना आदि जिले से नाव के माध्यम से गंडक नदी के रास्ते यहां लाया जा रहा था। फुलाढ गांव भी गंडक नदी के किनारे बसा हुआ है। पुलिस ने मौके पर बडी मात्रा मे खाली टेट्रा पैकेट जिस पर ब्रांडेड शराब मैक डवेल नंबर वन लक्जरी लिखा हुआ है।भरा हुआ शराब 567 पैकेट, 90 लिटर स्प्रीट, शराब पैक करने वाली मशीन के अलावे ड्राम आदि बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मौके पर से शराब पैक कर रहे सिमरा गांव निवासी प्रभु भगत के पुत्र लक्ष्मीकांत, चकअलहलाद गांव निवासी उमेश राय का पुत्र विकास कुमार, फुलाढ गांव निवासी जंगबहादुर पासवान का पुत्र श्रवण कुमार, गरीबन राय का पुत्र सचिन कुमार, बीरेन्द्र कुमार का पुत्र सिद्धार्थ कुमार, दियारी पासवान का पुत्र रामईश्वर पासवान एवं रामईश्वर पासवान का पुत्र रविरंजन कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब निर्माण कार्य मे एक बड़ा सिंडिकेट कार्य कर रहा है जो दियारा क्षेत्र के अलग अलग जगह पर देशी एवं विदेशी शराब का निर्माण कर क्षेत्र मे सप्लाई कर रहा है। सभी का पहचान कर मामले मे कारवाई की जाएगी। ईस फैक्ट्री के संचालन मे जांच के बाद और कई नाम खुलासे होने की संभावना थानाध्यक्ष ने कहा है।

महिला का शव मिलने से इलाके में फैली सनसनी

मृतिका की बेटी और मां ने गांव के लोगों पर लगाया हत्या करने का आरोप

प्रात: किरण, संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) कुमारखंड थाना क्षेत्र के रहटा वार्ड 9 स्थित बहियार में सोमवार को गेहूं के खेत में अर्धनग्न अवस्था में 32 वर्षीया विधवा महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही कुमारखंड थाना के पुलिस पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मधेपुरा भेज दिया है। पुलिस मामले की गहन रुप से तफ्तीश कर रही है।बहियार में विधवा महिला का शव मिलने की सूचना मिलते ही देखने घटनास्थल पर देखने के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। बताया गया कि कुमारखंड थाना क्षेत्र के रहटा वार्ड 9 निवासी गुरु प्रसाद मुखिया की 32 वर्षीया विधवा पुत्री त्रिफूल देवी की शादी जिले के पुरैनी थाना क्षेत्र के पुरैनी गांव निवासी विजय सहनी से 14 वर्ष पूर्व विवाह हुआ था। मृतिका त्रिफूल देवी अपनी 12 वर्षीय बेटी अंजली कुमारी के साथ कुमारखंड थाना क्षेत्र के रहटा वार्ड 9 स्थित अपने मायके में अपने पिता गुरु प्रसाद मुखिया के यहां ही रहकर गुजर बसर करती थी। मृतका की बूढ़ी मां मुंगिया देवी और बेटी अंजली कुमारी ने बताया कि रविवार को दिन के करीब तीन बजे त्रिफूल देवी गांव स्थित बहियार में घास काटने गई थी। देर शाम तक त्रिफूल देवी घर वापस नहीं लौटी तो त्रिफुल देवी की पुत्री अंजली कुमारी आदि परिजन खोजबीन शुरू कर दिया। गांव के बच्चे सोमवार को बहियार में बकरी चराने गए तो महिला का शव को देखकर हल्ला करने लगे। हल्ला सुनकर लोगों की भीड़ जमा होने लगा। ग्रामीणों ने घटना की सूचना कुमारखंड थाना पुलिस को दिया। कुमारखंड थाने के एसआई गणेश कुमार, एसआई मुकेश कुमार मय पुलिस फोर्स घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए सदर अस्पताल मधेपुरा भेज दिया।

प्रखंड प्रमुख व उप प्रमुख कार्यालय का विधायक ने किया उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

वैशाली । प्रखंड कार्यालय में सोमवार को प्रमुख कार्यालय का विधिवत उद्घाटन स्थानीय विधायक सिद्धार्थ पटेल ने फीता काटकर किया ।इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य सुरेंद्र राम,संजय कुमार उर्फ रंजय सिंह, मुकेश भगत, प्रभाष कुमार , बिनीता गुप्ता,मो.नौशाद , मो मुमताज, मनी भूषण कुमार , सोभा देवी, आदि शामिल हुए।.मौके पर विधायक सिद्धार्थ पटेल ने कहा कि नव निर्वाचित प्रतिनिधि प्रखंड क्षेत्र के विकास में अपनी अहम निभाएंगे । कार्यालय में सिर्फ विकास का काम हो और क्षेत्र से आए हुए फरियादियों का काम त्वरित गति से की जाए।जिससे लोगों में आपकी विश्वसनीयता बनी रहे। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में आयें नेपाल के सांसद ने प्रखंड प्रमुख निर्मला देवी को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रखंड का चौमुखी विकास मेरी प्राथमिकता होगी। वैशाली का विकास कैसे हो इसके लिए हर सम्भव प्रयास किया जायगा। आम नागरिकों के हर सुख -दुख में हम जनप्रतिनिधि साथ हैं। गरीबों का कल्याणार्थ सरकार की योजनाओं को अक्षरः धरातल पर उतारा जाएगा ताकि जिस आशा व विश्वास के साथ जनता ने हमे चुना है।

संयुक्त छात्र संगठन ने की प्रेस वार्ता

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा बीएन मंडल विश्वविद्यालय मुख्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में संयुक्त छात्र संगठन के द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासन के जांच कमेटी और जांच रिपोर्ट के नाम पर हो रहे काले कारनामों और गोरख धंधा को प्रेस वार्ता के द्वारा उजागर किया है। प्रेस वार्ता में एनएसयूआई के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक मनीष कुमार, आईसा विश्वविद्यालय अध्यक्ष अरमान अली, एआईएसएफ के स्टेट काउंसिल मेंबर मौसम प्रिया के अलावा संबद्ध महाविद्यालय सत्येंद्र नारायण सिंह महिला महाविद्यालय सुपौल के पूर्व प्राचार्य निखिलेश कुमार सिंह एवं ग्रामीण अर्थशास्त्र के शिक्षक शशिभूषण सिंह ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता किया। वार्ता में एनएसयूआई के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक मनीष कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के नए कुलपति के आने के बाद जांच कमेटी और जांच रिपोर्ट के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार और लूट खशोट किया गया। पुरानी सभी कमेटी की लंबित जांच रिपोर्ट को दरकिनार करके सिर्फ और सिर्फ विश्वविद्यालय के दो कनीय पदाधिकारी कॉलेज इंस्पेक्टर साइंस और कॉलेज इंस्पेक्टर कॉमर्स एवं आर्ट्स के द्वारा लीपा पोती कर गलत तरीके से राजभवन को गुमराह किया गया। छात्र नेता अरमान अली एवं छात्र नेत्री मौसम प्रिया ने कहा कि पूर्व के दिनों में छात्र हितों की एक भी मामले पर विश्वविद्यालय ने गंभीरता पूर्वक नहीं लिया है छात्र हितों की बुनियादी समस्याओं का अंबार लगा है विश्वविद्यालय के नए कैंपस एवं पुराने कैंपस में पीने की पानी एवं छात्राओं के लिए एक सुलभ शौचालय तक की व्यवस्था नहीं है। विश्वविद्यालय प्रशासन पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा को लटका करके हम शोधार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है विश्वविद्यालय प्रशासन अभिलंब कार्रवाई नहीं करती है तो आगामी होने वाले सीनेट के बैठक का पूर्णता बहिष्कार करेंगे और महामहिम कुलाधिपति के समक्ष जोरदार विरोध प्रदर्शन की जाएगी।

महुआ के संत जेवियर्स स्कूल के वार्षिक समारोह में छात्र छात्राओं ने मचाया धमाल

प्रात : किरण संवाददाता

महुआ प्रखंड क्षेत्र के कुसहर में स्थित संत जेवियर्स हाई स्कूल का 10वा वार्षिकोत्सव समारोह बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया ।इस मौके पर आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में छोटे छोटे बच्चों ने अपनी प्रस्तुति पर धमाल मचा दिया। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को महुआ प्रखंड क्षेत्र के कुसहर स्थित संत जेवियर्स स्कूल परिसर में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना की प्रस्तुति के बाद डायरेक्टर रंधीर कुमार,नीतीश कुमार,प्राचार्य विनोद कुमार तथा रामनरेश साह द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई ।इसके बाद आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में बच्चों ने शिक्षा के प्रति जागरूकता पर ग्रुप डांस की प्रस्तुति कर दर्शकों का मन मोह लिया ।इसके साथ ही कव्वाली,देशभक्ति ग्रुप डांस,सड़क सुरक्षा, भरष्टाचार आदि पर कार्यक्रम की प्रस्तुति कर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया ।कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने एकांकी नाटक की प्रस्तुति पर दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिया ।इसके पूर्व विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों को बुके देकर सम्मानित भी किया गया ।कार्यक्रम की सफलता में चंदन कुमार,भानू शर्मा,राहुल कुमार,रीता कुमारी,सन्नी कुमार,करिश्मा सुब्बा के साथ अन्य ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस मौके पर स्कूल के डायरेक्टर रणधीर कुमार ठाकुर, प्राचार्य विनोद कुमार, भूमिदाता राम नरेश साह, बिहार के कई अन्य स्कूल के डायरेक्टर शतीश कुमार, अभिषेक कुमार, देवेश सिंह, आशीष कुमार के साथ साथ स्कूल मैनेजमेंट के चन्दन कुमार, नीतिश कुमार के अलावा अनेकों गणमान्य, बुद्धिजीवी, समाजसेवी अभिभावक और आमजन भी इस मौके पर उपस्थित थे।

महोत्सव में उगना वियोग भाव नृत्य के जरिए किया भोवविभोर

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा राज्यकीय बाबा बागेश्वर महोत्सव देवना सहरसा सम्पन्न हो गया। लोकगायिका रंजना झा सहित कई नामचीन कलाकारों ने गीता संगीत और नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति से दिल जीत लिया। इसी कड़ी में दूरदर्शन केन्द्र से लोकनृत्य के क्षेत्र में ग्रेड प्राप्त कलाकार संह ह्यसृजन दर्पणह्न के निर्देशक बिकास कुमार एवं टीम को आमंत्रित किया गया था। जिसमें रंगकर्मी विकास कुमार टीम ने महाकवि विद्यापति की रचना उगना रे मोर कते गले ह्यउगना वियोगह्न भाव नृत्य के माध्यम से संदेश मूलक प्रस्तुति दी। महोत्सव में मौजूद विधायक डॉ. आलोक रंजन, आयुक्त नीलम चौधरी, डीआईजी मनोज कुमार, डीएम वैभव चौधरी, एसपी हिमांशु, एडीएम ज्योति कुमार, एसडीओ प्रतिप कुमार झा आदि ने भाव नृत्य ह्यउगना वियोगह्न की सहरणा किया। सृजन दर्पण टीम के कलाकारों ने भाव नृत्य के माध्यम से यह दिखाने का प्रयास किया कि महाकवि विद्यापति भगवान शिव के अनन्य भक्त थे। उनकी भक्ति भावना से प्रसन्न होकर भगवान शिव स्वयं उनके घर पर उगना के भेष में सेवक का काम करते थे। यह बात सिर्फ विद्यापति जानते थे। उगना का शर्त यह था कि यह बात किसी को बताना नहीं है। जिस दिन बताओगे उसी दिन मैं चला जाऊंगा। इस बात से विद्यापति की पत्न ी भी अनजान थी। एक दिन विद्यापति की पत्नी किसी बात पर क्रोधित होकर चूल्हा की जलती लकड़ी से मारने दौड़ी। ऐसा अनर्थ होता देख विद्यापति खुद को रोक नहीं पाए, बोल उठे-हां हां ई साक्षात महादेव छीये। और फिर शर्त के अनुसार शिव अंतर्धान हो गए। हर वक्त साथ-साथ रहने वाले महदेव के यूं चले जाने से विद्यापति का हृदय विकल हो उठा। उसी हृदयविदारक वेदना को रंग निर्देशक विकास कुमार ने अपने जीवंत अभिनय से मंच पर दिखाने का प्रयास किया। इसमें उन्होंने भारतीय लोक मानस में आदि काल से जमे विश्वास को मूर्त रूप संदेश मूलक मंचन के माध्यम से दिया। नृत्य- नाटक के जरिए कलाकारों ने यह संदेश दिया कि सच्चे हृदय की पुकार पर भगवान भी स्वयं भक्त के पास हाजिर हो जाते हैं, विद्यापति की कर्ता पुकार पर जब आदि देव भगवान शंकर मंच पर अवतरित हुए तब दर्शक वर्ग कलाकारों के बेहतरीन अभिनय देख कर भाव विभोर हो गए। महाकवि विद्यापति की जीवंत भूमिका में रंग निर्देशक और दूरदर्शन से ग्रेड प्राप्त कलाकार विकास कुमार, उगना का किरदार युवा रंगकर्मी निखिल यदुवंशी ने निभाया। जबकि सहयोगी कलाकार मनिषा कुमारी और मौसम कुमारी थी। मौजूद दशकों ने संदेशप्रद प्रस्तुति देखा कर मंत्रमुग्ध हो गये। बीच-बीच में लोगों ने रंगकर्मियों के बेहतरीन अभिनय को तालियों के गड़गाहट से खूब तारीफ किया। मंच संचालन प्रोफेसर अर्चना कुमारी ने किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण और ग्रामीण मौजूद थे।

नारी सहभागिता दायित्व एवं चुनौतियां विषयक वेबिनार का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा भारतीय महिला दार्शनिक परिषद् द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह के अवसर पर ह्यनारी सहभागिता : दायित्व एवं चुनौतियांह्न विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर सहित बीएनएमयू के कई शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आज भारतीय महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। आज समुद्र की गहराइयों से लेकर अंतरीक्ष की ऊंचाइयों तक हर जगह महिलाएं पुरुषों से कंधा-से-कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। वक्ताओं ने कहा कि आज महिलाएं पंचायत प्रतिनिधि से लेकर राष्ट्रपति तक के पदों पर आसीन हैं और महिलाओं की जिंदगी में काफी बदलाव आया है। लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। इस अवसर पर विशिष्ट वक्ता डॉ. जूही समर्पिता (जमशेदपुर), विशिष्ट अतिथि, प्रो. मंजू ज्योत्सना (रांची), मुख्य अतिथि डॉ. शुक्ला सिंह मोहंती (उड़ीसा) थे। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य प्रो. पूनम सिंह (पटना) ने दिया। अध्यक्षता बीएमडीपी की अध्यक्षा एवं वेदान्त शोध संस्थान, रांची की निदेशक प्रो. राजकुमारी सिंहा ने की। संचालन प्रो. ज्योत्सना श्रीवास्तव (बनारस) तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रंजना शर्मा (रायपुर) ने किया।

रंगदारी मांगने वाले सात आग्नेयास्त्र के साथ गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर ।सृष्टि अस्पताल के मालिक से 50 लाख के रँगदारी मांगे जाने के मामले में 36 घण्टे के अंदर घटना उदभेदन करते हुए सात को गिरफ्तार किया है। वैशाली एसपी श्री हर किशोर राय ने प्रेसवार्ता कर मीडिया को बताया कि- सृष्टि अस्पताल के मालिक द्वारा अज्ञात बदमाशों पर रँगदारी मांगें जाने का मामला नगर थाना में दर्ज कराया गया था। घटना दर्ज होते ही डीएसपी के नेतृत्व मैं एक टीम गठित किया गया, जिसमें जिला आसूचना इकाई को भी शामिल किया था। उसके बाद सभी पकड़ा गया। एसपी ने बताया की गिरफ्तार बदमाश के पास से- एक देशी कट्टा, एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और 12 मोबाइल भी जब्त किया गया है।

हाजीपुर नप के नए कार्यपालक पदाधिकारी का स्वागत समारोह, तेजी से कार्य संपादन का दिया भरोसा

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। हाजीपुर नगर परिषद् के नये कार्यपालक पदाधिकारी का आज स्वागत समारोह सभापति, श्रीमती संगीता कुमारी के द्वारा आयोजित किया गया।जिसमें सभी पार्षदों ने उपस्थित होकर बधाई एवं स्वागत गुलदस्ता देकर अच्छे से शहर का विकास करने का आशा रखा। कार्यपालक पदाधिकारी श्री सुशील कुमार द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि नगर परिषद् के जितने भी आवश्यक कार्य हैं उन्हें जल्द-से-जल्द करवाया जायेगा। कार्यपालक पदाधिकारी, सभापति श्रीमती संगीता कुमारी एवं श्रीमती संध्या रानी के द्वारा संयुक्त रूप से वार्ड नं0 12 में अरूण सिंह के मकान से वीरचन्द्र सिंह के मकान तक पी०सी०सी० सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। सभापति श्रीमती संगीता कुमारी ने कहा कि कार्य जितनी तेजी से होगा उतना ही आपके प्रति सभी की सहानुभूति बढ़ेगी आपसे आशा है कि विगत एक वर्ष से रूके हुए सभी कार्यों को अतिशीघ्र करवायें। समारोह में संगीता कुमारी, सभापति, कंचन कुमारी, उप सभापति,सहित वार्ड पार्षदों में ज्योत्सना कुमारी , ब्रह्मदेव भगत, ललीता देवी, चन्द्रवती देवी,रविन्द्र सिंह, सुषमा देवी, श्रीमती सुमन, श्रीमती संध्या रानी, चंचल देवी, सुमित्रा देवी, श्री अरूण राय, श्रीमती प्रियंका पटेल, श्रीमती रईसा खातुन, अमीत कुमार, श्रीमती आमना खातुन, श्रीमती मंजू देवी, श्रीमती विद्यु देवी,श्रीमती बूर जहाँ, श्री अरुण कुमार, श्रीमती पूनम कुमारी, श्रीमती माला कुमारी, शकुन्तला देवी, रंजीत कुमार, श्रीमती सुधा देवी, श्रीमती अनीत, श्रीमती नितू झाँ, अजय कुमार शर्मा, रघुनाथ चौधरी,श्रीमती पुनम चौरसिया, सिया राम साह, अभय कुमार, श्रीमती कान्ति देवी उनपस्थित थे।

कमरे में मिला महिला का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

सराय । थाना क्षेत्र के बोअरीया गांव में एक कमरे में नवविवाहिता का शव मिलने से कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर आसपास के लोग जुट गए। लोगों ने घटना की जानकारी सराय थाना की पुलिस पदाधिकारी को दी। घटना की जानकारी मिलते ही सराय थाना पुलिस पदाधिकारी पी टी सी संजय रंजन पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के परिवार वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना के संबंध में मृतक के भाई ने बताया कि दहेज में रुपया नहीं देने के कारण मृतक के सास और पति ने मिलकर हत्या कर दिया। मृतक कमल किशोर की पत्नी नेहा कुमारी बताई गई है। मृतक के भाई ने बताया कि 2023 में अपनी बहन की शादी बोअरीया गांव निवासी कमल किशोर के साथ किया था। शादी के बाद से ही उसकी सास और पति मिलकर प्रताड़ित किया करता था मारपीट करता था। रुपया के कारण हमारी बहन की हत्या उक्त लोगों ने मिलकर कर दिया है। घटना के बाद स्थानीय थाना की पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। आदर्श चेतना सेवा संस्थान, हाजीपुर द्वारा जिला प्रशासन वैशाली एवं जिला जनसंपर्क कार्यालय के तत्वावधान में आपदा प्रबंधन ,मध निषेध एवं मतदाता जागरूकता हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम व नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जा रहा है। आज आदर्श चेतना सेवा संस्थान ,हाजीपुर द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी, हाजीपुर की देखरेख में प्रखंड के दौलतपुर देवरिया, अन्धबाड़ा एवं दयालपुर पंचायत के महादलित टोला में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुल्तानपुर के मोहब्बतपुर,हिलालपुर एवं सहदुल्लाहपुर सातन पंचायत में भी नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया ।दलनायक विजय कुमार गुप्ता के नेतृत्व में कलाकार शंभू साजन,भजन भगत, शकुंतला देवी,संजना कुमारी, काजल कुमारी, पप्पू कुमार, गौतम कुमार, अनिष कुमार,तरुणेश कुमार,द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता फैलायी गयी ।कलाकारों ने अपने कला के माध्यम से बताया कि आपदा अचानक आने वाली घटना है ।आपदा से निपटने के लिए हमें आपदा पूर्व एवं आपदा बाद की तैयारी करनी चाहिए। साथ ही आपदा के समय सावधानी पूर्वक काम लेने की जरूरत है ।इसके साथ ही कलाकारों ने बताया कि पूरे बिहार में शराबबंदी लागू है ।ऐसे में शराब का सेवन करना, शराब का रोजगार करना कानूनी अपराध है । शराब के धंधे को छोड़कर सरकार द्वारा चलाई जा रही है जीविकोपार्जन योजना से जुड़ने की जरूरत है । साथ ही मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत वैशाली जिले में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने हेतु सभी मतदाताओं से मत करने की अपील की गई। कोई भी मतदाता मतदान के लिए छूट न जाए, इसके लिए जागरूक किया गया एवं भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई। लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

जेदयू जिला उपाध्यक्ष के पुत्र को मारी गोली

गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज भर्ती, तफ्तीश में जुटी पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा जेडीयू के जिला उपाध्यक्ष करमलाल मेहता के 23 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार को अज्ञात अपराधियों ने मोबाइल छिनतई के क्रम में पीछे से गोली मार दिया, तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से जननायक कपूर्री ठाकुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया गया है जहां गंभीर रूप से घायल युवक का इलाज चल रहा है। दरअसल ये पूरा मामला गम्हारिय थाना क्षेत्र के इटवा चिवछपुर गांव का हैं जहां देर रात अपराधियों ने जदयू के जिला उपाध्यक्ष के बेटे को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजनों ने बताया कि दीपक घर से पश्चिम नहर की ओर मोबाइल से बात करते हुए जा रहे थे। इसी बीच नहर के समीप पहुंचते ही पीछे से दो बाइक पर सवार चार की संख्या में अज्ञात अपराधियों के द्वारा पहले तो मोबाइल छीनने का प्रयास किया गया। जिसका विरोध करने पर अपराधियों ने पीछे से गोली मार दी। गोली युवक के जांघ और कमर के बीच में लगी है। वहीं स्थानीय लोग पुलिस के कार्यशैली पर भी सवाल खड़ा कर रहे हैं हालांकि इस मामले को लेकर घटना स्थल पर पहुंचे मधेपुरा एएसपी प्रवेंद्र भारती ने बताया कि मामले की तफ्तीश में पुलिस जुटी हुई है बहरहाल पूछताछ की जा रही है अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

पंचायत समिति की बैठक में विकास कार्यों को गति देने पर हुई चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

मुरलीगंज (मधेपुरा) ब्लॉक के सभागार में सोमवार को प्रखंड प्रमुख मो अब्दुल जब्बार के अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक आयोजित हुई। पूर्व की बैठक में लिए गए प्रस्ताव के क्रियान्वयन पर समीक्षा किया गया। सदन में सदस्यों के सभी सवालों पर पदाधिकारी ने बिन्दुवार जवाब देकर संतुष्ट किया। इससे पहले सदस्य और पदाधिकारियों ने प्रमुख का स्वागत किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में चारदीवारी निर्माण कराने के लिए संबंधित स्कूल के एचएम से एनओसी प्राप्त करने की बात कही गई। बीडीओ ने सदस्यों से लेटर पेड पर संबंधित योजनाओ देने की बात कही। जीपीडीपी वित्त वर्ष 2024-25 के योजना एवं बजट पर चर्चा हुआ। पंचायत समिति ने बीपीडीपी का प्रस्ताव दिया। इस दौरान सदस्यों ने जनवितरण प्रणाली, राशन कार्ड, योजनाओ की लंबित भुगतान कराने, विभिन्न पेंशन बंद होने पर ध्यानाकर्षण कराया। डब्लूपीओ निर्माण, पंचायतों के सभी समस्याओ पर बिन्दुवार चर्चा किया गया। कृषि विभाग के योजनाओ की विस्तृत जानकारी दी गई है। बैठक से अनुपस्थित विभागीय पदाधिकारी से स्पष्टीकरण की मांग किया गया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी आशा कुमारी, बीईओ कुमार गुणानंद सिंह, पीओ भोला दास, बीएओ राजेश कुमार चौधरी, पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अताऊर रहमान, एलएस खुशबू कुमारी, मुखिया दयानंद कुमार यादव, जीतेन्द्र कुमार उर्फ टुनटुन साह, आशुतोष कुमार, विकास पासवान, अमित कुमार, रूपा देवी, गजेन्द्र यादव, विवेकानंद यादव, पंसस मनोज कुमार सिंह, नूतन कुमारी, मो मोइनुद्दीन, उपेंद्र मालाकार, चंद्रकांत राम, सुभाष यादव, संजय यादव, शशिभूषण पासवान सहित अन्य मौजूद रहे।

अपराध मुक्त को ले पुलिस पब्लिक के बीच हो मैत्री पूर्ण संबंध : थानाध्यक्ष मुमताज अंसारी

प्रात : किरण संवाददाता

चौसा (मधेपुरा) पुलिस-पब्लिक के बीच अच्छे संबंध बनाने को लेकर चौसा थाना में जनप्रतिनिधि व बुद्धिजीवियों एवं समाजसेवियों के साथ थाना परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें थाना क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि सहित बुद्धिजीवी उपस्थित थे। इसकी अध्यक्षता नव पदस्थापना थानाध्यक्ष मुमताज अंसारी ने की। इस अवसर पर थानाध्यक्ष ने लोगों से अपील की कि जबतक पुलिस-पब्लिक में प्रगाढ़ संबंध नहीं होगा तबतक अपराध या अन्य पर समुचित रूप से सफलता नहीं मिल सकती है। पूर्व की तरह अपने क्षेत्र में शांति एवं सद्भावना बनाए रखेंगे, ऐसा उन्हें पूर्ण भरोसा है ।वहीं नए सीओ शशिकांत यादव ने कहां की अपने दायित्व और कर्तव्य पर वह हमेशा डटे रहेंगे इसके लिए आम नागरिकों का सहयोग चाहिए ।मौके पर उपस्थित लोगों ने थानाक्षेत्र के भौगोलिक एवं ऐतिहासिक स्थल पर चर्चा करते हुए कहा कि इस थाना क्षेत्र में हमेशा ही शांति एवं सद्भावना बना रहा है तथा बना रहेगा। यहां के लोग हमेशा ही शांति से जीना सीखा है। खासकर पुलिस से उन्हें काफी अपेक्षा रहती है ताकि यहां का हमेशा ही सद्भावना एवं लोगों को न्याय मिलता रहे। वहीं थानाध्यक्ष मुमताज अंसारी ने लोगों को भरोसा दिलाया कि उनका सबसे पहला काम होगा कि यहां के लोगों को हमेशा न्याय मिले तथा आमलोगों से उनका रिश्ता हमेशा ही बेहतर बना रहे। मौके पर मुख्य रूप से सीओ शशिकांत यादव, उप प्रमुख प्रतिनिधि जर्नल सिंह, पूर्व मुखिया सूर्य कुमार पट्वे, मुखिया पप्पू शर्मा, मुखिया प्रतिनिधि संजय यादव, मदन मंडल, चन्देशरी ठाकुर, संतोष भगत, अबुसलेह सिद्की, कैलाश पासवान, प्रभाष यादव, मनोवर आलम, असगर अली, मनोज पासवान, साई इस्लाम व थाने के एसआई व ग्रामीण पुलिस मौजूद थे।

स्पीड में गाड़ी चलाने वालों का रद्द होगा लाईसेंस:डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। आज समाहरणालय में हिट एण्ड रन मामले की समीक्षा करते हुए जिला पदाधिकारी सह- अध्यक्ष, जिला सड़क सुरक्षा समिति श्री यशपाल मीणा ने पदाधिकारियों को निदेश दिया कि तेज गति से चलाने वाले चालकों का लाईसेंस रद्द करने की कार्रवाई करें। साथ ही सड़क दुर्घटना के मामलों को एक सुनियोजित रणनीति बनाकर कम करना सुनिश्चित करें। बैठक में जेनरल ईस्योरेंस कम्पनी के प्रतिनिधि के अनुपस्थित रहने पर उनसे स्पष्टीकरण पूछने का निदेश दिया गया। बैठक में डीटीओ ने बताया कि फरवरी, 2024 तक हिट एण्ड रन के 251 मामले हैं, जिसमें 139 आवेदन पत्र अबतक प्राप्त हुए है, जिसमें को 80 आवेदन स्वीकृति उपरांत भुगतान हेतु भेजे गए है, जिसके विरूद्ध द्वारा 20 लाभुकों का भुगतान किया गया है। इस पर जिला पदाधिकारी ने निदेश दिया कि शेष आवेदनों को एक सप्ताह के अन्दर स्वीकृति कराकर इन्सुरेंश कम्पनी को भेजना सुनिश्वित करें। इसके अतिरिक्त शेष मामलों में मृतकों के आश्रितों से सम्पर्क कर आवेदन पत्र प्राप्त करने एवं आपत्ति प्रमाण-पत्र एवं अन्य कठिनाईयों के संबंध में अपर समाहर्ता, वैशाली से समन्वय स्थापित कर होने वाली समस्याओं का निराकरण करना सुनिश्चित करेंगे।

स्वयं सहायता समूह की सदस्य- नमो ड्रोन दीदियां भारत में कृषि नवाचार की पथ प्रदर्शक

भारत ने अपनी खाद्य प्रणाली को 1960 के दशक के मध्य में अत्यधिक कमी वाली प्रणाली से बदलकर अब आत्मनिर्भर और अधिशेष वाली प्रणाली में बदल दिया है। भारत की बढ़ती आबादी को खिलाना भविष्य में एक बड़ी चुनौती बनी रह सकती है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां भूमि, जल और वायु जैसे प्राकृतिक संसाधनों की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही है। भारत जहां ऐसी चुनौतियों से जूझ रहा है, वहीं कृषि क्षेत्र तकनीकी प्रगति से प्रेरित एक परिवर्तनकारी यात्रा से गुजर रहा है। दूसरी चुनौती किसानों की आय बढ़ाने की है और इसके लिए उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों को अपनाना ही आगे बढ़ने का रास्ता है। इसमें खेती में क्रांति लाने, इसे अधिक कुशल, लाभकारी और टिकाऊ बनाने की क्षमता है। खेती में लागत कम करने वाली और उत्पादकता बढाने वाली कृषि मशीनीकरण से अक-संचालित फसल निगरानी तक, डेटा-संचालित निर्णय लेना और फसल सलाहकार सेवाएं, खेती की दक्षता और उसकी स्थिरता को बढ़ाने की क्षमता रखती हैं। वास्तव में, भारत का कृषि उद्योग एक बड़े तकनीकी परिवर्तन के शिखर पर है। ड्रोन प्रौद्योगिकी : भारतीय कृषि में बदलाव की संभावनाएं: भारत में कृषि क्षेत्र में ड्रोन या मानव रहित हवाई वाहन (UAVs) तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इसके अलावा, भारत सरकार कृषि में ड्रोन के उपयोग को विशेष रूप से फसल मूल्यांकन, भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण और कीटनाशकों तथा पोषक तत्वों के छिड़काव के लिए सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है। इसके लिए इकोसिस्टम के निर्माण के लिए सरकार ने निम्नलिखित प्रमुख कदम उठाए हैं: उदार ड्रोन नियम, 2021: ड्रोन के उपयोग के लिए नियमों को आसान बनाते हुए इन नियमों को 25 अगस्त, 2021 को अधिसूचित किया गया था। ड्रोन उद्योग में स्वदेशी विनिर्माण और विकास को बढ़ावा देने के लिए ड्रोन और ड्रोन घटकों के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (PLI) योजना। कृषि यंत्रीकरण पर उप-मिशन (SMAM) के दिशानिर्देश में संशोधन। कृषि मशीनरी प्रशिक्षण और परीक्षण संस्थानों, क्वअफसंस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों को कृषि ड्रोन की लागत का 100 प्रतिशत या 10 लाख रुपये, जो भी कम हो, का अनुदान प्रदान किया जाता है। कस्टम हायरिंग सेंटर (CHCs) और हाई-टेक हब: मौजूदा CHCs ड्रोन खरीदने के लिए ड्रोन की मूल लागत का 40 प्रतिशत (4 लाख रुपये तक) की वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। किसानों की सहकारी समितियों, एफपीओ (FPOs) और ग्रामीण उद्यमियों द्वारा स्थापित नए CHCs अपनी मशीनरी परियोजनाओं के हिस्से के रूप में ड्रोन को शामिल कर सकते हैं। ड्रोन आयात नीति दिनांक 09 फरवरी 2022 कंप्लीटली-बिल्ट-अप (CBU), सेमी-नॉक्ड-डाउन (SKD), या कंप्लीटली-नॉक्ड-डाउन (CKD) रूप में ड्रोन के आयात पर रोक लगाती है। जबकि पूरी तरह से असेंबल किए गए ड्रोन का आयात प्रतिबंधित है, ड्रोन घटकों के आयात पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। ड्रोन शक्ति पहल की घोषणा बजट 2022 के दौरान की गई थी। इसका उद्देश्य भारत में स्टार्ट-अप के माध्यम से ड्रोन को एक सेवा के रूप में बढ़ावा देना है। ड्रोन (संशोधन) नियम, 2022: 11 फरवरी, 2022 को ड्रोन पायलट लाइसेंस की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया। नमो ड्रोन दीदी योजना प्रधानमंत्री ने 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में कहा था, हम स्वयं सहायता समूह से जुडी महिलाओं को ड्रोन उड़ाने और ड्रोन की मरम्मत करने के लिए प्रशिक्षित करेंगे। सरकार हजारों महिला स्वयं सहायता समूहों (SHG) को ड्रोन प्रदान करेगी। तदनुसार, महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन उपलब्ध कराने के लिए एक नई केंद्रीय योजना नमो ड्रोन दीदी की परिकल्पना की गई। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2024-25 से 2025-26 की अवधि के लिए 1261 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ इस योजना को मंजूरी दी। योजना के उद्देश्य: खेतों की बेहतर दक्षता, बढ़ी हुई फसल उपज और संचालन की कम लागत के लिए कृषि क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना DAY–NRLM के तहत प्रचारित महिला स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को ड्रोन सेवा प्रदाताओं के रूप में सशक्त बनाना, क्योंकि वे सामूहिक कामकाज के लिए प्रभावी जमीनी स्तर के संस्थान के रूप में उभरे हैं। DAY–NRLM के तहत प्रचारित महिला SHGs को उनकी आय बढ़ाने के लिए व्यवसाय के अवसर प्रदान करना। ग्रामीण रोजगार और वित्तीय समावेशन के अवसरों को बढ़ाना। नैनो-उर्वरकों के उपयोग को प्रोत्साहित करना और कीटनाशकों तथा उर्वरकों के उपयोग को अनुकूलित करना।

भारत में लागू हुआ समान नागरिक संहिता कानून

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारत ने समान नागरिक संहिता कानून सोमवार को अधिसूचित कर दिया है। कानून लागू होने पर तीन देशों के पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बंगलादेश से भारत आए अल्पसंख्यक शरणार्थियों को नागरिकता मिलने की रास्ता साफ हो गया है। शरणार्थियों को नागरिकता देने का पूरा अधिकार केन्द्र सरकार के पास होगी। इस कानून के तहत बांग्लादेश से 31 दिसंबर 2014 से पहले, आने वाले छह अल्पसंख्यकों (हिंदू, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी) को भारत की नागरिकता देने का रास्ता साफ हो गया है। समान नागरिक संहिता कानून के तहत ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए लांच किया जायेगा। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने इसका ड्राई रन संभवतः कर लिया है। इस पोर्टल के माध्यम से शरणार्थी अल्पसंख्यकों को अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा और सरकारी जांच पड़ताल होने के बाद इस कानून के तहत उन्हें नागरिकता दी जाएगी। इसके लिए बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए शरणार्थी अल्पसंख्यकों को कोई दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी। भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2019 में अपने चुनावी घोषणा पत्र में समान नागरिक संहिता कानून लागू करने की बात कही थी और 2020 में संसद द्वारा समान नागरिक संहिता पारित किया गया था। कतिपय कारणों से नियम बनाने में समय लगा और सोमवार (11मार्च,2024) को यह कानून लागू हो गया। इस कानून के लागू होने से वैसे शरणार्थियों को जो गैर मुस्लिम हैं उन्हें भी भारत की नागरिकता मिल सकेगी। बंगला देश से सटे असम और बंगाल में समान नागरिक संहिता कानून का विरोध किया जा रहा है और कई राज्य ने इसका विरोध भी किया है। देखा जाय तो दुनियाँ के अधिकांश देशों में नागरिक कानून सबके लिए समान है। भारत में वोट बैंक की राजनीति करने वाले लोग समान नागरिकता संहिता का पुरजोर विरोध करते रहे है। लेकिन किसी भी धर्मनिरपेक्ष देश के लिए कानून, धर्म के आधार पर नहीं होनी चाहिए। यदि देश और राज्य धर्मनिरपेक्ष है, तो कानून धर्म पर आधारित कैसे हो सकता है? भारत में समान नागरिकता संहिता लागू करने से संबंधित कुछ राज्यों में सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों की अध्यक्षता में समिति बनी थी, उसके समक्ष विभिन्न धर्मों के लोग अपने- अपने विचार रख रहे थे। केन्द्र सरकार हर प्रकार की लोकतांत्रिक चर्चा पूरा होने के बाद ही देश में समान नागरिक संहिता लाने के लिए प्रतिबद्ध थी। भारतीय संविधान में समान नागरिक संहिता का उल्लेख भाग 4 के अनुच्छेद 44 में है। इसमें नीति निर्देश दिया गया है कि समान नागरिक कानून लागू करना हमारा लक्ष्य होगा। डॉ भीम राव अंबेडकर भी इस संहिता के पक्षधर थे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार ने 4 फरवरी 2024 को मंत्रिमंडल की बैठक में समान नागरिक संहिता के मसौदे को मंजूरी दी थी, उसके बाद उत्तराखंड विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल रखा गया था। विधान सभा में 80 प्रतिशत सहमति के साथ प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। इस प्रकार उत्तराखंड विधानसभा में यूसीसी बिल पास होने के बाद उत्तराखंड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया था। समान नागरिक संहिता लागू हो जाने पर विशेष रूप से अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं की स्थिति में व्यापक सुधार आयेगा। समान नागरिकता संहिता बन जाने के बाद उनके लिए अपने पिता की संपत्ति पर अधिकार जताने और गोद लेने जैसे मामलों में एक समान नियम लागू हो सकेगा। समान नागरिक संहिता लागू होने से में सभी धर्मों, समुदायों के लिए एक सामान, एक बराबर कानून होगा। लगता है कि इसे लागू करने के उद्देश्य से ही पूरे भारत में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता कानून लागू किया गया है। जहां तक मैं समझता हूं कि समान नागरिक संहिता कानून लागू होने से राज्य में बहु विवाह पर रोक लगेगा, एक पति या पत्नी के जीवित रहते कोई नागरिक दूसरा विवाह नहीं कर सकेगा, लिव-इन में रहने वाली महिला को अगर उसका पुरूष साथी छोड़ देता है।

किसानों के लिए सरकार की अहम पहल

गौरतलब है कि कृषि पर अबूधाबी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारत ने जी-33 देशों के समूह, अफ्रीकी देशों और प्रशांत देशों के समूह की आवाज के साथ पब्लिक स्टॉक होल्डिंग (पीएचएस) के स्थायी समाधान को अंतिम रूप देने के लिए मजबूती से पक्ष प्रस्तुत करते हुए कहा कि अब डब्ल्यूटीओ को केवल निर्यातक देशों के व्यापारिक हितों तक ही अपना ध्यान सीमित नहीं रखना चाहिए, असली चिंता दुनिया के करोड़ों लोगों की खाद्य सुरक्षा और आजीविका की होनी चाहिए। वस्तुतः खाद्य सुरक्षा एवं सार्वजनिक भंडारण के लिए भारत सरकार गेहूं और चावल मोटे अनाज को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की पहले से तय कीमत पर खरीदती है और फिर उन्हें गरीबों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिये सस्ते दाम या मुफ्त में वितरित करती है। यह खाद्य सुरक्षा भूख से त्रस्त लाखों लोगों को भूख से बचाने का सरकार का नीतिगत तरीका है। यह भारत के द्वारा वर्ष 2030 तक देश में भूख व गरीबी मिटाने के लक्ष्य से जुड़ा मुद्द भी है। ज्ञातव्य है कि वर्तमान में डब्ल्यूटीओ के नियमों के मुताबिक 1986-88 के मूल्यों को आधार मानते हुए उत्पादन मूल्य का 10 प्रतिशत से अधिक किसानों को सब्सिडी नहीं दी जा सकती है। भारत इसमें बदलाव चाहता है ताकि किसानों को अधिक सब्सिडी देने पर वैश्विक मंच पर उसका विरोध नहीं हो सके। अमरीका सहित कई विकसित राष्ट्र खाद्यान्न के लिए भारत में दिए जा रहे एमएसपी कार्यक्रम पर सवाल उठा रहे हैं, उनका कहना है कि इस पर दी जा रही सब्सिडी डब्ल्यूटीओ व्यापार नियमों के तहत स्वीकृत सीमा से करीब तिगुनी हो गई है।

डा. जयंतीलाल भंडारी-
(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

एक ओर जब इन दिनों देश में किसानों के द्वारा अपनी मांगों को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भारत सरकार के द्वारा किसानों के हित में उठाई गई दो महत्वपूर्ण पहलें दुनियाभर में रेखांकित हो रही हैं। एक, हाल ही में भारत के द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबूधाबी में आयोजित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा, खाद्यान्नों के सार्वजनिक भंडारण एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी पहल की गई, जिसके कारण इस सम्मेलन में इन मुद्दों पर कई विकसित देश भारत के किसानों के हितों के प्रतिकूल कोई प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ा पाए। ऐसे में अब भी भारत अपने किसानों के उपयुक्त लाभ के लिए नीतियां बनाने में सक्षम है। दो, 24 फरवरी को सरकार ने सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना के लिए प्रायोगिक परियोजना लांच की है। यह प्रायोगिक परियोजना 11 राज्यों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को लक्षित कर रही है, जिनके माध्यम से पैक्स की किसानों के हित में बहुआयामी भूमिका होगी। गौरतलब है कि कृषि पर अबूधाबी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारत ने जी-33 देशों के समूह, अफ्रीकी देशों और प्रशांत देशों के समूह की आवाज के साथ पब्लिक स्टॉक होल्डिंग (पीएचएस) के स्थायी समाधान को अंतिम रूप देने के लिए मजबूती से पक्ष प्रस्तुत करते हुए कहा कि अब डब्ल्यूटीओ को केवल निर्यातक देशों के व्यापारिक हितों तक ही अपना ध्यान सीमित नहीं रखना चाहिए, असली चिंता दुनिया के करोड़ों लोगों की खाद्य सुरक्षा और आजीविका की होनी चाहिए। वस्तुतः खाद्य सुरक्षा एवं सार्वजनिक भंडारण के लिए भारत सरकार गेहूं और चावल मोटे अनाज को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की पहले से तय कीमत पर खरीदती है और फिर उन्हें गरीबों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिये सस्ते दाम या मुफ्त में वितरित करती है। यह खाद्य सुरक्षा भूख से त्रस्त लाखों लोगों को भूख से बचाने का सरकार का नीतिगत तरीका है। यह भारत के द्वारा वर्ष 2030 तक देश में भूख व गरीबी मिटाने के लक्ष्य से जुड़ा मुद्दा भी है। ज्ञातव्य है कि वर्तमान में डब्ल्यूटीओ के नियमों के मुताबिक 1986-88 के मूल्यों को आधार मानते हुए उत्पादन मूल्य का 10 प्रतिशत से अधिक किसानों को सब्सिडी नहीं दी जा सकती है। भारत इसमें बदलाव चाहता है ताकि किसानों को अधिक सब्सिडी देने पर वैश्विक मंच पर उसका विरोध नहीं हो सके। अमरीका सहित कई विकसित राष्ट्र खाद्यान्न के लिए भारत में दिए जा रहे एमएसपी कार्यक्रम पर सवाल उठा रहे हैं, उनका कहना है कि इस पर दी जा रही सब्सिडी डब्ल्यूटीओ व्यापार नियमों के तहत स्वीकृत सीमा से करीब तिगुनी हो गई है। ज्ञातव्य है कि वर्ष 2013 में बाली में हुए मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में सार्वजनिक भंडारण और खाद्य सुरक्षा को लेकर एक पीस क्लॉज पर हस्ताक्षर किए गए थे जिसके तहत अन्न भंडारण कार्यक्रम का स्थायी हल नहीं निकलने तक किसी भी देश के द्वारा अनाज की खरीददारी और उसे कम दाम पर लोगों को देने का विरोध नहीं किया जाएगा। भारत को आशंका है कि खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम पर रोक लगाई जाएगी तो इससे देश के करोड़ों लोगों की भूख, करोड़ों किसानों की आजीविका और भारतीय कृषि के भविष्य पर असर पड़ सकता है। इसी कारण भारत खाद्य सब्सिडी की सीमा तय करने का फॉर्मूला बदलने की मांग कर रहा है। निश्चित रूप से इस समय जब भारत 142 करोड़ से अधिक जनसंख्या के साथ दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है, देश में अभी भी 15 करोड़ से अधिक लोग गरीबी की रेखा के नीचे हैं और भारत को कुपोषण की समस्या से ग्रसित देश के रूप में रेखांकित किया जा रहा है, तब भारत में खाद्य सुरक्षा, अधिक खाद्यान्न उत्पादन और खाद्यन्न भंडारण की जरूरत बनी हुई है। इस परिप्रेक्ष्य में सरकार के सराहनीय प्रयास दिखाई भी दे रहे हैं। जहां सरकार डब्ल्यूटीओ सहित अन्य वैश्विक मंचों पर किसानों को अधिक समर्थन को न्यायसंगत बताती है, वहीं हाल ही में 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा लांच की गई दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना के तहत अगले पांच साल में 1.25 लाख करोड़ रुपए की लागत से 700 लाख टन अनाज की भंडारण क्षमता के हजारों गोदाम बनाए जाएंगे। खास बात यह है कि अब कम्प्यूटरीकृत पैक्स को गोदाम तैयार करने, कस्टर हायरिंग सेंटर बनाने, उचित मूल्य की दुकानों की प्रक्रिया में तथा प्रसंस्करण इकाइयां तैयार करने जैसी बहुआयामी भूमिका में शामिल किया गया है। नई खाद्यान्न भंडार योजना वस्तुतः देश में भंडारण के बुनियादी ढांचे की कमी के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। नई विशाल भंडारण क्षमता के बाद किसान अपनी उपज को गोदामों में रखने, इसके बदले संस्थागत ऋण प्राप्त करने और बाजार मूल्य लाभकारी होने पर अपने खाद्यान्न को बेचने में सक्षम होंगे। नई खाद्यान्न भंडार योजना का मकसद देश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना, भंडारण क्षमता में कमी के कारण किसानों को फसल पैदावार के मौसम में कम मूल्य पर की जाने वाली बिक्री से होने वाले नुकसान से बचाना भी है। इस समय देश का खाद्यान्न उत्पादन लगभग 3200 लाख टन से भी अधिक है, जबकि भंडारण क्षमता कुल उत्पादन का केवल 47 प्रतिशत ही है। ऐसे में निश्चित रूप से तेजी से बढ़ता हुआ खाद्यान्न उत्पादन अब किसानों के परम्परागत खाद्यान्न भंडारों और सरकार की खाद्यान्न संग्रहण क्षमताओं को लांघते हुए चुनौतीपूर्ण बन गया है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक में सरकार के विभिन्न कृषि योजनाओं के द्वारा छोटे किसानों और कृषि विकास को जिस तरह समर्थन मिला है, उससे कृषि उत्पादन लगातार बढ़ता गया है और खाद्यान्न भंडारण की आवश्यकता बढ़ती गई है। यद्यपि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा खाद्यान्न उत्पादक देश है, लेकिन खाद्यान्न भंडारण में अभी भी बहुत पीछे है। अनाज के अन्य बड़े उत्पादक देशों चीन, अमरीका, ब्राजील, यूक्रेन, रूस और अर्जेन्टीना के पास खाद्यान्न भंडारण क्षमता वार्षिक उत्पादन की मात्रा से कहीं अधिक है। ऐसे में नई खाद्यान्न भंडार योजना के माध्यम से देश में खाद्यान्न भंडारण की जो क्षमता फिलहाल 1450 लाख टन की है, उसे अगले 5 साल में सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करके कुल खाद्यान्न भंडारण क्षमता 2150 लाख टन किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। चूंकि इस योजना के क्रियान्वयन में प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) अहम भूमिका होगी। अतः पैक्स तथा सरकार के बीच उपयुक्त तालमेल जरूरी होगा। देश में अभी करीब एक लाख पैक्स हैं। पैक्स की क्षमता में सुधार करना होगा। पैक्स के स्तर पर भंडार गृह, प्रसंस्करण इकाई आदि कृषि व्यवस्थाएं निर्मित करके पैक्स को बहुउद्देश्यीय बनाए जाने के लिए उच्च स्तर पर खाद्यान्न भंडारण में विविधता लाई जाना होगी। हम उम्मीद करें कि हाल ही में डब्ल्यूटीओ के 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में जिस तरह भारत ने खाद्य सुरक्षा व एमएसपी का मुद्दा प्रभावी तरीके से उठाया है, उससे दुनिया के अन्य देशों का समर्थन बढ़ेगा और इसका स्थायी समाधान होगा। साथ ही सरकार के द्वारा हाल ही में लांच की गई सहकारी क्षेत्र की दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना किसानों की खुशहाली, देश के कृषि विकास व अर्थव्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

दक्षिण भारत की रेलवे ऐतिहासिक यात्रा के स्वर्णिम पल

आज हम रेलवे की विकाश यात्रा में आज आपको दक्षिण भारत की तीन दिवसीय यात्रा के संस्मण से अवगत कराने की कोशिस कर रहे है। इस यात्रा के दौरान हमे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कई भव्य मंदिर को नजदीक से दर्शन करने का सौभाग्य मिला। दिल्ली से हैदराबाद हम सभी 10:35 पर पहुँच गए थें। दक्षिण मध्य रेलवे की सिकंदरा बाद नेलूर व तिरुपति विभागीय पदाधिकारों व हमारी नेशनल मीडिया टीम 9 सदस्य थे। हमारी यात्रा की दिल्ली मेट्रो नोएडा से प्रारम्भ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पुनः-- एयर पोर्ट मेट्रो स्टेशन से टी 3 से पहुँच गए। तभी एक अपरिचित युवा जो की नजरें अचानक मिली कई अन्य सहयात्री अपनी -अपनी इस यात्रा को यादगार बनाने अपनी कार्य योजना व अपने सहयात्री से वातार्लाप मशगुल थी। मै स्वयं अपने मस्त रहने वाला भी कुछ चिन्तन मग्न थें। मैने अनुमान लगाया कि श्याद वह युवा भी मेरे इस यात्रा का मीडिया मित्र हो। इतने वह मेरे करीब आयाआ चुका था। मैंनें उससें परिचय जानने चाहिए तो उसने शालीनता पूवर्क हमें अपना परिचय देते हुए बताया कि मै शत्रुजंय कुमार सिंह सहायक निदेशक पी आई बी से हुँ-सर रेल मंत्रालय द्वारा तीन दिवसीय नेशनल मीडिया पार्टी यात्रा के विभाग से आया हुँ। हमारी इस यात्रा में नेशनल मीडिया टीम के कुल 9 सदस्यीय सदस्यों में कुछ चिर परिचित चहेरे।

विनोद तकियावाला
लेखक

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की अर्थ को सुदृढ़ करने में विश्व की अर्थ व्यवस्था भारतीय रेल की अहम भूमिका रही है। हमारे यहाँ एक जगह से दूसरी जगह यानि यातायात के साधन में भारतीय रेलवे की पहचान सम्पूर्ण विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय, सरल व सस्ता है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अमृत काल में एक विशेष रूप विकाश गाथा लिखनें के तत्पर है। भारतीय रेल की विकाश श्रंख्ला में अमृत रेलवे स्टेशन का पुनः निर्माण कार्य युद्ध स्तर चल रहा है। आज हम रेलवे की विकाश यात्रा में आज आपको दक्षिण भारत की तीन दिवसीय यात्रा के संस्मण से अवगत कराने की कोशिस कर रहे है। इस यात्रा के दौरान हमे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कई भव्य मंदिर को नजदीक से दर्शन करने का सौभाग्य मिला। दिल्ली से हैदराबाद हम सभी 10:35 पर पहुँच गए थें। दक्षिण मध्य रेलवे की सिकंदरा बाद नेलूर व तिरुपति विभागीय पदाधिकारों व हमारी नेशनल मीडिया टीम 9 सदस्य थे। हमारी यात्रा की दिल्ली मेट्रो नोएडा से प्रारम्भ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पुनः-- एयर पोर्ट मेट्रो स्टेशन से टी 3 से पहुँच गए। तभी एक अपरिचित युवा जो की नजरें अचानक मिली कई अन्य सहयात्री अपनी -अपनी इस यात्रा को यादगार बनाने अपनी कार्य योजना व अपने सहयात्री से वातार्लाप मशगुल थी। मै स्वयं अपने मस्त रहने वाला भी कुछ चिन्तन मग्न थें। मैने अनुमान लगाया कि श्याद वह युवा भी मेरे इस यात्रा का मीडिया मित्र हो। इतने वह मेरे करीब आयाआ चुका था। मैंनें उससें परिचय जानने चाहिए तो उसने शालीनता पूवर्क हमें अपना परिचय देते हुए बताया कि मै शत्रुजंय कुमार सिंह सहायक निदेशक पी आई बी से हुँ-सर रेल मंत्रालय द्वारा तीन दिवसीय नेशनल मीडिया पार्टी यात्रा के विभाग से आया हुँ। हमारी इस यात्रा में नेशनल मीडिया टीम के कुल 9 सदस्यीय सदस्यों में कुछ चिर परिचित चहेरे, व कुछ अपरिचित सदस्यो जो बाद में यात्रा के दौरान एक दूसरे से आपस में धुल मिल गए। हैदराबाद में दक्षिण सेन्ट्रल रेलवे के अधिकारी पुर्व से हमारी टीम के स्वागत व व्यवस्था तैनात थे। इतने पी आई बी के अधिकारी शुत्रजंय कुमार सिंह नें रेलवे के अधिकारीयों से सम्पर्क करने के बाद हम सभी को सुचना दी कि- बाहर रेलवे के अधिकारी गण व कार आ गई। जिस से हम सभी हैदराबाद से सिकंदराबाद सड़क मार्ग से प्रस्थान करेगें। आप को स्पष्ट कर दूँ कि मेरे इस दक्षिण भारत की ऐतिहासिक यात्रा में मेरे सहयात्री के रूप में आकाशवाणी व दूरदर्शन से सेवा निवृत अधिकारी अजय चतुर्वेदी सर थें। अजय सर अपने आप में सहज, सरल स्वाभाव के साथ काफी ही अनुभवी व वरिष्ट पत्रकार भी है। फिलहाल में कई समाचार पत्र, ऐजन्सी व वेब साइट व पोटल में अपनी सेवामें दे रहे है। हैदराबाद से हम सभी सडक रास्ते सिंकदराबाद कार से पहुंचे। डी एम आर के नेतृत्व में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर प्रोजेक्ट टीम के नेतृत्व में कार्य स्थल पर पहुँचकर निंमाणाधीन रेलवे स्टेशन का हमारी टीम रुबरू हुए इस दौरान स्थानीय अधिकारियों नें प्रोजेक्ट की बारीक व परेशानीयो व मीडिया मित्रों के प्रशनों व जिज्ञासा उत्तर दिया। आज हमारी यात्रा का प्रथम दिन है। रेलवे के अधिकारीयों की टीम के द्वारा हमलोग के लिए सिकंदाबाद शहर स्थित रेलवे अधिकारी विश्राम गृह में प्रबन्ध किया गया है।

यें अधिकारी हमारी मीडिया मित्रों में अहिन्दी भाषी होते हुए भी शीघ्र ही धुल मिल गए। प्रधान पी आर अधिकारी द्वारा हमें आज के कार्यक्रम से सम्बधित जानकारी दे दी गई। गेस्ट हाउस में आवश्यक नित्य कर्म से निवृत्त होकर अधिकारी विश्राम गृह में दक्षिण भारतीय की सुस्वादिष्ट दोपहर के भोजन का लुप्त उठाया !जब मैने अपने स्वाभावानुसर अपने मीडिया मित्रों व सहयात्री से दक्षिण भारतीय व्यंजनों पर प्रतिक्रिया जानने चाही तो मुझे लगभग सभी सदस्यो एक स्वर जबाब भोजन स्वादिष्ट है लेकिन मिर्च-मशाला है। अभी हम लोग आपस में हल्की फुलकी हँसी मजाक का मूड़ बना ही रहे थें तभी डी एम आर का संदेश रेलवे के हेड पी आर नें बताया कि सर डी एम आर सर आप सभी से मिलना चाहते है। हम कुछ बोलते इसके पहले रेलवें अधिकारियों टीम के सदस्य नें डी एम आर आफिस बगल में ही वहाँ सें तीन निंमाणाधीन रेलवे स्टेशन के कार्य का भी आप सभी का निरीक्षण का कार्यक्रम है। डी एम आर कार्यालय में अनिल कुमार जैन से औपचारिक भेट के दौरान पुनः निमार्णाधीन सिकंदराबाद रेलवें स्टेशन के विस्तृत जानकारी से अवगत कराया। बातचीत के दौरान हमें पता चला डी एम आर सहारण पुर के निवासी है। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का निंमाण सन 1874 में अंग्रेजों के द्वारा किया गया था। तब से इस रेलवे स्टेशन को विस्तृत विकाश निंमाण कार्य नही किया गया। तेलंगाना राज्य की राजधानी व निजामों के शहर हैदराबाद।

अनास्था की सदी में खाटू आस्था का मेला

निमिषा सिंह-

वीर प्रसूता राजस्थान की माटी ने यूं तो अपने आंचल में उत्कृष्ट शोर्य परंपरा से जुड़ी अनेको गौरव गाथाओं को समेटा हुआ है किंतु राजस्थान का जिक्र हो और आस्था के प्रमुख केन्द्र खाटू की बात न हो, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। विशेषकर मुझ जैसे लाखों भक्तों के लिए जिनका मानना है कि खाटू में विराजमान बाबा श्याम से अगर एक बार कुछ मांगा तो वो लाखों करोड़ों बार देते है और देते ही रहते हैं। यही कारण है कि हम भक्त उन्हें लखदातार के नाम से भी पुकारते है। राजस्थान के शेखावाटी के सीकर जिले में स्थित है परमधाम खाटू। यहाँ विराजित हैं भगवान श्रीकृष्ण के कलयुगी अवतार खाटू श्यामजी। इस मंदिर की विशेष बात यह है कि यहां देवता के केवल सिर की पूजा होती है। यहां की मूर्ति का कोई धड़ नहीं है। धड़विहीन मूर्ति बाबा श्याम की है जिनकी कहानी महाभारत और स्कंद पुराण से संबंधित है। श्याम बाबा की महिमा का बखान करने वाले भक्त राजस्थान या भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कोने-कोने में मौजूद है। हर वर्ष फाल्गुन के महीने में यहां सबसे ज्यादा भीड़ होती है। फाल्गुन के महीने अर्थात मार्च में बाबा खाटू श्याम जी का लक्खी मेला लगता है साथ ही बाबा का जन्मदिन भी बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। इस साल 2024 में बाबा श्याम का यह मेला 11 मार्च से प्रारंभ होगा और 21 मार्च तक इसका समापन होगा। बाबा खाटू श्याम का संबंध महाभारत काल से है। ये पांडुपुत्र भीम के पोते थे। ऐसा कहा जाता है कि खाटू श्याम की शक्तियों और क्षमता से खुश होकर श्री कृष्ण ने इन्हें कलियुग में अपने नाम से पूजने का वरदान दे डाला था। वनवास के दौरान जब पांडव अपनी जान बचाते हुए इधर-उधर घूम रहे थे तब भीम का सामना हिडिम्बा से हुआ। हिडिम्बा ने भीम से एक पुत्र घटोत्कच को जन्म दिया। इसी घटोत्कच और अहिलावती (मोरवी) के सबसे बड़े पुत्र हुए बर्बरीक। उनके अन्य भाई अंजनपर्व और मेघवर्ण का उल्लेख भी महाभारत में दिया गया है। इन सबों को वीरता और शक्तियों के लिए जाना जाता था। बर्बरीक को उनकी माता मोरवी ने यह सीख दी कि सदा ही पराजित पक्ष की तरफ से युद्ध करना और वे इसी सिद्धांत पर आजीवन अड़े रहे। जब कौरव और पांडवों के बीच युद्ध होना था तब बर्बरीक ने युद्ध देखने का निर्णेय लिया। श्री कृष्ण ने जब उनसे पूछा कि वो युद्ध में किसकी तरफ हैं?तब उन्होंने कहा था कि जो पक्ष हारेगा वो उसकी तरफ से लड़ेंगे। चूंकि श्री कृष्ण युद्ध का परिणाम जानते थे लिहाजा उन्हें आसंका थी कि बर्बरीक कहीं पांडवों के लिए खतरा ना बन जाए। ऐसे में कृष्ण जी ने बर्बरीक को रोकने के लिए उनसे दान की मांग की। दान में उन्होंने उनसे उनका शीश मांग लिया। दान में बर्बरीक ने उनको शीश तो दे दिया लेकिन आखिर तक उन्होंने अपनी आंखों से युद्ध देखने की इच्छा जाहिर की। श्री कृष्ण ने इच्छा स्वीकार करते हुए उनका सिर युद्ध स्थान के निकट एक पहाड़ी पर रख दिया। युद्ध के बाद पांडव लड़ने लगे कि जीत का श्रेय किसको जाता है तब बर्बरीक कहते हैं कि श्री कृष्ण की वजह से आप सबों को जीत हासिल हुई है। श्री कृष्ण बर्बरीक के इस बलिदान से काफी खुश हुए और उन्हें कलियुग में श्याम के नाम से पूजे जाने का वरदान दे दिया। ऐसा कहा जाता है कि कलयुग की शुरूआत में राजस्थान के खाटू गांव में उनका सिर मिला था। कहते हैं ये अद्भुत घटना तब घटी जब वहां खड़ी गाय के थन से अपने आप दूध बहने लगा था। इस चमत्कारिक जगह पर खुदाई की गई को तो यहां खाटू श्याम जी का सिर मिला।

संक्षिप्त खबरें

युवक ने भाइयों व भाभी की मदद से युवती को अगवा किया

गजरौला। क्षेत्र के निवासी युवती का गांव के ही युवक ने अपने दो भाइयों और भाभी की मदद से अपहरण कर लिया। मामला दो अलग-अलग बिरादरी से जुड़ा होने के कारण गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी तीनों भाइयों और एक की पत्नी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर युवती की बरामदगी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण की 20 वर्षीय बेटी छह मार्च की शाम गुम हो गई थी। अगले दिन गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। जानकारी मिली कि उनकी बेटी को सात मार्च की शाम छह बजे गांव के ही दूसरी बिरादरी के तीन सगे भाई और एक महिला कार में जबरन डाल कर ले जा रहे थे जिस पर पीड़ित ग्रामीण और उसकी पत्नी आरोपी के घर बेटी की जानकारी करने गए। आरोप है कि आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए कहा कि तुम्हारी बेटी का राजन के साथ शादी करने के लिए अपहरण किया है। पीड़ित परिवार थाने पहुंचा पुलिस ने आरोपी राजन, उसके दो भाइयों जितेंद्र सिंह व रविंद्र सिंह और उसकी पत्नी विपिन देवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। सीओ श्वेताभ भास्कर का कहना है कि युवती की बरामदगी और आरोपियों कि गिरफ्तारी को संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

जीजा ने साली के साथ मारपीट कर किया घायल, रिपोर्ट दर्ज

हसनपुर। कक्षा बारह की परीक्षा नहीं देने जाने पर गुस्साए जीजा ने साली के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव तसीहा निवासी शोभित की पत्नी रिंकी का मायका हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव सैमला में है। बताते हैं कि रिंकी इस वर्ष मायके में रहकर इंटर की बोर्ड परीक्षा दे रही थी। नौ मार्च को रिंकी की तबीयत खराब थी। वह परीक्षा देने के लिए नहीं जा पा रही थी। आरोप है कि शराब के नशे में रिंकी का जीजा भूत खदेड़ी निवासी सुशील वहां पहुंच गया। सुशील ने रिंकी को परीक्षा देने के लिए जाने के लिए दबाव बनाया। रिंकी ने मना किया तो उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया इसके बाद आरोपी फरार हो गया। घायल का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराया गया। सीओ दीप कुमार पंत ने बताया कि तहरीर के आधार पर सुनील निवासी गांव भूत खदेड़ी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

यूपी में तीन आईपीएस का तबादला, निलाब्जा चौधरी बने एटीएस आईजी

उत्तर प्रदेश शासन ने सोमवार को तीन आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। निलाब्जा चौधरी को एटीएस का आईजी बनाया गया है। तबादले के क्रम में मुथा अशोक जैन वाराणसी का पुलिस आयुक्त के पद से स्थानांतरण करते हुए अपर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड भेजा गया है। इसी तरह मोहित अग्रवाल को अपर पुलिस महानिदेशक एटीएस से हटाकर वाराणसी का नया पुलिस आयुक्त बनाया गया है। इसके अलावा निलाब्जा चौधरी को एटीएस का आईजी होंगे। इससे पहले वे पुलिस महानिरीक्षक (प्रोविजनिंग) पीएसी मुख्यालय की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

विधान परिषद चुनाव के लिये तीन सपा प्रत्याशियों ने किया नामांकन

उत्तर प्रदेश के आगामी विधान परिषद चुनाव के लिये मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के तीनों उम्मीदवारों ने सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। सपा के प्रान्तीय प्रवक्ता फखरुल हसन ने बताया कि पार्टी ने हाल में बहुजन समाज पार्टी छोड़कर सपा में शामिल हुए पूर्व विधायक शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली, सपा के वरिष्ठ नेता बलराम यादव और किरनपाल कश्यप को विधान परिषद चुनाव के लिये प्रत्याशी बनाया है। तीनों ने आज नामांकन पत्र दाखिल कर दिये। बलराम यादव ने नामांकन दाखिल करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि पार्टी ने उन पर विश्वास जताकर विधान परिषद के लिये उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने कहा कि वह इस भरोसे पर खरे उतरेंगे और आगामी लोकसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) के प्रत्याशियों को जिताने का प्रयास करेंगे। गुड्डू जमाली ने कहा कि पीडीए कोई जुमलेबाजी नहीं बल्कि एक सोच है और जमीन पर उसके नतीजे बहुत अच्छे होंगे। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 13 सीटों पर चुनाव के लिए नामांकन 11 मार्च तक किये जाएंगे। नामांकन 14 मार्च तक वापस लिये जा सकेंगे। जरूरी हुआ तो 21 मार्च को मतदान होगा।

किसान पथ के जरिए धरातल पर उतर रहा है अटल जी का सपना : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, एजेंसी

विकास का जो मॉडल हमें लखनऊ में देखने को मिल रहा है, वह अटल जी का ही सपना है, जो धरातल पर उतर रहा है। आज किसान पथ के उद्घाटन के साथ लखनऊ की जाम की समस्या का समाधान होने जा रहा है। इसके अलावा लखनऊ विकास प्राधिकरण की ओर से ग्रीन कॉरीडोर बनाया जा रहा है, यह गोमती नदी के कट को लेते हुए शहीद पथ को जोड़ेगा, जिससे लखनऊ सिटी को जाम की समस्या से निजात मिलेगी। ये बातें सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के ज्यूपिटर हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही। इस अवसर पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 3,666 करोड़ की 206 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने गुरुग्राम से किया लखनऊ आउटर रिंगरोड का उद्घाटन वहीं दूसरी तरफ गुरुग्राम (हरियाणा) में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश में विस्तारित एक लाख करोड़ रुपये की 112 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें उत्तर प्रदेश में 5,500 करोड़ की लागत से 8 लेन की 104 किमी लखनऊ आउटर रिंग रोड (किसान पथ) के तीन पैकेज का उद्घाटन शामिल है। आउटर रिंग रोड यानी किसान पथ के लोकार्पण से इसका लाभ बाराबंकी, गोरखपुर, अयोध्या, सीतापुर, गोंडा, हरदोई, कानपुर, वाराणसी, रायबरेली, सुल्तानपुर समेत अन्य जिलों के लोग उठा सकेंगे। इस रिंग रोड के बन जाने से इन शहरों में जाने के लिए लखनऊ में प्रवेश करने की जरूरत नहीं होगी। वे बिना शहर में प्रवेश किए सीधे गंतव्य को जा सकेंगे। इससे लखनऊ वालों को भी जाम से छुटकारा मिल जाएगा। युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के नये अवसर : योगी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि ग्रीन कॉरीडोर के फर्स्ट फेज का कार्य आज पूरा होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां डीआरडीओ की मदद से रक्षा मंत्रालय ने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल के सेंटर का भी उद्घाटन किया जा रहा है। ये हमारे युवाओं को स्टार्टअप और रोजगार के नये अवसर प्रदान करेगा। आज लखनऊ में फॉरेंसिक रिसर्च इंस्टीट्यूट का उद्घाटन और अटल मेडिकल यूनिवर्सिटी के लोकार्पण का कार्य होने जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में विकास कार्यों का श्रेय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को देते हुए कहा कि लखनऊ ने जो यशस्वी नेतृत्व प्राप्त किया है, वह देश की रक्षा के साथ ही लखनऊ के विकास के लिए समर्पित है। लखनऊ से लोकार्पित होने वाली प्रमुख परियोजनाएं मोहनलालगंज में इंट्रेस्टेट ट्रांसमिसन प्रोजेक्ट, वसंत कुंज योजना के सेक्टर- आई में 3,800 प्रधानमंत्री आवास ग्रीन कॉरिडोर के अंतर्गत गऊगाट पर सेतु, आईआईएम रोड से हार्डिंग ब्रिज तक बंधा एवं सड़क, यूपी दर्शन पार्क (वेस्ट टू वंडर), केजीएमयू में सेंटर फॉर ऑर्थोपेडिक सुपर स्पेशियलिटी, एसजीपीजीआई में एडवांस्ड ऑप्थेमलॉजी भवन एवं एडवांस्ड डायबिटिक सेंटर, मेडिकल टेक्लोलॉजी के छात्रों के लिए 200 बेड का छात्रावास, द्वितीय मेन गेट, रोड एवं पर्किंग, कल्ली पश्चिम स्थित नवीन पुलिस लाइन में 4 ब्लॉक का ट्रांजिट हॉस्टल, हर घर नल योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए 34 परियोजनाएं, वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामुदायिक मनोरंजन केंद्र, एबीडी एरिया में 11 स्मार्ट मार्ग का निर्माण एवं विकास, 75 पब्लिक हेल्थ एटीएम सेंटर, कलेक्ट्रेट परिसर में भूमिगत मल्टीलेवल पार्किंग, जनेश्वर मिश्र पार्क में मल्टीमीडिया लेजर शो, बिजनौर-माती-परवर मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद का कार्यालय भवन, कैप्टन मनोज पांडेय उत्तर प्रदेश में सैनिक स्कूल में महिला छात्रावास, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 200 बेड का सावित्री भई फुले महिला छात्रावास- एनाएच-56 से गंगागंज-नगराम रोड का लोकार्पण किया गया। लखनऊ से शिलान्यास होने वाली प्रमुख परियोजनाएं अवध चौराहे पर अंडरपास, गोसाईगंज-बनी मोहन मार्ग पर अनूपगंज में रेलवे कॉलिन संख्या 188 स्पेशल पर 4 लेग रेल उपरिणामी सेतु, किसान पथ से भटगांव डिफेंस नोड पार्सल संपर्क मार्ग, पक्का पुल से डालीगंज एवं गोमती नदी के ब्रिज तक 2 लेन आरओबी कम फ्लाईओवर, हनुमान सेतु से समतामूलक चौराहे तक सीधे रोड कनेक्टिविटी के लिए निशातगंज बंधा का चौड़ीकरण, हनुमान सेतु पर दो नए पुल, सरोजनीनगर में 100 बेड क्रिटिकल केयर ब्लॉक, एस.जी.पी. जी. आई. में 500 बेड का एडवांस्ड पीडियाट्रिक सेंटर (फेज-एक), ग्रीन कॉरिडोर के अंतर्गत निशातगंज में सेतु का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना, केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जितिन प्रसाद, एके शर्मा, सांसद सत्यदेव पचौरी, देवेन्द्र सिंह ह्यभोलेह्न, डॉ दिनेश शर्मा, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक डॉ नीरज बोरा, योगेश शुक्ल, डॉ राजेश्वर सिंह, जय देवी, अमरेश कुमार, विधान परिषद् सदस्य डॉ महेन्द्र सिंह, मुकेश शर्मा, राम चंद्र सिंह प्रधान, डॉ लालजी प्रसाद ह्यनिर्मलह्न, मोहसिन रजा, उमेश द्विवेदी, बुक्कल नवाब, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

शादी के तीन माह बाद सिपाही की पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

प्रात : किरण संवाददाता

गजरौला। शादी के मात्र तीन महीने बाद सुल्तानपुर जिले में तैनात सिपाही की पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मायके पक्ष की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। मामला अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के गांव रघुनाथपुर का है। यहां किसान सतपाल सिंह का परिवार रहता है ।उनका बड़ा बेटा हिमांशु उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही है। जबकि छोटा बेटा प्रियांशु घर पर रहकर कोचिंग करता है। हिमांशु की पोस्टिंग सुल्तानपुर जिले में है। नवंबर 2023 में ही उसकी शादी नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के गांव डहकबाड़ा निवासी 23 वर्षीय प्राची के साथ हुई थी। हिमांशु उसे अपने साथ लेकर सुल्तानपुर नहीं गया था ।पुलिस के मुताबिक प्राची काफी दिन से मानसिक रूप से तनाव में थी। शनिवार की दोपहर प्राची घर में बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। ससुराल वाले उसे लेकर निजी चिकित्सक के पहुंचे तब तक प्राची की मौत हो चुकी थी ।सीओ अंजलि कटारिया ने बताया कि पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया गया। मामले में फिलहाल तहरीर नहीं मिली है। मायके पक्ष के लोगों की बुलाया गया है। विवाहिता के द्वारा आत्महत्या की बात सामने आई है।

योगी सरकार का बड़ा फैसला,होली से पहले सरकारी कर्मचारियों की डीए में बढ़ोत्तरी

लखनऊ, एजेंसी

होली से पहले उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया गया है। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों के डीए में 4 फीसदी की बढ़ोत्तरी करने की घोषणा की है। मार्च माह की सैलरी जिसका भुगतान अप्रैल माह में होगा उसके साथ ही नगद भुगतान का आदेश जारी करने का अनुमान है। योगी सरकार ने पेंशनरों और राज्य कर्मचारियों को होली से पहले तोहफा देने का फैसला किया हैं। डीए की इस वृद्धि का लाभ जनवरी 2024 से मिलेगा। राज्य के करीब 10 लाख कर्मचारियों और 8 लाख शिक्षकों को इसका लाभ मिलेगा। सरकार द्वार बढाई गई महंगाई भत्ते की दर से सभी राज्य कर्मियों के वेतन मे बढ़ोत्तरी होगी। इसके साथ ही 12 लाख पेंशनरों की महंगाई भत्ता में भी चार प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। महंगाई भत्ते मे इस बढ़ोत्तरी के साथ ही सरकारी खजाने पर हर महीने 314 करोड़ रुपये पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। वित्त विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस संबंध मे फाईल सोमवार को तैयार की जायेगी और औपचारिक आदेश जारी कर दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दिया गया यह ऐलान लोक सभा चुनाव से मिलेगा। वित्त विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक इस संबंध मे आदेश जारी होने की औपचारिकता ही बाकी हैं जो की सोमवार की पूरी हो जाएगी। कर्मचारियों के डीए बढ़ोत्तरी के बाद सभी केंद्रीय और राज्य कर्मचारियों की टेक होम सैलरी बढ़ जाती हैं। डीए के 4 फीसदी बढ़ते ही ये 50 फीसदी हो जाती हैं। 12 लाख पेंशनरों को महंगाई राहत में भी 4 फीसदी की बढ़ोत्तरी होगी ।योगी आदित्य नाथ की सरकार भी बढ़े महंगाई भत्ते का भुगतान जल्द ही करने की तैयारी मे है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस: श्री वेंक्टेश्वरा चार दिवसीय मातृशक्ति सम्मान समारोह - 2024 का समापन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के उपलक्ष्य में आयोजित चार दिवसीय (8 मार्च से 11 मार्च) मातृशक्ति सम्मान समारोह - 2024 का शानदार तरीके से समापन हुआ। इस चार दिवसीय समारोह में मातृशक्ति के सम्मान में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक एवं काव्य पाठ समेत विभिन्न शानदार प्रस्तुतियाँ देकर इस कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इसके साथ ही अलग-अलग क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली एक सौ बत्तीस महिलाओं को पटका, पगड़ी एवं स्मृति चिन्ह देकर ह्यह्यमातृशक्ति सम्मान - 2024ह्यह्य से सम्मानित किया गया। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान के डॉ. सी.वी. रमन सभागार में आयोजित चारदिवसीय मातृशक्ति सम्मान समारोह के समापन समारोह का शुभारम्भ समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि, प्रधान सलाहकार प्रो. वी.पी.एस. अरोड़ा, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. ऐ.के. शुक्ला, कुलसचिव डॉ. पीयूष पाण्डे आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया।अपने सम्बोधन में वेंक्टेश्वरा समूह के संस्थापक/ अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि ने कहा कि देश के सर्वोच्य संवैधानिक राष्ट्रपति पद पर महामहिम द्रोपदी मुर्मू का आसीन होना इस बात का परिचायक है कि आज भारत में महिलाऐं शिखर पर स्थापित हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री जी की ह्यह्यबेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ - बेटी खिलाओह्यह्य एवं नारी वंदन जैसी शानदार योजनाओं से देश में मातृशक्ति का सम्मान बढ़ा है। कार्यक्रम में सम्मानित होने वाली शीर्ष महिलाओं में डॉ. एना. ऐरिक ब्राउन (नर्सिंग), डॉ. दिव्या गिरधर (पत्रकारिता), डॉ. सची अहलावत (चिकित्सा), डॉ. रेहाना (गायनी), डॉ. प्राची त्यागी (गायनी), डॉ. अपराजिता (चिकित्सा), डॉ. वर्षा यादव (भौतिकी), डॉ स्नेहलता गोस्वामी (मानविकी),डॉ. शिल्पी शर्मा (फार्मा), डॉ. श्वेता गुप्ता (एग्रीकल्चर), अजहा खान (अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी), डॉ. ज्योति सिंह (एग्रीकल्चर), डॉ. श्रद्धा पाण्डे (एप्लाइड सांइसेज), डॉ. ऐश्वर्या सिंह (एप्लाइड), डॉ. पवनजीत कौर (रसायन विज्ञान) प्रमुख रहे। इस अवसर पर सी.ई.ओ. अजय श्रीवास्तव, सी.ई.ओ. डॉ. एच.पी. सिंह, सी.एफ.ओ. विकास भाटिया, डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. योगेश्वर शर्मा, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. ओम प्रकाश गोसाई, डॉ. राहुल कुमार, अश्विन कुमार सक्सेना, डॉ. रामनिवास शर्मा, डॉ. सर्वनन्द साहू, डॉ. एल. एस. रावत, डॉ. मोहित शर्मा, अरूण कुमार गोस्वामी, हॉस्पीटल प्रबंधक एम.ए. चैधरी, मारूफ चैधरी, एस. एस. बघेल, विकास श्रीवास्तव मेरठ परिसर से निदेशक डॉ. प्रताप सिंह मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

उप्र कांग्रेस ने प्रस्ताव पारित किया: अमेठी, रायबरेली से गांधी परिवार के सदस्य लड़ें चुनाव

लखनऊ, एजेंसी

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई की चुनाव समिति ने एक प्रस्ताव पारित कर गांधी परिवार के सदस्यों से आग्रह किया है कि आगामी लोकसभा चुनाव में रायबरेली और अमेठी लोकसभा सीट से वे ही चुनाव लड़ें। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सोमवार को यह जानकारी दी। राय ने बताया, ह्यह्नउप्र कांग्रेस की चुनाव समिति ने रविवार को सर्व-सम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें आग्रह किया गया है कि गांधी परिवार का कोई सदस्य ही आगामी लोकसभा चुनाव में रायबरेली और अमेठी से लड़ें। ऐसा इसलिए है क्योंकि इन संसदीय क्षेत्रों की जनता और पार्टी कार्यकर्ता चाहते हैं कि वे यहां से चुनाव लड़ें। राय ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पार्टी उम्मीदवारों की अगली सूची में गांधी परिवार के सदस्यों के नाम शामिल होंगे। राय ने कहा, ह्यह्नप्रस्ताव को केंद्रीय नेतृत्व को भेज दिया गया है और अंतिम निर्णय सीईसी (केंद्रीय चुनाव समिति) का होगा। इससे पहले गत छह मार्च को, प्रदेश कांग्रेस के एक नेता ने दावा किया था कि पार्टी नेता राहुल गांधी अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। दिल्ली में एक बैठक में शामिल होकर लौटे पार्टी की अमेठी जिला इकाई के अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कहा था कि (राहुल) गांधी अमेठी से पार्टी के उम्मीदवार होंगे और उनके नाम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने 2004 से 2019 तक संसद में अमेठी का प्रतिनिधित्व किया। 2019 के आम चुनाव में, वह भाजपा की प्रत्याशी स्मृति ईरानी से हार गए थे। राहुल वर्तमान में केरल के वायनाड से सांसद हैं। कांग्रेस ने शुक्रवार को अपने 39 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक बार फिर केरल के वायनाड से लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की।

उत्तर प्रदेश के बरेली में छात्र की चाकू गोदकर हत्या

बरेली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के बिशारतगंज में एक छात्र की चाकू गोदकर हत्या कर दी गयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है और आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। बरेली के देहात पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र मिश्रा ने बताया कि मरने वाले की पहचान बिशारतगंज के वार्ड संख्या आठ के लोहिया नगर निवासी विजय साह (17) के तौर पर की गयी है। विजय 11 वीं का छात्र था। उन्होंने बताया कि मरने वाले के भाई अजय ने बताया कि विजय की रविवार को दिन में पड़ोस के दो लड़कों के साथ कहासुनी हो गई थी, रात आठ बजे इन लड़कों ने फोन कर विजय को घर से बाहर बुलाया और अपने साथ लेकर चले गए। पुलिस के मुताबिक अजय ने आरोप लगाया कि जब वे गांव के पास खेत में पहुंचे तब एक आरोपी ने विजय को पकड़ रखा था, और दूसरे ने चाकू से उस पर वार कर दिया, जिससे इस घटना में उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। मिश्रा के मुताबिक घायल को शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान रविवार की देर रात उसकी मौत हो गयी। मृतक के भाई अजय की तहरीर पर विशारतगंज थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ओर आरोपियों की तलाश कर रही है।

चुनावी बॉण्ड: एसबीआई की अर्जी खारिज करने संबंधी न्यायालय के आदेश का अखिलेश ने किया स्वागत

लखनऊ, एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनावी बॉण्ड का विवरण निर्वाचन आयोग को देने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध करने संबंधी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अर्जी उच्चतम न्यायालय द्वारा खारिज किये जाने पर सोमवार को खुशी जाहिर की। पूर्व मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, पूरे देश की जनता को इस बात की खुशी है कि उच्चतम न्यायालय के माध्यम से कम से कम वह सूची (चुनावी बॉण्ड से जुड़े लोगों की सूची) सामने आ जाएगी। इस सूची से यह पता लग जाएगा कि चुनावी बॉण्ड किन-किन लोगों से सम्बन्धित है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि अब सवाल यह है कि वह सूची सार्वजनिक की जाएगी या नहीं। उन्होंने कहा, ह्वहम और आप जान पाएंगे या नहीं। भाजपा तो जानती है कि उसे कहां से चंदा मिला है। यदि हमें चंदा मिला होगा तो हमें पता ही होगा। जनता जान पाएगी या नहीं, यह सबसे बड़ा सवाल है। उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने चुनावी बॉण्ड संबंधी जानकारी का खुलासा करने के लिए समयसीमा बढ़ाए जाने के अनुरोध सम्बन्धी एसबीआई की याचिका सोमवार को खारिज कर दी और उसे 12 मार्च को कामकाजी घंटे समाप्त होने तक निर्वाचन आयोग को चुनावी बॉण्ड संबंधी विवरण उपलब्ध कराने का आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने निर्वाचन आयोग को भी एसबीआई द्वारा साझा की गई जानकारी 15 मार्च को शाम पांच बजे तक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करने का निर्देश दिया। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल रहे। सुनवाई के दौरान, पीठ ने एसबीआई की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे की इन दलीलों पर गौर किया कि विवरण जुटाने और उनका मिलान करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है क्योंकि जानकारी इसकी शाखाओं में दो अलग-अलग कक्षों में रखी गई थी। उन्होंने कहा कि अगर मिलान प्रक्रिया न करनी हो तो एसबीआई तीन सप्ताह के भीतर इस प्रक्रिया को पूरा कर सकता है। पीठ ने कहा कि उसने एसबीआई को चंदा देने वालों और चंदा प्राप्त करने वालों के विवरण का अन्य जानकारी से मिलान करने का निर्देश नहीं दिया है।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत जनपद में 520 जोड़ो का विवाह सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता, मनोज शर्मा

अमरोहा। जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत जनपद में कुल 520 जोड़ो का विवाह भव्यता के साथ संपन्न कराया गया । जिसमे विकासखंड अमरोहा एवं जोया के 148 जोड़ो जिसमे 96 हिन्दू 52 मुस्लिम जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम जनपद के रौनक वाटिका बैंक्विट हॉल में बड़े ही भव्यता के साथ आयोजित किया गया । रौनक वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र व ब्लॉक प्रमुख अमरोहा ने नव विवाहित जोड़ों पर पुष्प अर्पित कर बधाई शुभकामनाएं दिया। जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी ने कार्यक्रम को संबोधित करने से पूर्व सर्वप्रथम नवविवाहित जड़ों को बधाई एवं शुभकामनाएं देकर उनके सुखद मंगलमय जीवन की कामना किया । कहा कि आप सब मिलजुलकर रंहे आपका यह नया जीवन आपकी जीवन में ढेर सारे खुशियां समृद्धि लाए ।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने नव विवाहित जोड़ों को उपहार के रूप में कपड़े पायल वर्तन का सेट भेंटकर शुभकामनाएं दिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री आशीष जी ने बताया कि इस योजना के तहत सरकार द्वारा 51000 रु प्रत्येक जोड़े को दिया जाता है जिसमें 35000 रु प्रत्येक जोड़े के खाते में डायरेक्ट भेजे जाते हैं ।10000 का सामान व 6000 रु व्यवस्था के लिए दिये जाते हैं ।जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में इस वर्ष लगभग 1994 जोड़ों की शादियां कराई गई हैं जबकि पिछले वर्ष 1100 शादियां विभाग द्वारा आयोजित की गई थी । कहा कि हमारा यह प्रयास रहेगा की अगले वर्ष इससे भी अधिक जोड़ो का विवाह संपन्न कराया जा सके । इसी प्रकार जनपद के विभिन्न तहसीलों में भी भव्यता के साथ सामूहिक विवाह का कार्यक्रम आयोजित कराया गया । तहसील धनोरा के रामलीला ग्राउंड में 151 जोड़ों का जिसमे 113 हिन्दू और 38 मुस्लिम विवाह तथा तहसील हसनपुर के कमाल पैलेस में 182 जोड़ों का विवाह जिसमे 112 हिन्दू और 70 मुस्लिम जोड़ो का विवाह संपन्न कराया गया। रौनक वाटिका में सामूहिक विवाह कार्यक्रम के अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री आशीष कुमार खंड विकास अधिकारी जोया अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अमरोहा सहित अन्य संबंधित अधिकारी व बड़ी संख्या में विकासखंड अमरोहा एवं जोया के नव विवाहित जोड़े मौजूद रहे।

नेहरू नगर में टूटी सड़क से लोग परेशान

गाजियाबाद, एजेंसी

नेहरूनगर में टूटी हुई मुख्य सड़क स्थानीय लोगों की परेशानी का कारण बनी हुई है। जर्जर सड़क के कारण एक माह में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने पार्षद पर खानापूर्ति करने का आरोप लगाया है। वार्ड-96 में नेहरूनगर की मुख्य सड़क लंबे समय से खराब हालात में हैं। सड़क में हर कदम पर गहरे गड्ढे बने हुए हैं। इसके अलावा कई स्थान पर सड़क पर बुरी तरह से उखड़ी हुई चुकी है ।उखड़ी हुई सड़क में झांकती कच्ची मिट्टी, जरा सी हवा चलने पर धूल के रूप में उड़ने लगती है। स्थानीय निवासी विकास ठाकुर का कहना है गड्ढों के कारण रात के समय पर यहां से गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालकों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। गड्ढों के कारण असंतुलित होने के चलते दोपहिया वाहन चालक नियंत्रण खो देते हैं और हादसे का शिकार होकर घायल हो जाते हैं। बीते एक माह में आधा दर्जन से अधिक दोपहिया वाहन चालक घायल हो चुके हैं। इसके अलावा उक्त क्षेत्र में कई बड़े शिक्षण संस्थान है। दोपहर के समय पर शिक्षण संस्थानों की छुट्टी के समय बच्चों के स्कूल वाहन के अनियंत्रित होने के चलते हादसे होने की आशंका बनी रहती है। इस संबंध में स्थानीय लोग कई बार पार्षद से शिकायत कर चुके हैं। पार्षद अजीत निगम का कहना है पूर्व में सड़क की मरम्मत करा चुके हैं। एक दो स्थान से सड़क टूटी हुई है। जिसकी मरम्मत जल्द कराई जाएगी।

नाली चोक होने से सड़क पर गंदा पानी भरा

ट्रांस हिंडन, एजेंसी

वसुंधरा सेक्टर-तीन में नाली चोक होने के कारण कई जगह सड़कों पर गंदा पानी भर गया है। इस कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है। आरोप है कि नियमित सफाई और कूड़ा उठान न होने के कारण समस्या बढ़ रही है। स्थानीय निवासी देवेश कुमार शर्मा का कहना है कि नाली की सफाई काफी समय से नहीं हुई है। सड़क का कूड़ा उड़कर नाली में जाने के कारण यह चोक हो गई है। इसीलिए घरों से निकलने वाला गंदा पानी नाली से होकर आगे जाने के बजाय सड़क पर ओवर फ्लो हो रहा है। वाहन चालकों को समस्या हो रही है और सबसे ज्यादा परेशानी पैदल गुजरने वालों को हो रही है। नगर निगम के अधिकारियों को कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। वसुंधरा के जोनल प्रभारी सुनील राय का कहना है कि टीम को भेजकर नाली साफ कराई जाएगी। लोगों की समस्या का जल्द निवारण होगा।

गाजीपुर में बस पर टूटकर गिरा हाईटेंशन तार

गाजीपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से भीषण सड़क हादसे का मामला सामने आया है। मरदह थाना क्षेत्र में मऊ से बारातियों को लेकर जा रही बस पर हाईटेंशन तार गिर गई। इस हादसे में अब तक चार लोगों के मरने की सूचना आ रही है। इस हादसे में बस में आग लग गई। बस में सफर कर रहे लोग हाईटेंशन तार के झटके से झुलस गए। यात्रियों से भरी बस से आग की लपटें काफी समय तक उठती रही। करंट के कारण लोगों को बाहर निकलने में दिक्कत हुई। मौके पर अधिकारियों को भेजा गया है। मामले की जानकारी सरकार के स्तर पर भी ली जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि बस में यात्री भरे हुए थे। बस पर तार गिरने के बाद बस में आग लग गई। करंट का प्रवाह रुकने के बाद किसी प्रकार लोग निकले। अचेत लोगों के आग में जलने की भी बात कही जा रही है। सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख देने का ऐलान किया गाजीपुर में भीषण बस हादसे का सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये और गंभीर घायलों को पचास हजार रुपये देने का ऐलान किया। साथ ही निःशुल्क उपचार कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को आदेश दिया कि वे तत्काल घटनास्थल पर पहुंचें। जिला प्रशासन के अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं। सीएम योगी ने कहा है कि अधिकारी मौके पर पहुंच कर घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था करें। राहत और बचाव कार्य में तेजी लाई जाए। सीएम योगी ने हादसे में मृतकों के प्रति संवेदना जाहिर की है।

संक्षिप्त खबरें

नई ईओ ने कार्यभार ग्रहण किया

आरा। जिले के कोइलवर नगर पंचायत में नई ईओ सपना कुमारी ने कार्यभार ग्रहण किया। वहीं ईओ रामबिलास दास का तबादला दिघवारा(सारण) होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर मुख्य पार्षद सरताज आलम नई ईओ का स्वागत किया। नई ईओ सपना कुमारी ने बताया कि नगर का विकास और पेंडिंग कार्य को गति दिया जाएगा। जिससे नगर में समुचित विकास हो। पदभार ग्रहण के बाद नगरवासियो से अपील किया कि नगर को स्वच्छ और साफ सुथरा रखें। विदाई समारोह पर ईओ राम विलास दास ने कहा कि लगभग एक साल के कार्यकाल में नगर में कई विकास के कार्य हुये। यहाँ के पार्षद और लोग काफी मिलनसार है। जिनका सहयोग हमेशा प्राप्त हुआ।

किसानों का प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया आयोजित

भोजपुर। ई किसान भवन बड़हरा में बीज ग्राम योजना के तहत सेमरिया पड़रिया पंचायत के किसानों का प्रशिक्षण का कार्यक्रम किया गया, उपस्थित किसानों को बीज ग्राम का उद्देश्य और उत्पादन के बारे में विस्तार से जानकारी बीएओ सुमन जी ने दी, कृषि समन्वयक वेद प्रकाश भी किसान बीज को समय से पानी, खाद, कीटनाशी और मिट्टी का जांच के बारे में जानकारी दिए, शशि भूषण सिंह ने किसान निबंधन और ऑनलाइन आवेदन, के बारे में जानकारी उपस्थित किसानों को दिए। कार्यक्रम में अवध बिहारी सिंह, रीता देवी, पूनम देवी, रेखा देवी, माया देवी, राहुल सिंह, संध्या सिंह, राकेश सिंह, राम कृष्ण, अंजनी पांडे, धर्मेंद्र, सुजीत सिंह सहित अन्य किसान भी उपस्थित थी।

बीजेपी नेता की मृत्यु पर शोक की लहर

नासरीगंज(रोहतास)। नासरीगंज प्रखंड क्षेत्र के बिशुनपुर निवासी 70 वर्षीय गोपाल पाठक उर्फ बबन पाठक कि अचानक मृत्यु हो गई। इस खबर को सुनते ही अगल-बगल के लोग एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता नेता उनके घर पहुंच शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए इकट्ठा होने लगे। बताते चलें की स्वर्गीय पाठक भारतीय जनता पार्टी के मंडल एवं प्रखंड में कोई बार पदाधिकारी रह चुके हैं। वह एक सामाजिक कार्यकर्ता थे। समाज में अच्छी छवि थी एवं भारतीय जनता पार्टी में भी धरती के नेता थे। उनके निधन पर शोक की लहर फैल गई और धीरे-धीरे करके उनके घर पर लोग इकट्ठा होकर के शोक संवेदना व्यक्त करने लगे। इस खबर को सुनकर के भारतीय जनता पार्टी काराकाट विधानसभा के पूर्व विधायक राजेश्वर राज, भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश का समिति के मेंबर प्रो. बलिराम मिश्रा, शिक्षा प्रकोष्ठ बिहार प्रदेश के महामंत्री मनीष रंजन, ओबीसी मोर्चा रोहतास जिला अध्यक्ष नवीन्द्र शाह सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त किया।

कार्यपालक पदाधिकारी को लोगों ने दी भावभीनी विदाई

नोखा (रोहतास) सोमवार को नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी के स्थानांतरण पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यकर्ता की अध्यक्षता नगर सभापति राधे श्याम सिंह व संचालन पूर्व नगर परिषद उप सभापति राजेंद्र सिंह ने की। अवसर पर नगर परिषद के कर्मियों सहित स्थानीय लोगों ने उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर फूल माला पहना ईओ अमित कुमार को भावभीनी विदाई दी। जिनका स्थानांतरण बक्सर जिला में होते ही नए कार्यपालक पदाधिकारी चंद्र राज प्रकाश के पदभार ग्रहण करते ही कर्मियों सहित लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभिन्न वक्ताओं ने कहा कि नगर परिषद के विकास में कार्यपालक पदाधिकारी अमित कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके कार्यकाल में नगर परिषद का सौंदर्गीकरण भी किया गया। वक्ताओं ने कहा कि विदाई की क्षण काफी यादगार होती है। लेकिन सरकारी सेवा में काम करने वालों का स्थानांतरण होना तय रहता है। मौके पर सैकड़ों लोगों ने कार्यपालक अधिकारी को उजव्वल भविष्य की शुभकानाएं दी। अवसर पर नगर उप सभापति धनजी सिंह, सहायक अभियंता सोनी शर्मा, कन्या अभियंता अंकुर गगन, स्वच्छता प्रभारी नेहा प्रसाद, संजय कुमार चौधरी, सत्यनारायण प्रसाद, दीपक कुमार, रवीना कुमारी, मनोज कुमार गुप्ता, वार्ड सदस्य सुनीता गुप्ता, सुदामा प्रसाद, अली शेर अंसारी, लखन कुमार चंद्रवंशी, तेज नारायण चौधरी, रामइकबाल राम सहित सैकड़ों लोग मौजूद थें।

पुलिस ने बच्चा चोर गिरोह का किया भंडाफोड़

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर की जगदीशपुर थाने की पुलिस ने बच्चा चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस द्वारा अगवा दो बच्चों की बरामदगी करने के साथ पांच आरोपितों को गिरफ्तार भी किया गया है। बरामद बच्चों में एक को पिछले साल फरवरी माह में ही अगवा किया गया था। दूसरी बच्ची को चार रोज पहले अपहरण किया गया था। इन बच्चों में जगदीशपुर के दुलार गांव निवासी अंतीम पांडेय की चार वर्षीय पुत्री अर्चित पांडेय और बिहिया नगर के राजा बाजार निवासी वीर बहादुर पासवान का तीन वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार है।

गिरफ्तार आरोपितों में जगदीशपुर मीट मार्केट निवासी सुरेंद्र यादव की पत्नी पूजा देवी, वार्ड नंबर 15 जगा के पीपल निवासी शिवधारी गोंड, उनकी पत्नी पूनम देवी, अजय केशरी और शाहपुर थाना क्षेत्र के बरिसवन गांव निवासी संतोष गोंड की पत्नी पंचरत्न देवी शामिल हैं। इनमें पूजा देवी पर दोनों बच्चों को चोरी करने का आरोप है। वह अगवा करने के बाद बच्चों को डेढ़ से दो लाख रुपए में निः संतान महिलाओं को बेच देती थी। बच्चा खरीदने वाली में पूनम देवी और पंचरत्न देवी शामिल है।

जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह द्वारा प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि छह मार्च को दुलार गांव निवासी अमित पांडेय की पुत्री अर्चित पांडेय खेलने के दौरान वार्ड नंबर 15 जगा के पीपल के पास से गायब हो गयी थी। उस बच्ची की बरामदगी को लेकर उनके नेतृत्व में टीम गठित की गयी थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर टीम द्वारा पूजा देवी की पहचान कर हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी। तब उसकी निशानदेही पर बच्ची को शाहपुर के बरिसवन गांव निवासी पंचरत्न देवी के घर से बरामद किया गया। तब पंचरत्न देवी को गिरफ्तार किया गया।

श्री सूर्य नारायण प्राण प्रतिष्ठा महा- महोत्सव को लेकर निकाली गई जलयात्रा सह शोभायात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास):बिक्रमगंज प्रखंड के निज ग्राम जोन्ही मां काली मांदिर परिसर में स्थित श्री सूर्य नारायण प्राण प्रतिष्ठा महा- महोत्सव के आयोजन को लेकर 11 मार्च दिन सोमवार से महायज्ञ शुरू किया गया। यह महा- महोत्सव भारत के महान मनीषी संत श्री श्री 1008 श्री त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के परम शिष्य श्री श्री 1008 श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में महायज्ञ को लेकर जोन्ही यज्ञ स्थल से भव्य कलश जलयात्रा सह शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ जोन्ही गांव भ्रमण कर काराकाट बाजार होते हुए जोन्ही पुल पर विद्वतजनों द्वारा पूजन-अर्चन कर जल भराई के बाद नगर भ्रमण करते हुए यज्ञ स्थल पहुंची। जहां विधिवत महायज्ञ की शुरूआत की गई। जलयात्रा में महिला व पुरुष के साथ -साथ बच्चे-बूढ़े श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा रहा। जलयात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा के दौरान जय माता दी, जय श्री सूर्य नारायण एवं जय श्रीमन्नारायण के जयकारे से पूरा नगर गुंजायमान रहा। जलयात्रा का शुभारंभ करते हुए विद्वतजनों ने कहा कि महायज्ञ से पूरे क्षेत्र का विकास होता है। घरों में समृद्धि आती है। उन्होंने बताया कि सोमवार को जल यात्रा सह शोभायात्रा के बाद पंचांग पूजन व मंडप प्रवेश किया जायेगा। महायज्ञ में अलग-अलग धाम से विद्वान आचार्यो को प्रवचन के लिए बुलाया गया है। मौके पर हजारों हजार की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली।

सड़क हादसा में बाइक सावर युवक की मौत, अन्य जख्मी

प्रात : किरण संवाददाता

नोखा (रोहतास) थाना क्षेत्र के पेनार गांव समीप दो बाइकों के बीच टक्कर के बाद सड़क पर गिरते ही एक बाइक सवार को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। जिस घटना में बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दो गंभीर अवस्था में घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय लोगों ने देखते हुए इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दिया। मौके पर पहुंच पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। बाकी अन्य घायलों का इलाज सदर अस्पताल में जारी है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि रविवार की रात्रि में लगभग शाम 7 बजे दो बाइक सवार आपस में टकरा गए। जिसमें चार बाइक सवार घायल हो कर सड़क पर गिर पड़े। जहां आरा-सासाराम मुख्य पथ के पेनार गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक के चपेट में आने घायल बाइक सवार की मौत हो गई। जबकि अन्य घायल हो गए। वही घटना अंजाम देकर ट्रक चालक भाग निकला। मृतक की पहचान घोरडीही गांव निवासी सुनील चौधरी के रूप में की गई है।

वॉलीबॉल टूर्नामेंट में पियनिया की टीम ने गीधा को हराया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिले के चांदी में नवोदय वॉलीबाल क्लब नरही के खेल मैदान में स्व रत्नेश सिंह मेमोरियल वॉलीबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। डे-नाईट फाइनल मैच में पियनिया की टीम को हराकर गीधा की टीम ने ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इस टूनार्मेंट में पियनिया, गीधा, लौहर, अखगांव, नवोदय विद्यालय बिहिया और महाराजा कॉलेज की टीमों ने हिस्सा लिया था। क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाने के बाद सेमीफाइनल मुकाबला अखगांव व पियनिया के बीच और लौहर व गीधा की टीमों के बीच खेला गया जहां लगातार तीन सेटों पर बढ़त बनाते हुए पियनिया व गीधा की टीम फाइनल में जगह बना पाने में कामयाब रही। दूधिया रोशनी में आयोजित इस टूनार्मेंट के मौके पर पहुंचे बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह बड़हरा के भाजपा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने फीता काट फाइनल मैच का उद्घाटन किया। फाइनल मैच बेहद रोमांचक रहा जहां दोनों टीमों के बीच हुए कड़े मुकाबले में गीधा की टीम तीन सेटों में बढ़त बनाते विजेता बनी। टूनार्मेंट में मैन ऑफ द मैच गीधा टीम के श्याम और मैन ऑफ द सिरीज पियानिया के आदित्य को मिला। पुरस्कार का वितरण करते बतौर अतिथि पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा की वॉलीबॉल खेल में नरही गांव पूरे जिले में अपना एक अलग स्थान रखता है। पूर्व मंत्री ने कहा की हर वर्ष नरही में आयोजित होनेवाले वॉलीबॉल टूनार्मेंट छिपी प्रतिभाओं को उभारने का बेहतर प्रयास है। पढ़ाई के साथ साथ युवाओं को खेल में रुचि लेने की जरूरत है।

नगर इकाई आरा द्वारा पारिवारिक होली मिलन समारोह 17 को

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा, आरा के तत्वधान में होली मिलन समारोह आयोजन की बैठक 10 मार्च की शाम को नगर अध्यक्ष श्रीकिशुन प्रसाद गुप्ता के आवास पर संपन्न हुई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि होली मिलन समारोह में, आरा के हरेक रौनियार परिवार की उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाएगी। 70 वर्ष के ऊपर के रौनियार गार्जियन को सम्मानित किया जाएगा। संगीत तथा प्रतिभोज का भी आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर उपस्थित सदस्य में अध्यक्ष श्रीकिशुन प्रसाद गुप्ता, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजू कुमार, संतन रौनियार, रामकुमार गुप्ता तथा सामाजिक कार्यकर्ता घनश्याम गुप्ता, चंदन रौनियार, राकेश उर्फ लड्डू जी आदि उपस्थित सदस्यों ने होली मिलन समारोह को सफल बनाने का निर्णय लिया।

अपर समाहर्ता ने डिस्पैच सेंटर का किया निरीक्षण

बक्सर (शाहाबाद) जिला प्रशासन ने अब लोक सभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। इसी कड़ी में रविवार को अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह ने बक्सर विधानसभा क्षेत्र के चुनाव कर्मियों के लिए बनाए गए डिस्पैच सेंटर माध्यमिक विद्यालय चुरामनपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता द्वारा डिस्पैच सेंटर पर वाहनों की पार्किंग, कमरों की स्थिति, मतदान सामग्री रखने का स्थान, मतदान कर्मियो के पेयजल की सुविधा एवं ब्रीफिंग स्थल का मुआयना किया गया। निरीक्षण के बाद उन्होंने कहा कि बक्सर एसडीओ द्वारा अबतक बेहतर कार्य योजना बनाया गया है। उन्होंने सभी जगहों पर साइनेज लगाने का निर्देश दिया, साथ ही सदर प्रखंड के बीडीओ को डिस्पैच सेंटर पर प्रतिनियुक्ति संबंधी आदेश बनाकर अनुमंडल पदाधिकारी को भेजने तथा डिस्पैच सेंटर पर वाहनों की पार्किंग की सही व्यवस्था, पेट्रोल पंप से टैगिंग और पोलिंग पार्टी ब्रीफिंग एवं मैटेरियल ससमय उपलब्ध कराने संबंधी कार्य योजना लिखित रूप में उपलब्ध कराने को कहा।

सावित्रीबाई फुले मेघा प्रतियोगिता सह सम्मान समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

डेहरी (रोहतास)। भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के याद में रविवार को रामारानी जैन बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण मे क्विज प्रतियोगिता मे सफल हुए प्रतिभागीयो के बीच पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया। सावित्रीबाई फुले एजुकेशनल समिति के अध्यक्ष अजय कुमार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि जनवरी माह में जयंती के अवसर पर आयोजित परीक्षा में 160 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। जिसमें सफल हुए प्रतिभागियों के बीच सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समान समारोह के मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि डॉक्टर निर्मल कुमार कुशवाहा व राजीव रंजन उर्फ सोनू सिंह, जदयू के जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा, रिंकू सोनी, प्रो. विमल कुमार सिंह, अमित पटेल, शंभू राम, लल्लू चौधरी, उर्मिला कुशवाहा, अधिवक्ता रवि कुमार के उपस्थिति में विजेता हुए प्रतिभागियों के बीच मुस्कान वितरण किया गया जिसमें प्रथम स्थान पहलेजा पंचायत के प्रियंका कुमारी को 11000, द्वितीय स्थान विवेक कुमार को 7000 एवं तृतीय स्थान मो. रेहान फैसल को राष्ट्रीय उच्च विद्यालय डिलिया को 5000 दिया गया। वहीं रंजन गुप्ता, गौतम सोनी, मनीष कुमार, पायल कुमारी, राजनंदनी, विवेक चौधरी, प्रिंस कुमार, रंजीत कुमार, परी कुमारी, अंकित पाल एवं राजू पाल को सत्तावन पुरस्कार के तहत टॉप 10 में स्थान प्राप्त करने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को एक-एक हजार रु नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बच्चों के बीच पुरस्कार वितरण करते हुए डॉ .निर्मल कुशवाहा एवं सोनू सिंह ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए बताया कि कड़ी मेहनत द्विढ इच्छा शक्ति से बड़ा से बड़ा मुकाम हासिल किया जा सकता है। शिक्षा सबसे बड़ा धन है।

वही इन्होंने सावित्रीबाई फुले के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि तमाम सामाजिक बुराइयों की परवाह किए बिना इन्होंने शिक्षा प्राप्त की और बच्चों को शिक्षित कर एक नई दिशा देने की प्रयत्न किया। बताया कि वह महिलाओं के कल्याण के लिए जीवन रहने तक लड़ती रही। सामाजिक कुरीतियों का विरोध करते हुए दलित महिलाओं के उत्थान तथा छुआछूत के खिलाफ इन्होंने आवाज उठाया। सोसाइटी के अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिससे छात्र-छात्राओं के बीच प्रतियोगिता की भावना विकसित होती है तथा उन्हें प्रतियोगिता प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने का अनुभव प्राप्त होता है।

विद्यालय में नारी शक्ति फिटनेस रन प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

राजपुर(रोहतास)। जिले के राजपुर प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार को नेहरू युवा केन्द्र के तत्वाधान में राजपुर शौंडिक उच्च माध्यमिक +2 विद्यालय में नारी शक्ति फिटनेस रन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बालिकाओ ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। वही राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सागर कुमार ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस क्यों और कब से मनाया जा रहा है,उसके इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा की भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसने धरती को माता का दर्जा दिया है। नदियों को अपनी मां कहा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को अपने स्तर पर आगे बढ़ते रहने लगातार प्रयास कर अपनी अलग पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। केंद्र सरकार के द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं के लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। दौड़ में प्रथम स्थान नेहा कुमारी ने हासिल किया,दूसरे स्थान पर आकांक्षा कुमारी रही तो तीसरे स्थान पर सुमन कुमारी ने अपनी जगह बनाई। प्रखंड विकास पदाधिकारी रविराज कुमार ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में शिक्षक सूबेदार कुमार,विनोद कुमार,शिवपूजन कुमार, सोनाली कुमारी, कुमकुम कुमारी आदि मौजूद रहे।

सरदार साहब का लोगों ने मनाया पुण्यतिथि

डुमरांव (बक्सर) महान स्वतंत्रता सेनानी एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सरदार हरिहर सिंह पुण्यतिथि चौंगाई के एक सभागार में आयोजित की गयी। इस दौरान समाजसेवियों ने उनके तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उन्हें शाहाबादी शेर की संज्ञा देते हुए कहा कि वे अपने कार्यकाल में स ठेक्स के किसानों की कर्ज माफी किये, जिससे किसानों को बहुत राहत मिला। सभा को संबोधित करते हुए जनशक्ति संगठन के राष्ट्रीय संयोजक रविंद्र सिंह शाहाबादी ने कहा कि सरदार हरिहर सिंह राजपूत समाज से होने के कारण उनकी सरकारी उपेक्षा हुई। इस महान विभूति की बिहार के किसी भी कोने में प्रतिमा स्थापित नही की गयी जबकि बिहार के मुख्यमंत्री ने अपने माता-पिता का प्रतिमा स्थापित करवाया। शाहाबादी शेर की प्रतिमा नही लगाये जाने का जवाब देना चाहिए।

दो कांडो में संलिप्त पिता-पुत्र सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

क्सर (शाहबाद) डुमरांव अनुमंडल के दो थानों की पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ही दो मामलों का उद्भेदन करते हुए उसमें शामिल पिता पुत्र समेत कुल तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उनके पास से हथियार तथा कारतूस भी बरामद हुए है। रविवार को एसपी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी।

एसपी ने बताया कि मुरार थाना क्षेत्र के मसहियां गांव में शनिवार को मारकंडेय सिंह पर उनके ही पट्टीदार रामनारायण सिंह तथा उनके पुत्र बाबुली सिंह उर्फ सूर्योदय ने देशी एकनाली बंदूक से जान मारने की नियत से फायरिंग किया था। इसकी जानकारी मिलते ही तत्काल डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापेमारी करवाई गई। इस टीम ने आरोपित पिता पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। उनके घर से देशी एकनाली बंदूक, छह जिंदा कारतूस तथा तीन खोखा भी बरामद किया गया।

टीम में डीएसपी के साथ मुरार थानाध्यक्ष कमलनयन पांडेय सहित मुरार थाने की पुलिस टीम शामिल थी। वही दूसरी घटना छह मार्च को ही डुमरांव के जंगलीनाथ शिवर्मोदर के पास की है। नैनीजोर ओपी थाना क्षेत्र के महुआर गांव के उमाशंकर सिंह ने डुमरांव पुलिस को आवेदन दे बताया था कि छह मार्च को जंगलीनाथ शिवमंदिर के पास डुमरांव के छठिया पोखरा निवासी लालबाबू माली के पुत्र विश्वास माली उर्फ रमेश कुमार ने अपने एक सहयोगी के साथ मिलकर हथियार के बल पर मुझे धमकी दिया था कि कृष्णाब्रह्म थाना में दर्ज एफआईआर उठा लो। इस सूचना पर डुमरांव डीएसपी को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। डुमरांव डीएसपी व थानाध्यक्ष अनिशा राणा की टीम ने छठिया पोखरा से विश्वास माली को गिरफ्तार कर जब पूछताछ की तो उसने बताया कि वह हथियार को कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अहिवरण राय के डेरा गांव के मुन्ना यादव के पुत्र पप्पू यादव के पास रखने को दिया है। इस सूचना पर एक टीम वहां पहुंच उसके घर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही पप्पू फरार हो गया।

जिला के महिला थाने में शादी रचा एक-दूजे के हुए प्रेमी युगल

बक्सर (शाहाबाद) जिला के महिला थाना की थानाध्यक्ष कनिष्का तिवारी की पहल पर एक बार फिर से एक प्रेमी जोड़े दांपत्य जीवन की डोर में बंध गए। दोनों के परिवारों व पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में दोनों ने एक दूसरे को जयमाल पहनाया। वही पति बने कोरानसराय के भानु कुमार मौर्य ने नावानगर थाना क्षेत्र के अमीरपुर गांव निवासी लक्ष्मी देवी के मांग में सिंदुर डाल उसे पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार कोरानसराय के स्व. गोपाल कुमार मौर्य के पुत्र भानु कुमार मौर्य तथा अमीरपुर के स्व. सुशील कुमार सिंह की पुत्री दुर्गा के बीच चार वर्षो से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लेकिन, लड़का परिवारिक दबाव में आकर शादी करने को तैयार नहीं हो रहा था। जिसके बाद लड़की ने मजबूर होकर महिला थाने में आवेदन दिया।

बक्सर वासियों को मिली सौगात - खाद्यान्न भंडारण की आधुनिक तकनीक से निर्मित स्टीलसाइलो का बक्सर में हुआ उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

बक्सर। बिहार प्रदेश के बक्सर जिले मेंभारतीय खाद्य निगम हेतु ग्राम-बैरी, इटाढ़ी बक्सर में 50,000 एम. टी. क्षमता वाले नवनिर्मित गेंहू एवम चावल भंडारण साइलो का उद्घाटन अश्विनी कुमार चौबे, केन्द्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्यएवं सार्वजनिक वितरण, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सोमवार(11.3.2024) को किया गया। यह साइलो बक्सर-इटाढ़ी मार्ग पर बक्सररेलवे स्टेशन से दक्षिण लगभग 8 किलो मीटर दूर पी. पी. पी. मॉडल परभारतीय खाद्य निगम के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी से नेशनल कमोडिटीमैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड (ठउटछ) द्वारा निर्मित किया गया है। यहपायलट प्रोजेक्ट के तहत देश का पहला चावल साइलो है।

साइलो भण्डारण का उद्घाटन अश्विनी कुमार चौबे, केन्द्रीय राज्य मंत्री द्वारा उद्घाटन, पट्टीका का अनावरण कर कियागया तथा साइलो के विद्युत कक्ष में स्थित नियंत्रण प्रणाली का विधिवतबटन दबाकर कॉनवेयर बेल्ट का शुभारंभ किया गया। इस शुभ अवसर पर रामजस चौबे, सदस्य निति आयोग सलाहकार समिति, उप-विकास आयुक्त बक्सर, पंकज तोमर मुख्य साइलो एन.सी.एम.एलग्रुप तथा बक्सर जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति के गणमान्य सादस्यगण तथा कृपाशंकर चौबे, मृत्युंजय सिंह, इंदू देवी, सतीश चंद्र दुबे, रामनाथ पासवान, राजवंशसिंह, सतीश त्रिपाठी, दीपक पाण्डेय, नवीन राय, अरूणकुमार मिश्रा सहित अन्य गणमान्य हस्तियाँ उपस्थित रहे। केन्द्रीय राज्य मंत्री, अश्विनी कुमार चौबे द्वारा इसअवसर पर बताया गया कि यह भण्डारण साइलो, केंद्र की ओर से बक्सरवासियों को एक बहुमूल्य सौगात है तथा इसके प्रारंभ होने से इस क्षेत्र मेंभारतीय खाद्य निगम की अनाजों की भंडारण क्षमता बढ़ेगी, तेजी से अनाज का संचालन होगा तथा बिहार के लोगों को खाद्यान्नउपलब्ध कराने में मील का पत्थर साबित होगा। राज्य में उत्पादित अनाजके भंडारण में यह बहुत ही मददगार होगा। इस अवसर पर माननीय केंद्रीयराज्य मंत्री एवं अन्य अतिथियों द्वारा ऱ्'ङ्ग परिसर में पौधारोपण भी कियागया एवं प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लाभार्थियों को 10 किलो बैग में खाद्यान्न का वितरण भी किया गया। माननीय मंत्री जी द्वारासाइलो परिसर में स्थापित गेहूँ खरीदी केंद्र का भी उद्घाटन किया गया। विदित हो कि आगामी रबी विपणन वर्ष 2024-25 के तहत दिनांक 15 मार्च, 2024 से पूरे बिहार राज्य के सभी जिलों में गेहूँ की खरीद शुरू होजाएगी तथा गेहूँ के न्यूनतम समर्थन मूल्य रूपए 2275/- प्रति क्विंटल केहिसाब से किसानों को भुगतान 48 घंटे के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। यह साइलो भारतीय खाद्य निगम के साथ निजी-सार्वजनिकसाझेदारी मॉडल के तहत निर्मित गेहू एवं चावल भंडारण के लिएसाइलो है जो नेशनल कमोडिटी मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड द्वारा डिजाइन-बिल्ड-फाइनेंस-ऑपरेट ट्रान्सफर मॉडल (ऊइऋडळ) केतहत निर्मित किया गया है बक्सर स्थित साइलो की भण्डारण क्षमता50000 मीट्रिक टन हेतु (12500 मी.टन 3 =37500 मी.टन गेहूंसाइलो बिन एवं 3125 मी.टन 4= 12500 मी. टन चावल साइलो बिन) है जिसका उपयोग भारतीय खाद्य निगम (ऋछक) आगामी 30 वर्षो तकखाद्यान्न का भंडारण हेतु किया जायेगा जबकि साइलो का संचालन निजीसंस्था द्वारा किया जाएगा। स्टील साइलो का मुख्य उद्देश्य फसल कटाईके बाद भण्डारण के दौरान होने वाले नुकसान को कम करने, अनाज कीगुणवत्ता को संरक्षित करने और निजी क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम सेखाद्यान्न के थोक रखरखाव और भंडारण के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचेके माध्यम से खाद्यान्न की मात्रा और गुणवत्ता संरक्षित करना है।

मोदी सरकार के खिलाफ दलित, गरीब किसान, मजदूरों में है आक्रोश : कुणाल

लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर भाकपा - माले जिला स्थाई समिति की चल रही है बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भाकपा - माले जिला कार्यालय में जिला स्थाई समिति की बैठक चल रही है। बैठक में लोकसभा चुनाव की सम्पूर्ण तैयारी को लेकर हो रहा है मंथन। 3 मार्च को हुई जनविश्वास रैली की भी हुई समीक्षा। इसके अतिरिक्त वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर भी होगी चर्चा। बैठक में पार्टी राज्य सचिव कुणाल, पोलित ब्यूरो सदस्य स्वदेश भट्टाचार्य, केंद्रीय कमिटी सदस्य संतोष सहर भी शामिल हैं। इनके अलावें जिला सचिव जवाहरलाल सिंह, केंद्रीय कमिटी सदस्य राजू यादव, तरारी विधायक सुदामा प्रसाद, पूर्व विधायक व पीरो प्रखण्ड सचिव चंद्रदीप सिंह, राज्य समिति सदस्य रमेश , इंदु सिंह, विजय शिवप्रकाश रंजन, सबीर कुमार सुधीर कुमार आदि शामिल हैं। बैठक में जनविश्वास रैली की हुई समीक्षा जिस में जिले से लाखों जनता हुई शामिल। रैली ऐतिहासिक रही। रैली ने साबित किया कि जनता में मोदी सरकार के खिलाफ आक्रोश है। दूसरी तरफ बाड़गांव के झूठे मुदमे में अगिआंव के विधायक मनोज मंजिल सहित 23 दलित- पिछड़ा- अतिपिछड़ा समाज के गरीबों को आजीवन कारावास दिया गया है जिससे जनता में व्यापक गुशा और आक्रोश है। माले जनता के इन आक्रोश को संगठित कर मोदी सरकार के खिलाफ चलाएगी अभियान।

बैठक में लोकसभा के तैयारी को लेकर मंथन चल रही है जिसमे अभी तक निर्णय के अनुसार लोकसभा के लिए विभिन्न तरह की कमिटियों का निर्माण हुआ, तैयारी समिति, बूथ कमेटी, आईटी सेल भी बनाई गई। सभी जगहों चुनाव कार्यालय खोलने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित राज्य सचिव कुणाल ने कहा कि भाकपा - माले भाजपा भगाओ, देश बचाओ, लोकतंत्र बचाओ के नारे के साथ चुनाव लड़ेगी। आज मोदी सरकार के खिलाफ दलित - गरीब, किसान - मजदूरों में आक्रोश। है। देश मे भ्रस्टाचार पर बात करने वाली मोदी सरकार का इलेक्टोरल बॉन्ड ने पोल खोल दिया। उन्होंने कहा कि 2024 चुनाव के ठीक पहले दिल्ली जैसी घटना से सांप्रदायिक माहौल बनाकर भाजपा वोटों का ध्रुवीकरण करना चाह रही है। देश की जनता इसका मुक्कमल जवाब देगी।

अगले दस साल तक मनीषा रानी नहीं करेंगी डांस

मनीषा रानी हाल ही में डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 11 जीतकर सुर्खियों में आईं। अपने करीबियों के साथ जीत का जश्न भी उन्होंने दिल खोलकर मनाया। चंद दिन पहले ही मनीषा फिर से चर्चा में आ गईं, जब उन्होंने एल्विश यादव को अनफॉलो किया। अब एक बार फिर से वह सुर्खियों में हैं।

मनीषा ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया है। चाहे वह एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के तौर हो या फिर झलक के मंच से एक डांसर के रूप में। फैंस ने भी उनके प्रदर्शन की जमकर सराहना की है, लेकिन हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने एक चौंकाने वाली बात कह दी। इसे सुनकर तो इनके फैंस भी उदास हो जाएंगे। मनीषा ने हाल में कहा कि वह अब किसी डांस शो में हिस्सा नहीं लेना चाहतीं। उन्होंने कहा,ऐसा लग रहा है कि मैंने पूरी एक जिंदगी जी ली हो, इतना डांस करके जैसे गंगा नहा ली हूं! बहुत हो गया, अब मुझे डांस वाला कोई शो नहीं करना है। इसमें बहुत मेहनत लगती है। झलक के दौरान मैंने इतना डांस कर लिया कि लगता है कि लंबे समय तक डांस नहीं करने वाली।

दस साल तक नहीं करना डांस

तो क्या सच में मनीषा अब हमें किसी डांस रियलिटी शो में नजर नहीं आएंगी मनीषा कहती हैं,मुझे तो लग रहा है कि मैं पूरे दस साल तक नहीं नाचूंगी। अभ्यास और प्रदर्शन के दौरान मैंने बहुत ज्यादा नाच किया है। सुनने में तो लग रहा है कि जैसे मनीषा का डांस के प्रति अब लगाव कम हो गया है। सच में ऐसा है क्या इसका जवाब देते हुए वह बोलीं,डांस से तो मुझे प्यार है। यह कम नहीं हो सकता, लेकिन हां अब प्रेशर वाला डांस करने का मन नहीं है। ऐसा नहीं करना कि आपको इतने घंटे डांस करना ही होगा। बीच-बीच में जब मन होगा, तो जरूर अपने कुछ विडियोज बनाऊंगी।

नाम बनाने में की खूब मेहनत

अगर मनीषा के अभी तक के सफर की बात करें, तो खुद को यहां तक पहुंचाने के लिए उन्होंने बहुत मेहनत और संघर्ष किया है। टिक टॉक बनाने शुरू किए, तो फैंस के बीच इनकी एक पहचान कायम हुई। इसके साथ ही भोजपुरी इंडस्ट्री में भी काम मिलता रहा। फाइनली बिग बॉस ओटीटी 2 में नजर आईं, जहां यह दर्शकों के लिए एक नामी चेहरा बन गईं। बाद में इन्होंने डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा में एंट्री की। वाइल्ड कार्ड एंट्री के बावजूद इन्होंने इतनी मेहनत की, जिसका नतीजा सबके सामने है। डांस के साथ-साथ इनका मजाकिया अंदाज भी दर्शकों को खूब भाया।

जब मैं इंडस्ट्री में नई थी...

तब मैंने किसी की गलत सलाह नहीं मानी

तापसी पन्नू बॉलीवुड और साउथ की एक नामी अभिनेत्री हैं। वह अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं। जब भी किसी बात पर अपनी राय रखनी हो, तो वह जरा भी हिचकती नहीं, न ही दूसरों की बातों से प्रभावित होती हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड में अपने शुरुआती दौर के बारे में कुछ खुलासे किए। यह वह समय था जब तापसी बॉलीवुड में नई-नई आई थीं। ऐसे में उन्होंने किसी की भी गलत सलाह को नहीं माना, बेशक इसकी बजाय उन्होंने सफलता पाने का कठिन रास्ता चुना। तापसी अक्सर बड़े बॉलीवुड इवेंट्स से नदारद रहती हैं। हाल ही में आयोजित अंबानियों की जामनगर स्थित बड़ी ग्रैंड पार्टी में भी नजर नहीं आईं। जब उनसे इस तरह के इवेंट्स में हिस्सा न लेने की वजह पूछी, तो उन्हें मुंबई नगरी के अपने शुरुआती दिन याद आ गए। ये वो दिन थे जब वह काम पाने के लिए यहां संघर्ष कर रही थीं।

देर तक पार्टी करना पसंद नहीं

इन दिनों को याद कर तापसी बताती हैं,'उस समय कुछ लोगों ने मुझे सलाह दी कि तुम बॉलीवुड के बड़े एक्टर्स और डायरेक्टर्स को मेसेज भेजा करो। ऐसा करने से उनकी नजर में रहोगे और वे तुम्हें अपनी पार्टी में आने का न्योता देंगे। मुझे लगा कि मैं उस तरह की नहीं हूं। मैं सुबह जल्दी उठती हूं, तो रात के दस बजे के बाद मुझे कहीं रुकना ठीक नहीं लगता। ना मैं पीती हूं और न ही मैं धूम्रपान करती हूं, तो मैं वहां क्या करूंगी। मैं सिर्फ अपने दोस्तों के साथ पार्टी कर सकती हूं, जहां मैं उनके साथ खा सकती हूं और चैन से डांस कर सकती हूं।'

बॉलीवुड कैंप में जगह बनाने का मौका

हालांकि, तापसी मानती हैं कि अगर आप पार्टीज में जाते हैं, तो बॉलीवुड कैंप में कहीं न कहीं आपको जगह बनाने के लिए एक मौका मिल जाता है। वह बताती हैं,'यह एक तरीका है जिससे आपकी एंट्री बॉलीवुड कैंप में आसानी से हो सकती है, लेकिन यहां तक पहुंचने की जो प्रक्रिया है मतलब रात 10 बजे के बाद पार्टी करना वगैरह.. यह मेरे बस की बात नहीं है। इसकी बजाय मैं कठिन रास्ता चुनना पसंद करूंगी, जिसमें आपको खूब अच्छा काम करने को मिले।' तापसी कहती हैं कि उन्हें अपने साथ की हीरोइनों से भी प्रेरणा मिलती है। जिस तरह प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण ने अपने करियर को संभाला है, वह काबिले तारीफ है।

साउथ सिनेमा में धमाका करने की तैयारी में रणवीर

बॉलीवुड सितारों का साउथ की फिल्मों और साउथ के स्टार्स का हिंदी फिल्मों में काम करने का सिलसिला पिछले कुछ सालों से खूब देखने को मिल रहा है. पिछले साल शाहरुख ने भी साउथ के डायरेक्टर एटली के साथ मिलकर 'जवान' फिल्म बनाई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस हिलाकर रख दिया था. अब साउथ और बॉलीवुड के इस कोलैबोरेशन में रणवीर सिंह भी एंट्री कर सकते हैं. दरअसल, एक रिपोर्ट की मानें तो रणवीर साउथ सिनेमा के बड़े डायरेक्टर पा. रंजीत के साथ एक एक्शन फिल्म को लेकर बातचीत कर रहे हैं. कहा जा रहा कि दोनों के बीच पिछले कुछ महीने से बातचीत का दौर चल रहा है. बताया जा रहा है कि रणवीर को भी इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी है. अभी इस फिल्म का टाइटल तो सामने नहीं आया है, लेकिन कहा जा रहा है कि ये फिल्म भगवान बिरसा मुंडा के ऊपर बेस्ड होने वाली है. कहा जा रहा है कि रंजीत इस प्रोजेक्ट पर पिछले 2 साल से काम कर रहे हैं और ऐसा प्लान है कि इस साल इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है. हालांकि, अभी तक इस फिल्म पर आधिकारिक तौर पर कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है. आपको बता दें कि रंजीत रजनीकांत के साथ फिल्म 'कबाली' और 'काला' जैसी फिल्मों को बनाने के लिए जाने जाते हैं. रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि रणवीर से इस फिल्म पर बात जरूर हो रही है. हालांकि अभी तक उन्होंने इस फिल्म को करने के लिए हां नहीं कहा.

फैमिली स्टार टीजर में एक्शन अवतार में विजय देवरकोंडा

विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर की मोस्ट अवेटेड अपकमिंग मूवी फैमिली स्टार का दमदार टीजर रिलीज कर दिया गया है। फैंस एक बार फिर विजय को एक्शन अवतार में देखेंगे और वो मृणाल संग रोमांस करते हुए भी नजर आएंगे। इसका डायरेक्शन परसुराम पेटला ने किया है और कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। ये मूवी 5 अप्रैल 2024 को थिएटर्स में रिलीज होने के लिए एकदम तैयार है। टीजर को देखकर साफ पता चलता है कि विजय देवरकोंडा का किरदार अपने परिवार के लिए पूरी तरह से समर्पित है। वो अपने घरवालों के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार है। घर में खाना भी बनाता है तो जरूरत पड़ने पर गुंडों की पिटाई भी करता। मृणाल ठाकुर को देख उसके दिल में धुकधुकी मचने लगती है। टीजर में विजय और उसके परिवार को दिखाने के बाद मृणाल ठाकुर को इंट्रोड्यूस कराया जाता है। वो बस स्टैंड के पास खड़ी होती है और कॉलेज तक छोड़ने के लिए रिक्वेस्ट करती है। इस पर विजय कहते हैं, मेरे लिए पेट्रोल खरीदो, तब मैं तुम्हें जरूर ड्रॉप कर दूंगा।

तलाक को लेकर बोली मलाइका हरेक का अलग नजरिया

एक्ट्रेस व मॉडल मलाइका अरोड़ा ने शादी के 19 साल बाद एक्टर अरबाज खान से तलाक ले लिया था। मलाइका फिलहाल अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में मलाइका ने शादी और तलाक के बारे में खुलकर बात की। मलाइका ने अपनी शादी के बारे में कहा कि भले ही अपने परिवार से मुझे किसी तरह के दबाव का सामना नहीं करना पड़ा। मगर, ऐसा नहीं है कि मैं ऐसे बैकग्राउंड में बड़ी हुई हूं कि मेरे परिवार वाले मुझसे कहें कि तुम्हें इस उम्र में शादी करनी होगी। मुझे अपना जीवन जीने और अच्छे लोगों से दोस्ती करने को कहा गया। मुझे नहीं पता कि मेरे दिमाग में क्या आया। मैंने कहा कि 22-23 साल तक मैं शादी करना चाहती हूं। किसी ने मुझ पर कोई दबाव नहीं डाला था, लेकिन मुझे अभी यही करने की जरूरत थी, क्योंकि उस समय मेरे पास यही सबसे अच्छा विकल्प था। शादी के कई साल बाद मुझे ये एहसास हुआ कि यह वह नहीं है, जो मैं चाहती थीं। जब मैंने तलाक लेने का फैसला किया, तो मुझे नहीं लगता कि इंडस्ट्री में बहुत सारी महिलाएं ऐसी थीं, जो तलाक लेकर आगे बढ़ रही थीं। मुझे लगा मेरे लिए, मेरे करिअर के लिए, मेरी पसंद के लिए और अगर मुझे अपने बच्चे को खुश रखना है, तो मुझे अंदर से ठीक महसूस करना होगा। तलाक को हर कोई एक अलग नजरिये से देखता है। बता दें कि मलाइका और अरबाज की शादी साल 1998 में हुई थी। वे साल 2017 में अलग हो गए।

...तब हमें कहानी या डायलॉग नहीं बताया जाता था

कोविड महामारी सिनेमा इंडस्ट्री के लिए एक बुरे सपने जैसी थी। उस दौर में थिएटर्स बंद होने के कारण कई फिल्मों का भविष्य अधर में लटक गया था तो कई ने ओटीटी पर राह तलाशी। जबकि, जाने-माने फिल्ममेकर आदित्य चोपड़ा ने उस दौर की अपनी सभी फिल्मों सम्राट पृथ्वीराज, जयेशभाई जोरदार, बंटी और बबली, संदीप और पिंकी फरार, शमशेरा, द ग्रेट इंडियन फैमिली को लंबे इंतजार के बाद भी थिएटर में ही रिलीज किया, लेकिन ये सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुईं। अब आदित्य चोपड़ा की पत्नी ऐक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने उस बारे में खुलकर बात की है। मुंबई में चल रहे तीन दिवसीय फिक्की फ्रेम्स 2024 इवेंट में रानी ने कहा कि वह दौर उनकी कंपनी के लिए काफी निराशा भरा था लेकिन फिर पठान की सफलता ने सब कुछ बदल दिया।

काफी पैसे ठुकराए पर ओटीटी पर फिल्म नहीं लाए आदी

रानी ने कहा, कोविड के दौरान जब फिल्म इंडस्ट्री में मुश्किल दौर चल रहा था। हमारी कंपनी की कई फिल्में भी कोविड से पहले अनाउंस थीं। उन्हें रिलीज करने का दबाव भी था। बहुत बड़ी-बड़ी फिल्में ओटीटी पर रिलीज हो रही थीं। तब भी मेरे पति एकदम शांत और सहज थे। उनका मानना था कि ये फिल्में थिएटर के लिए बनी हैं और उन्हें थिएटर में ही रिलीज होनी चाहिए ताकि लोग बिग स्क्रीन का मजा ले पाएं। उन्हें भरोसा था अपनी फिल्मों पर, जबकि उन्हें इन फिल्मों को ओटीटी पर रिलीज करने के लिए बहुत सारा पैसा मिल रहा था। देखा जाए तो वो सभी के लिए फायदे का सौदा भी होता लेकिन मेरे पति (आदित्य चोपड़ा) ने बड़ा फैसला लिया कि मैं अपनी फिल्में ओटीटी पर रिलीज नहीं करूंगा।

सोशल मीडिया से क्यों नहीं हैं रानी मुखर्जी?

भगवान जब देता है तो छप्पर फाड़कर देता है और फिर पठान आई। पूरा डिप्रेशन वाला माहौल था, हमारी कंपनी में सभी दुखी थे, लेकिन फिर पठान आई और सबकुछ बदल गया। वो कहते हैं न कि भगवान जब देता है तो छप्पर फाड़कर देता है। वह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी और दूसरों के लिए भी रास्ते खुले। इसलिए, मैं एक सहकर्मी के तौर पर आदी की हिम्मत को सैल्यूट करती हूं।

करियर के शुरू में पैक-अप का इंतजार करती थी

रानी ने यहां अपने 27 साल लंबे ऐक्टिंग करियर में फिल्मों के चुनाव में आए बदलाव पर भी बड़ा खुलासा किया। रानी ने बताया कि उम्र और अनुभव के साथ उनके फिल्में चुनने का क्राइटेरिया भी बदला है। बकौल रानी, जब मैं अपने ट्वेंटीज में थी तो मैं अलग वजहों से फिल्में करती थी। यह ऐसा नहीं था कि आप स्क्रिप्ट पढ़कर फैसले कर रही हैं। वो दौर भी अलग था, तब हमें कहानी या डायलॉग नहीं बताया जाता था, एक सेंटर लाइन होती थी। न तो हमें कन्विंस करने की भी कोई खास कोशिश की जाती थी। वो ऐसा था कि आप नहीं करेंगी तो कोई और कर लेगा। मैं उस दौर में भी रही हूं जब मेरे पैरंट्स बस बता देते थे कि आज फिल्म सिटी में शूटिंग है तो कल फिल्मिस्तान में, मुझे तब कोई और तरीका पता भी नहीं था। मुझे लगता है समझदारी उम्र के साथ आती है।

जब फैंस की चिट्ठियां आने लगीं

मेरा नजरिया तब बदला जब मेरे पास मेरे फैंस की चिट्ठियां आने लगीं। वे मुझे बताते थे कि उन्हें मेरी कौन सी फिल्म अच्छी लगी, कौन सी नहीं, तब मुझे लगा कि ऐक्टिंग सिर्फ एक नौ से पांच की नौकरी नहीं है। आप इससे कई जिंदगियों को छूते हैं। वरना पहले मैं अपने परिवार के लिए ब्रेड और जैम कमाने के लिए काम कर रही थी। उसके बाद मैंने अपने किरदार सोच समझ कर चुनना शुरू किया। तब साथिया फिल्म की। जब मैं शुरू शुरू में ऐक्टिंग करती थी तो जब पैकअप बोला जाता था तो मैं बड़ी खुश होती थी। मुझे बस घर जाना होता था लेकिन फिर वक्त बदला और मैं सेट पर ज्यादा से ज्यादा देर रहना एंजॉय करने लगी। उस प्रॉसेस को समझने की कोशिश करती थी तो वक्त के साथ मैं बतौर ऐक्टर इवॉल्व हुई हूं। मैंने बहुत कुछ सीखा है।

संक्षिप्त समाचार

वीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री 3200 करोड़ की एनटीपीसी आरईएल लिमिटेड की बरेठी सौर ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखेंगे

नई दिल्ली , एजेंसी। विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री आर. के. सिंह और माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ0 वीरेंद्र कुमार 10 मार्च 2024 को मध्य प्रदेश में एनटीपीसी आरईएल लिमिटेड की बरेठी सौर ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखेंगे। मध्य प्रदेश में छतरपुर जिले के बरेठी नवीकरणीय ऊर्जा पार्क स्थित 630 मेगावाट की सौर परियोजना में 3,200 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। इस परियोजना के पूरा होने पर 3 लाख से अधिक घरों को पर्याप्त बिजली मिलेगी। इसे यूएमआरईपीपी मोड-8 के अधीन एमएनआरई नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। सतत बिजली उत्पादन की दिशा में बढ़ते इस कदम से यह परियोजना सालाना 12 लाख टन उत्सर्जन को कम करेगी, जिससे देश की जलवायु प्रतिबद्धताओं और हरित ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस परियोजना के चालू होने से न केवल ग्रिड को हरित बिजली की आपूर्ति होगी, बल्कि लाभार्थियों के लिए सस्ती बिजली भी सुनिश्चित होगी। इसके साथ ही, इस क्षेत्र में परियोजना के निर्माण से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने में मदद मिल रही है।

लाइनमैन दिवस के रूप में समर्पित करने की अनूठी पहल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए), बिजली मंत्रालय ने टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन (टाटा पावर-डीडीएल) लिमिटेड के सहयोग से 4 मार्च, 2024 को नई दिल्ली में 'लाइनमैन दिवस' का चौथा संस्करण मनाया। इस पहल का उद्देश्य सभी सरकारी और प्राइवेट ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के लिए एक दिन लाइनमैन दिवस के रूप में समर्पित करने और उसका जश्न मनाने की राष्ट्रव्यापी परंपरा कायम कर इंडियन पावर सेक्टर के फ्रंटलाइन नायकों - लाइनमैन का सम्मान करना है। इस प्रयास ने पावर सेक्टर में फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए मनोबल बढ़ाने का महत्वपूर्ण काम किया है, जिससे उन्हें उचित पहचान और सराहना मिली। इस समारोह में हिस्सा लेने के लिए आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, जम्मू और कश्मीर, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और दिल्ली के 40 से अधिक सरकारी और प्राइवेट ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के 150 से ज्यादा लाइनमैन और लाइनवुमेन ने राष्ट्रीय राजधानी का दौरा किया।लाइनमैन दिवस समारोह का थीम सेवा, सुरक्षा, स्वाभिमान था जो पावर सेक्टर के फ्रंटलाइन नायकों के समर्पण, सेवा और बलिदान को दर्शाता है।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज

फ्रेगिल फाइव से टाप फाइव इकोनामी में आया है : अमित

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को मुंबई में इंडिया ग्लोबल फोरम के वार्षिक निवेश शिखर सम्मेलन - एनएक्सटी10 को संबोधित किया। इस मौके पर शाह ने यह स्पष्ट किया कि, 'मोदी जी के नेतृत्व में भारत आजफ्रेगिल फाइव से टाप फाइव इकोनामी में आया है।' भारत का हर नागरिक जानता है कि साल 2004 से 2014 तक जब केंद्र में सोनिया-मनमोहन की सरकार थी, उस दौरान देश की अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें नंबर पर थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने बीते 10 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था को 5वें नंबर पर लाने का काम किया है।

विदेशी निवेशकों ने 5 साल में शेयर बाजार से निकाले 3.5 लाख करोड़, घरेलू निवेशकों ने किया जमकर निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर मार्केट में विदेशी निवेशक जितने पैसे लगाते हैं, उससे ज्यादा निकाल लेते हैं। फिर भी बाजार में रौनक है। वजह हैं घरेलू निवेशक। 2023 में विदेशी निवेशकों ने रोज औसतन 45 करोड़ रुपए निकाले लेकिन घरेलू निवेशकों ने करीब नौ गुना ज्यादा (397 करोड़) पैसे डाले। 2018 में विदेशी निवेशक रोज औसतन 201 करोड़ रुपए निकाल रहे थे और हम 300 करोड़ रुपए निवेश रहे थे। पांच सालों में विदेशी निवेशकों ने कुल 3.5 लाख करोड़ रुपए शेयर बाजार से निकाले और इसी दौरान घरेलू निवेशकों ने 6.7 लाख करोड़ रुपए निवेश किए। एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर 23 में 15.96 फीसदी तक बढ़ गई, जो दिसंबर 18 में 13.77 फीसदी थी। इसी दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी 19.66 फीसदी से घटकर 18.19 फीसदी पर आ गई।

एफपीआई ने मार्च में शेयर बाजार में किया निवेश

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (मार्च में) अबतक भारतीय शेयर बाजारों में 6,139 करोड़ रुपए डाले हैं। मजबूत आर्थिक वृद्धि, बाजार की मजबूती तथा अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट के चलते एफपीआई के बीच भारतीय शेयरों का आकर्षण बना हुआ है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले फरवरी में उन्होंने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपए डाले थे। वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

एयरपोर्ट बिजनेस में 60,000 करोड़ निवेश करेगा अडानी ग्रुप

ग्रुपके पास इस समय लखनऊ समेत कुल आठ एयरपोर्ट हैं

2040 तक 30 करोड़ पैसेंजर कैपेसिटी की तैयारी कर रहा ग्रुप

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप ने एयरपोर्ट बिजनस में अगले 10 साल में 60,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। यह राशि नवी मुंबई एयरपोर्ट के पहले चरण में निवेश किए जा रहे 18,000 करोड़ रुपये से अलग है। इन पैसों को एयरपोर्ट्स में रनवे, टैक्सीवे, एयरक्राफ्ट पार्किंग स्टैंड्स और टर्मिनल बनाने में इस्तेमाल किया जाएगा। साथ ही एयरपोर्ट्स के करीब होटल और शॉपिंग मॉल भी विकसित किए जाएंगे। अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अडानी का कहना है कि यह पैसा आंतरिक संसाधनों से जुटाया जाएगा। ग्रुपके पास इस समय कुल आठ एयरपोर्ट हैं। अडानी ने ईटी से कहा, मुझे लगता है कि एयर कनेक्टिविटी के मोड में बुनियादी बदलाव होने जा रहा है। देश में कई एयरपोर्ट भविष्य में इंटरनेशनल हब बनने जा रहे हैं। इंटरनेशनल ट्रेवल में भारी बढ़ोतरी होने जा रही है। हम डोमेस्टिक कनेक्टिविटी में सुधार के लिए एयरलाइन कंपनियों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि एयरलाइन बिजनस के प्रॉफिटेबल होने के बाद इसकी लिस्टिंग करने की योजना है। करण अडानी ग्रुपके चेयरमैन गौतम अडानी के बेटे हैं। अडानी ग्रुपको साल 2019 में देश में छह एयरपोर्ट ऑपरेट करने के राइट मिले थे। इनमें लखनऊ, अहमदाबाद, जयपुर, गुवाहाटी, तिरुवनंतपुरम और मेंगलौर शामिल हैं। साल 2021 में अडानी ग्रुपने मुंबई और नवी मुंबई एयरपोर्ट को जीवीके ग्रुपसे खरीद लिया।

एक अरब प्लस पैसेंजर

इस तरह अडानी ग्रुपके पास इस समय आठ एयरपोर्ट हैं। अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के सीईओ अरुण बंसल ने कहा कि ग्रुप2040 तक 25 से 30 करोड़ पैसेंजर कैपेसिटी की तैयारी कर रहा है। अभी ग्रुपके सात एयरपोर्ट्स की कैपेसिटी 7.3 करोड़ है। नवी मुंबई एयरपोर्ट अभी बन रहा है। बंसल ने कहा, अभी देश की 1.4 अरब की आबादी में से केवल 30 करोड़ लोग ही हवाई यात्रा कर रहे हैं। एयरलाइन कंपनियों ने जिस तरह विमानों के ऑर्डर दिए हैं, उससे लगता है कि 2030 तक देश में विमानों की संख्या 3,000 तक पहुंच जाएगी। अभी देश में करीब 700 विमान हैं। यानी 30 करोड़ पैसेंजर जल्दी ही एक अरब प्लस होने वाले हैं।

300 रुपये तक जा सकते हैं महार प्रतिशत कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। महार प्रतिशत कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग सरकारी कंपनी भेल के शेयरों पर बुलिश है। भेल की मजबूत ऑर्डर बुक को देखते हुए ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयर खरीदने की सलाह दी है। एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग ने भेल के शेयरों का टारगेट प्राइस बढ़ाकर 299 रुपये कर दिया है। भेल के शेयर सोमवार 11 मार्च 2024 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 259.05 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं।

शुरुआती 9 महीनों में 36000 करोड़ रुपये के ऑर्डर

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने बताया है कि उसे मौजूदा वित्त वर्ष के शुरुआती 9 महीने में 36000 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं। सालाना आधार पर ऑर्डर इनफ्लो में 102 पर्सेंट का उछाल आया है। भेल को चौथी तिमाही में पहले ही 3 बड़े ऑर्डर मिल चुके हैं। कंपनी को 3 800 मेगावॉट एनएलसी तालाबीरा थर्मल पावर प्लांट, यमुनानगर में मेगावॉट अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल एक्सपैंशन यूनिट और 2 800 मेगावॉट एनटीपीसी सिंगरौली सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट स्टेज-3 के ऑर्डर मिले हैं। इन ऑर्डर की वैल्यू 30000 करोड़ रुपये है।

एक साल में 247 प्रतिशत चढ़ गए कंपनी के शेयर

सरकारी कंपनी भेल के शेयरों में पिछले एक साल में तूफानी तेजी आई है। भेल के शेयर पिछले एक साल में 247 प्रतिशत चढ़ गए हैं। भेल के शेयर 13 मार्च 2023 को 74.23 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 11 मार्च 2024 को 259.05 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में करीब 85 पर्सेंट का उछाल आया है। इस अवधि के दौरान कंपनी के शेयर 139.85 रुपये से बढ़कर 259.05 रुपये पर पहुंच गए हैं। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 271.90 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 67.63 रुपये है।

बायजू ने 25 प्रतिशत कर्मचारियों को दी पूरी सैलरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एडटेक कंपनी ने कम सैलरी पाने वाले 25 फीसदी कर्मचारियों का पूरा वेतन जारी कर दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि बाकी कर्मचारियों को आंशिक भुगतान किया गया है। बायजू के प्रबंधन ने रविवार को कर्मचारियों को भेजे पत्र में कहा कि वैकल्पिक कोष व्यवस्था के जरिए वेतन भुगतान किया गया है। इससे पहले बायजू के संस्थापक बायजू रवींद्रन ने कहा था कि बायजू अपने कर्मचारियों को सैलरी नहीं दे पा रही है। राइट्स इश्यू से हमने जो पैसा जुटाया था, वह निवेशकों के साथ विवाद के चलते एक अलग अकाउंट में लॉक पड़ा है। बायजू अपने कर्मचारियों को अब तक फरवरी की सैलरी नहीं दे पाई है। एनसीएलटी की बेंगलुरु बेंच ने बायजू को आदेश दिया था कि जब तक निवेशकों के साथ विवाद का समाधान नहीं हो जाता है जब तक कंपनी को राइट्स इश्यू से जुटाए गए फंड को एक अलग अकाउंट में रखना होगा।

सैमसंग ने गैलेक्सी एफ15 5जी का किया अनावरण

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने गैलेक्सी एफ15 5जी के लॉन्च का एलान कर दिया है। यह पहले के फ़ोनों से अलग तरह का फ़ोन है और यूजर्स को कई सेगमेंट-विशिष्ट खास फीचर्स के साथ एक बेहतर स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करेगा। गैलेक्सी एफ15 5जी अपने सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ 6000द्बद्ध बैटरी और इस सेगमेंट की अन्य विशिष्ट खूबियों, जैसे कि एसएमोलेड (सुपर एमोलेड) डिस्प्ले, 4 जेनरेशन एंड्रॉइड अपग्रेड और पांच वर्ष तक सिक्योरिटी अपडेट्स के कारण सबसे ख़ास है। इन खूबियों के साथ यूजर आने वाले कई वर्षों तक नवीनतम खूबियों और बेहतर सुरक्षा का आनंद उठा सकते हैं।

सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के वाईस प्रेसिडेंट, आदित्य बब्बर ने कहा गैलेक्सी एफ15 5जी का लॉन्च, 2024 में गैलेक्सी स्र सीरीज स्मार्टफोन की हमारी पहली पेशकश है। यह लॉन्च दमदार उपकरणों के जरिए अपने ग्राहकों के जीवन को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। गैलेक्सी एफ15 5जी का लॉन्च उपयोगी इनोवेशन के प्रति हमारे अटूट समर्पण को दर्शाता है जो यूजर्स को अपनी पूरी क्षमता को अनलॉक करने में समर्थ बनाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि, एसएमोलेड डिस्प्ले, 4 जेनरेशन एंड्रॉइड अपग्रेड ,पांच साल तक सिक्योरिटी अपडेट और 6000द्बद्ध की सेगमेंट बेस्ट बैटरी जैस सेगमेंट फर्स्ट फीचर्स के साथ हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि गैलेक्सी एफ15 5जी के साथ यूजर्स, खासकर नई पीढ़ी के तेज़-तर्रार जीवन जीने वाले यूजर्स को स्मॉर्टफोन इस्तेमाल करने का शानदार अनुभव मिले।

डिज़ाइन और डिस्प्ले : गैलेक्सी एफ15 5जी प्रीमियम सिग्नेचर गैलेक्सी लुक के साथ दिखने में शानदार है। गैलेक्सी एफ15 5जी में शानदार व्यूइंग अनुभव के लिए सेगमेंट-ओनली 6.5 एसएमोलेड (सुपर एमोलेड) डिस्प्ले दिया गया है। एसएमोलेड डिस्प्ले के साथ, सोशल मीडिया फ़ीड के जरिए स्क्रॉल करना तकनीक-प्रेमी जेन जेड और मिलेनियल ग्राहकों को एक बेहतर अनुभव देता है। यह तेज धूप में भी स्पष्ट दिखाई देता है। ऐश ब्लैक, ग्रूवी वॉयलेट और जैज़ी ग्रीन रंगों में उपलब्ध, गैलेक्सी एफ15 5जी हर शैली से मेल खाने के लिए रंगों के कई विकल्प प्रदान करता है।

बैटरी : गैलेक्सी एफ15 5जी सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ 6000 एमएएच बैटरी के साथ आता है जो इस स्मार्टफोन को दो दिनों तक पावर दे सकता है। इससे उपयोगकर्ता अपने पसंदीदा मनोरंजन का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा, 25द्ब सुपर-फास्ट चार्जिंग डिवाइस को जल्द चार्ज करती है, जिससे आप पूरे

ब्लेंडर्स प्राईड ग्लासवेयर सदैव फैशन में नैक्स्ट पेश करने में अग्रणी रहा

मुंबई, एजेंसी। ब्लेंडर्स प्राईड ग्लासवेयर सदैव फैशन में नैक्स्ट पेश करने में अग्रणी रहा है। यह ऐसे अनुभव लेकर आता है, जिन्होंने पूरी पीढ़ी के स्टाईल को आकार दिया है। अब यह ब्रांड ब्लेंडर्स प्राईड फैशन नैक्स्ट फेस्टिवल के साथ आगे बढ़ रहा है, और फैशन को रनवे के दायरे से बढ़ाकर भारत के पहले फैशन फेस्टिवल तक ले जा रहा है।

फैशन नैक्स्ट फेस्टिवल की कल्पना स्टाईल की विकसित होती हुई दुनिया को पेश करने के ब्रांड के मंत्र के अनुरूप की गई है। इसमें भारत के सर्वश्रेष्ठ डिज़ाईनर्स और स्टाईलिश सेलिब्रिटीज़ फैशन का बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। अब एक नए अवतार में फैशन नैक्स्ट फेस्टिवल ब्रांड की स्टाइलिश दुनिया को नए शहरों के ग्राहकों तक ले जा रहा है, जिसकी शुरुआत पुणे से हुई है, और

समापन मार्च, 2024 में भुवनेश्वर में हो रहा है। इस ब्रांड ने कुछ सबसे लोकप्रिय और चर्चित लाईफस्टाईल ब्रांड्स के साथ गठबंधन किया है, जो कई दिलचस्प अनुभव तैयार कर रहे हैं। इसका मिशन साफ है कि यह युवा और विकसित होते हुए भारत की पनपती भावनाओं को आधुनिक फैशन के अनुभवों से जोड़ना है, जो अभी तक चुनिंदा मेट्रो तक ही सीमित हैं।

इस फेस्टिवल ने अपने पहले संस्करण में विभिन्न शैलियों में सबसे आकर्षक ब्रांड्स के साथ शानदार गठबंधन कए हैं। उदाहरण के लिए नैशर माईल्स आधुनिक समय के यात्रियों के लिए एक फैशन एक्सेसरी ब्रांड है, जो हाल ही में शार्क टैंक इंडिया में आने के बाद सोशल मीडिया पर सुर्खियों में है। दूसरा दिलचस्प ब्रांड ऑल यू कैन स्ट्रीट है, जो एक स्ट्रीटवियर कलेक्टिव है। यह ग्राहकों को अपने परिधान को कस्टमाईज़ करने में मदद करने के लिए डीआईवाई स्टेशंस के साथ अनेक स्ट्रीटवियर ब्रांड लेकर आ रहा है। इसी प्रकार, बीयर्डो और माईग्लैम जैसे ब्रांड्स ग्रूमिंग और स्टाईलिंग स्टेशन लेकर आ रहे हैं, जिनमें स्टाईल एक्सपर्ट फेस्टिवल में आने वाले लोगों का स्टाईलिश मेकओवर कर देंगे। इसके अलावा, जॉन जैकब्स वर्चुअल ट्राई-ऑन्स द्वारा अपने अत्याधुनिक आईवियर का अनुभव प्रदान करने के लिए पॉप-अप्स स्थापित कर रहे हैं। डूडल मैपुल्स भी एक कायोस्क लगा रहे हैं, जिसमें कलाकार टी-शर्ट्स और स्निकर्स को फेस्टिवल जाने वालों के लिए स्केच और कस्टमाईज़ करेंगे। साथ ही ऑडी (पुणे) फेस्टिवल में अपने लेटेस्ट कलेक्शन का प्रदर्शन कर रहे हैं, जो आगंतुकों को लग्ज़री का अनुभव कराएगा।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने जागरूकता फैलाने की मुहिम शुरू की

अहमदाबाद एजेंसी। मल्टीपल मायेलोमा एक ऐसी बीमारी है, जो बोन मैरो में पाए जाने वाले एक तरह के ब्लड सेल्स, यानी प्लाज्मा कोशिकाओं को प्रभावित करती है। सामान्य तौर पर ये कोशिकाएँ काफी कम संख्या में मौजूद होती हैं और शरीर को रोगों से बचाने के लिए एंटीबॉडी का निर्माण करती हैं। लेकिन मल्टीपल मायेलोमा होने पर इन कोशिकाओं की संख्या अनियंत्रित हो जाती है, जो शरीर में अत्यधिक मात्रा में फैलकर असामान्य पैराप्रोटीन उत्पन्न करती हैं। हालाँकि इस बीमारी के लक्षण मुख्य रूप से 50 साल की उम्र के बाद दिखाई देते हैं, लेकिन हमारे देश में युवा मरीजों में भी इसके छिटपुट मामले सामने आए हैं। कोशिकाओं की संख्या में असामान्य बढ़ोतरी की वजह से नियमित स्वास्थ्य जाँच में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम पाई जाती है, जो खास तौर पर 50 साल से ज्यादा उम्र के मरीजों में दिखाई देती है। इसके लक्षणों में शरीर में दर्द, ज्यादातर पीठ के निचले हिस्से में दर्द, फ्रैक्चर के खतरे के साथ कमजोर हड्डियां (लाइटिक लीशन), अधिक मात्रा में कैल्शियम के कारण थकान महसूस होना, डिहाइड्रेशन, कब्ज, दर्द और पीड़ा शामिल है। जरूरत से ज्यादा प्रोटीन की वजह से किडनी को नुकसान पहुंचता है जिससे क्रिएटिनिन का स्तर बढ़ जाता है, और इसके अलावा संक्रमण के खतरे के साथ बार-बार बुखार आना, श्वसन तंत्र में संक्रमण, निमोनिया, मूत्र संक्रमण जैसी समस्याएँ भी उत्पन्न होती हैं।

पहले दिन 100 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन, आइपीओ का जीएमपी पहुंचा 100

नई दिल्ली, एजेंसी। पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग आईपीओ 7 मार्च को ओपन हुआ था। इस आईपीओ को निवेशकों की तरफ से अबतक शानदार रिस्पॉन्स मिला है। पहले दिन ही एसएमई आईपीओ फुल सब्सक्राइब हो गया था। बता दें, निवेशकों के पास अभी इस आईपीओ पर दांव लगाने के लिए आज और कल मौका है। अच्छी बात यह है कि ग्रे मार्केट में कंपनी का प्रदर्शन शानदार है। पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग आईपीओ का प्राइस बैंड 78 रुपये से 83 रुपये प्रति शेयर तय हुआ है। कंपनी ने 1600 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिस वजह से एक रिटेल निवेशक को कम से कम 1,32,800 रुपये का दांव लगाना होगा। इस आईपीओ पर दांव लगाने वाले निवेशकों को शेयरों का अलॉटमेंट 13 मार्च को किया जाएगा।

पहले दिन ही आईपीओ 100 प्रतिशत सब्सक्राइब

पहले दिन इस आईपीओ को कुल 13.09 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। रिटेल कैटगरी में पहले दिन आईपीओ को 18.36 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। वहीं, क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में आईपीओ को 7.05 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का दबदबा बना हुआ है। कंपनी आज 100 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रही है। जोकि इश्यू प्राइस से भी अधिक है। अगर यही हाल लिस्टिंग तक रहा तो कंपनी शेयर बाजारों में 183 रुपये के आस-पास डेब्यू कर सकती है। इससे निवेशकों को पहले दिन ही 120 प्रतिशत का फायदा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

भारत के पूर्व बल्लेबाज ने दिया बयान

धोनी के रिटायर होने पर रोहित सीएसके की कप्तानी करें

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा कि वह रोहित शर्मा को 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में जाते देखना पसंद करेंगे और चाहते हैं कि एमएस धोनी के रिटायर होने पर भारतीय कप्तान

फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करें। रोहित 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस का नेतृत्व नहीं करेंगे क्योंकि 5 बार के चैंपियन ने हार्दिक पांड्या को फ्रेंचाइजी का कप्तान नियुक्त किया है। रायुडू ने कहा, रोहित अगले 5-6 साल तक खेल सकते हैं। मैं उन्हें निकट भविष्य में सीएसके के लिए खेलते देखना चाहता हूं। अगर उन्हें कप्तानी करनी है तो वह दुनिया में कहीं भी कर सकते हैं। मैं उन्हें 2025 में सीएसके के लिए खेलते हुए देखना चाहता हूं।

सात्विक और चिराग की जोड़ी ने फ्रेंच ओपन युगल खिताब जीता

पेरिस (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीनी ताइपे के ली झे-ह्यूई और यांग पो-हुआन की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत के साथ दूसरी बार फ्रेंच ओपन बैडमिंटन पुरुष युगल का खिताब जीता।

दुनिया की नंबर एक भारतीय जोड़ी ने इससे पहले 2022 इस खिताब को जीता था। यह जोड़ी 2019 में फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही थी। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने ली और यांग को 37 मिनट तक चले मुकाबले में 21-11, 21-17 से हराकर सत्र का पहला खिताब जीता। भारतीय जोड़ी इस साल मलेशिया सुपर 1000, इंडिया सुपर 750 में दूसरे स्थान पर रही थी जबकि पिछले साल चाइना मास्टर्स सुपर 750 में भी उपविजेता रही थी।

अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के निर्विरोध चुनाव सम्पन्न

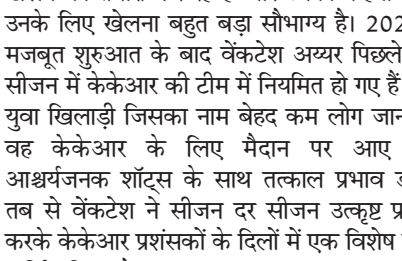

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय शतरंज संघ के 2024 से 2027 के कार्यकाल के लिए नवीन पदाधिकारियों के चुनाव का परिणाम आज इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति रंग नाथ पांडे और दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एसएस सिस्तानी नें घोषित कर दिये है । अखिल भारतीय शतरंज संघ के चुनाव का निर्विरोध होना पहले से ही तय हो गया था जब नाम वापसी के लिए 4 मार्च के दिन 15 पदो के लिए सिर्फ 15 नाम ही बचे हुए थे ।

ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 3 विकेट से हराया

2 टेस्ट मैचों की सीरीज में किया क्लीन स्वीप, एलेक्स कैरी 98 रन पर नाबाद

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को क्राइस्टचर्च टेस्ट में 3 विकेट से हराकर दो टेस्ट मैचों सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। हैग्ले ओवल मैदान पर चौथे दिन कंगारू टीम को जीत के लिए 202 रन की जरूरत थी। उसके हाथ में 6 विकेट बचे हुए थे। ऑस्ट्रेलिया ने एलेक्स कैरी की 98 रनों की नाबाद पारी के दम पर 3 विकेट शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 4 विकेट पर 77 रन बना लिए थे। इससे पहले न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 372 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को 279 रन का टारगेट दिया। पहली पारी में न्यूजीलैंड ने 162 और ऑस्ट्रेलिया ने 256 रन बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया टीम डब्ल्यटीसी पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंची

ऑस्ट्रेलिया अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में अब तक कुल 12 मुकाबले खेले, 8 में जीत मिली और महज 3 में टीम को हार का सामना करना पड़ा। जबकि एक मुकाबला ड्रॉ भी रहा। ऑस्ट्रेलिया के 62.50त्न पॉइंट्स हो गए हैं, टीम दूसरे नंबर पर है। भारत पहले और न्यूजीलैंड तीसरे नंबर पर है।

मिचेल मार्श ने हेड और कैरी के साथ साझेदारी कर पारी को संभाला

चौथे दिन कंगारु टीम ने 77 रन से आगे खेलते हुए 80 के स्कोर पर पांचवां विकेट गंवा दिया। ट्रेविस हेड 43 गेंदों का सामना कर 18 रन बनाए। हालांकि, हेड ने मिचेल मार्श के साथ पांचवें विकेट के लिए 66 गेंदों पर 46 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभालने में मदद की। उसके बाद छठे विकेट लिए मिचेल मार्श और एलेक्स कैरी के बीच 174 गेंदों पर 140 रन की साझेदारी हुई। मार्श ने 102 गेंदों पर 80 रन बनाए। मार्श 220 के टीम स्कोर पर आउट हो गए। इस स्कोर मिचेल स्टार्क भी बिना खाता खोले आउट हो गए और ऑस्ट्रेलिया को सातवां झटका लगा।

पैट कमिंस और कैरी ने आठवें के लिए 61 रन की साझेदारी की

पैट कमिंस और एलेक्स कैरी के बीच आठवें विकेट के लिए 64 गेंदों पर 61 रनों की नाबाद साझेदारी हुई। इसके बाद कैरी ने पैट कमिंस के लिए आठवें विकेट के लिए 64 गेंदों पर 61 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। एलेक्स कैरी ने 123 गेंदों पर नाबाद 98 रन और पैट कमिंस ने 44 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया ने 34 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे

279 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। टीम ने मैच के तीसरे दिन 15 रन के स्कोर पर ओपनर स्टीव स्मिथ का विकेट गंवा दिया। स्मिथ 9 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद उस्मान ख्वाजा 11, मार्नस लाबुशेन 6 और कैमरन ग्रीन 5 रन बनाकर आउट हो गए।

कंगारू टीम ने 34 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए। बेन सीयर्स और मैट हेनरी को 2-2 विकेट मिले। यहां से ट्रैविस हेड और मिचेल मार्श ने ऑस्ट्रेलिया को संभाल लिया। हेड 17 और मार्श 27 रन बनाकर नॉटआउट लौटे।

ऑस्ट्रेलिया से पहली पारी में लाबुशेन की फिफ्टी

न्यूजीलैंड को पहली पारी में जल्दी ऑलआउट करने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पारी शुरू की। टीम ने मार्नस लाबुशेन के 90 रन की बदौलत 256 रन बनाए और पहली पारी में 96 रन की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया से लाबुशेन के अलावा कोई और बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका।न्यूजीलैंड से मैट हेनरी ने 7 विकेट लिए। उन्होंने 23 ओवर में महज 67 रन दिए। कप्तान टिम साउदी, बेन सीयर्स और ग्लेन फिलिप्स को 1-1 सफलता मिली।

मैक्कुलम ने स्वीकारा

भारत ने बैजबॉल की पोल खोली

इंग्लिश कोच बोले- जैसे-जैसे सीरीज बढ़ती गई, हम और अधिक डरपोक होते गए

लंदन (एजेंसी)। भारत से 5 टेस्ट की सीरीज हारने के बाद इंग्लिश कोच ब्रेंडन मैक्कुलम स्वीकार किया है कि भारत ने इंग्लैंड की बैजबॉल शैली की पोल खोलकर रख दी है।

इंग्लिश कोच ने सीरीज के बाद द टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा कि भारत ने इंग्लैंड में खामियां उजागर कीं, जिससे उन्हें डरपोक क्रिकेट खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। वे कहते हैं कि 4-1 से हार के बाद सुधार और कुछ कठिन बातचीत एजेंडे में होंगी।भारत ने सीरीज का आखिरी टेस्ट पारी और 64 रन से जीता। टीम इंडिया ने 5 मैच की सीरीज 4-1 से अपने नाम की।

इंग्लिश कोच बोले- हमें सुधरना होगा

42 साल के इस पूर्व कीवी क्रिकेटर ने कहा- जैसे-जैसे सीरीज आगे बढ़ी, मेहमान अधिक डरपोक हो गए। जब आपके साथ ऐसा कुछ होता है, तो एहसास होता है कि हमें सुधार की जरूरत है। आने वाले कुछ महीनों में हम इस पर काम करेंगे। हम सुनिश्चित करेंगे कि जब अगली बार भारत जाएं तो बिल्कुल अलग हों। सीरीज जीतकर भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी-2023-25 पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है।

टीम इंडिया ने काफी दबाव बनाया: मैक्कुलम

न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज ने मैच के बाद मीडिया से कहा था- सीरीज के अंत में हममें कॉन्फीडेंस की कमी थी, क्योंकि रोहित शर्मा की टीम इंडिया ने मेहमानों पर काफी दबाव बना दिया था। जैसे-जैसे सीरीज आगे बढ़ी, हम और अधिक डरपोक हो गए और यह उस दबाव के कारण था, जो भारतीय लाइन-अप द्वारा हम पर डाला गया था, न कि केवल गेंद से। बल्ले से, उन्होंने हमें जबरदस्त दबाव में रखा दबाव का भी।

सात्विक-चिराग ने जीता साल का पहला टाइटल

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन के फाइनल में चीनी ताइपे की जोड़ी को 37 मिनट में हराया

पेरिस (एजेंसी)। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने फ्रेंच ओपन जीत लिया है। इस जोड़ी ने साल 2024 का पहला टाइटल जीता है।

सात्विक और चिराग ने खिताबी मुकाबले में चीनी ताइपे के ली झे-ह्यूई और यांग पो-हुआन को सीधे गेम में 21-11, 21-17 से हराया। यह मुकाबला 37 मिनट तक चला।भारतीय पेयर ने फाइनल में चीनी ताइपे के ली झे-ह्यूई और यांग पो-हुआन को सीधे गेम में 21-11, 21-17 से हराया।

सेमीफाइनल में साउथ कोरियाई जोड़ी को हराया

भारतीय पेयर ने सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ कोरिया के सियो सेउंग जेई-कांग मिन हुएक को लगातार गेम में 21-13, 21-16 से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया था। सेमीफाइनल मुकाबला 40 मिनट चला।

सिंगल्स में लक्ष्य सेन का अभियान सेमीफाइनल में खत्म हो गया। लक्ष्य को वर्ल्ड चैम्पियन कुनलावत वितिदसर्न ने एक घंटे 18 मिनट में हराया। थाईलैंड के वितिदसर्न 20-22, 21-13, 21-11 से जीत गए।

दूसरी बार जीता फ्रेंच ओपन

सात्विक चिराग की जोड़ी ने दूसरी बार फ्रेंच ओपन बैडमिंटन का पुरुष युगल का खिताब जीता। इससे पहले वर्ल्ड नंबर-1 भारतीय जोड़ी ने 2022 में यह टूर्नामेंट जीता था। यह जोड़ी 2019 में फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही थी।

साल का तीसरा फाइनल खेला, दो हारे

भारतीय जोड़ी इस साल का तीसरा फाइनल खेल रही थी। इस जोड़ी ने इस साल मलेशिया सुपर 1000, इंडिया सुपर 750 में दूसरे स्थान पर रही थी, जबकि पिछले साल चाइना मास्टर्स सुपर 750 में भी उपविजेता रही थी।

मुक्केबाज निशांत देव पेरिस ओलंपिक कोटे से एक जीत दूर

बस्तो अर्सिंजियो (इटली) (एजेंसी)। विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता मुक्केबाज निशांत देव पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने से एक जीत दूर है जिन्होंने यूनान के क्रिस्टोस काराइटिस को हराकर विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर के 71 किलोवर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पिछले साल विश्व चैम्पियनशप में फीदरवेट का कांस्य पदक जीतने वाले 23 वर्ष के निशांत ने सर्वसम्मति से 5-0 से जीत दर्ज की।

टोक्यो के मेडलिस्ट रेसलर पेरिस ओलिंपिक की रेस से बाहर

बजरंग को रोहित और रवि को उदित ने नेशनल ट्रायल्स के सेमीफाइनल में हराया

सोनीपत (एजेंसी)। टोक्यो ओलिंपिक के सिल्वर मेडलिस्ट रवि दहिया और ब्रॉन्ज जीतने वाले बजरंग पूनिया हरियाणा के सोनीपत में जारी नेशनल ट्रायल से बाहर हो गए हैं। 2 दिन के ट्रायल में रवि दहिया को फ्री-स्टाइल की 57 किलो वेट कैटेगरी के सेमीफाइनल में उदित ने 10-8 से हराया। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण के खिलाफ धरने से सुर्खियों में आए बजरंग पूनिया को फ्री-स्टाइल 65 केजी वेट कैटेगरी में रोहित ने 9-1 से मात दी।

हारते ही बाहर चले गए पूनिया, तीसरे-चौथे मुकाबले के लिए नहीं रुके

सेमीफाइनल में हारने के बाद बजरंग पूनिया गुस्से में तुरंत भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र से चले गए। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के अधिकारियों ने पूनिया के डोप नमूने लेने की कोशिश की, लेकिन वह तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले के लिए भी नहीं रुके। पूनिया ने ट्रायल्स की तैयारी के लिए रूस में ट्रेनिंग ली थी। ये ट्रायल्स भारतीय ओलिंपिक संघ के तदर्थ पैनल द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं। पूनिया ने हालांकि दिल्ली हाईकोर्ट में यह कहते हुए मुकदमा जीत लिया था कि निलंबित डब्ल्यूएफआई के पास ट्रायल्स कराने का कोई अधिकार नहीं है।

पेरिस ओलिंपिक क्वालिफायर्स में हिस्सा लेंगे जीतने वाले रेसलर्स

इन ट्रायल में जीतने वाले रेसलर्स को पेरिस ओलिंपिक क्वालिफायर्स में भाग लेने का मौका मिलेगा, यानी रवि दहिया और बजरंग पूनिया अब पेरिस ओलिंपिक का टिकट नहीं कटा पाएंगे। ट्रायल्स का आयोजन सोनीपत के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया एकेडमी में हुआ।

कुश्ती ट्रायल के दौरान ड्रामा, विनेश ने शुरू नहीं होने दिए मुकाबले

पटियाला (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक की दौड़ में बने रहने की कवायद में स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने महिलाओं के 50 किलो और 53 किलो वर्ग में चयन ट्रायल शुरू नहीं होने दिए और अधिकारियों से लिखित आश्वासन मांगा कि 53 किलो भारवर्ग के आखिरी ट्रायल ओलंपिक से पहले होंगे।

डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने और लंबे चले प्रदर्शन की अगुवाई करने वाली विनेश 50 किलोवर्ग के ट्रायल के लिये यहां साइ केंद्र पहुंची थी। वह प्रदर्शन से पहले 53 किलोवर्ग में उतरती थी लेकिन उस वर्ग में अंतिम पंघाल को कोटा मिलने के कारण उसने अपना भारवर्ग कम किया।

विनेश ने लिखित आश्वासन की मांग करते हुए प्रतिस्पर्धा शुरू नहीं होने दी। उसने 50 किलो और 53 किलो दोनों में भाग लेने की अनुमति मांगी जिससे अजीब स्थिति बन गई। इससे 50 किलो भारवर्ग में उतरे पहलवान शिकायत करने लगे।

गौतम सर का वापस आना केकेआर के लिए बहुत बड़ा फायदा होगा: वेंकटेश अय्यर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के दौरान अपनी फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने की तैयारी कर रहे हैं और उनका कहना है कि उनके लिए खेलना बहुत बड़ा सौभाग्य है। 2021 में मजबूत शुरुआत के बाद वेंकटेश अय्यर पिछले कुछ सीजन में केकेआर की टीम में नियमित हो गए हैं। एक युवा खिलाड़ी जिसका नाम बेहद कम लोग जानते थे वह केकेआर के लिए मैदान पर आए और आश्चर्यजनक शॉट्स के साथ तत्काल प्रभाव डाला। तब से वेंकटेश ने सीजन दर सीजन उत्कृष्ट प्रदर्शन करके केकेआर प्रशंसकों के दिलों में एक विशेष स्थान अर्जित किया है।

आईपीएल 2024 से पहले मध्य प्रदेश में जन्मे

क्रिकेटर ने गौतम गंभीर को केकेआर प्रबंधन में शामिल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि गंभीर एक अद्भुत नेता हैं और वह उन्हें कोच चंद्रकांत पंडित के साथ काम करते हुए देखकर वास्तव में उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, गौतम सर का वापस आना केकेआर के लिए बहुत बड़ा फायदा होगा। मैं वास्तव में उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। अतीत में मैंने उनके साथ जो भी बातचीत की है, उन्होंने हमेशा व्यक्तिगत मील के पत्थर के बजाय टीम के लक्ष्यों के लिए प्रभाव पैदा करने के बारे में बात की है। वह एक अद्भुत नेता हैं और मैं उनका और चंदू सर (चंद्रकांत पंडित) का संयोजन देखने के लिए भी उत्साहित हूं। दोनों अद्भुत रणनीतिज्ञ हैं और ट्रॉफी जीतने का अनुभव रखते हैं।

आईपीएल 2024 के लिए केकेआर की पूरी टीम

नितीश राणा, रिंकू सिंह, रहमानुल्लाह गुरबाज, श्रेयस अय्यर (कप्तान), फिल साल्ट, सुनील नरेन, सुयश शर्मा, अनुकूल रॉय, आंद्रे रसेल, वेंकटेश अय्यर, हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती, केएस भरत, चेतन सकारिया, मिशेल स्टार्क, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, मुजीब उर रहमान, गस एटकिंसन, साकिब हुसैन।

संक्षिप्त समाचार

किड्जी आशिमा आर्यन विंग्स वार्षिकोत्सव समारोह महामाया गार्डन में धूमधाम से मनाया गया

भोपाल। किड्जी आशिमा आर्यन विंग्स होशंगाबाद रोड का वार्षिकोत्सव समारोह दिनांक 10 मार्च को शाम पांच बजे से होशंगाबाद रोड स्थित महामाया गार्डन में धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती कृष्णा गौर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार उपस्थित हुईं। विशिष्ट अतिथि श्री नवीन पुरोहित पुरोहित चैनल हेड आई एन डी 24,डा. राममनोहर तिवारी पूर्व प्राचार्य शासकीय डिग्री कालेज नर्मदा पुरम श्री प्रशांत तिवारी, श्रीमती वन्दना तिवारी व्याख्याता शासकीय डिग्री कालेज नर्मदा पुरम सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे ग्रेजुएशन सेरेमनी एण्ड अवार्ड फंक्शन में ग्रेजुएट यूनीफोर्म में जैसे ही, नन्हें-मुन्हें छात्र/छात्राऐं मंच पर पहुंचे तो वहां उपस्थित सभी लोगों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति (हमारा भारत हमारी संस्कृति) पर आधारित थी ।भव्य कार्यक्रम देखकर उपस्थित लोग अभिभूत हो गये। कार्यक्रम के अन्त में सभी छात्र - छात्राओं को को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की सभी लोगों ने भूरि भूरि प्रशंसा की।

गोलियों की तड़ताड़हट से दहला नोएडा, पुलिस और ठक-ठक गैंग के बीच हुई मठभेड़

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा सोमवार की जहग गोलियों की तड़तड़ाहट से कांप उठा। यहां पुलिस कुख्यात अंतरराज्यीय ठक-ठक गैंग के सदस्यों के बीच मुठभेड़ हुई है। सहायक पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) मनीष कुमार ने बताया कि पुलिस को सेक्टर 113 में दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। पुलिस को शक था कि वह ठक-ठक गैंग के सदस्य हो सकते हैं। इसके बाद अचानक म मठभेड़ शुरू हो गई। मनीष कुमार के मुतबाकि पुलिस ने दोनों सदस्यों को देखा और उन्हें रोकने की कोशिश की। इससे आरोपियों ने घबराकर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसमें एक आऱोपी घायल हो गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से कई लैपटॉप और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। मोटरसाइकिल दिल्ली से चोरी की ग थी। दोनों आरोपियों की पहचान मदन और अभिषेक के रूप में हुई है जो ठक-ठक गैंग का हिस्सा थे। इसके अलावा एक तमंचा भी बरामद किया गया है। बता दें, ठक-ठक गैंग दिल्ली एनसीआर में एक्टिव है और लूटपाट और चोरी की वारदातों को अंजाम देता है। वो लोगों का ध्यान अलग-अलग चीजों में भटकाकर उनके नाक के नीचे से सामना लेकर फरार हो जाता है। कई बार ये गैंग गाड़ी में खराबी आने का बहाना बनाता है तो कभी चोट लगने का बहाना बनाकर लोगों का ध्यान भटकाता है। फिर जैसे ही लोगों का ध्यान इधर-उधर होता है ये गैंग तुरंत उनके कीमती सामान लेकर फरार हो जाता है।

होली से पहले यूपी के 18 लाख कर्मचारियों को योगी सरकार का बड़ा तोहफा

लखनउ, एजेंसी। होली से पहले योगी आदित्यनाथ ने यूपी के कर्मचारियों और पेंशनरों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने इनका महंगाई भत्ता 4 फीसदी बढ़ा दिया है। जनवरी 2024 से बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता लागू होगा। योगी सरकार के इस फैसले से 10 लाख राज्य कर्मचारियों और आठ लाख शिक्षकों को लाभ मिलेगा। जल्द ही इसका औपचारिक आदेश जारी हो जाने की संभावना है। योगी सरकार ने 12 लाख पेंशनरों को भी महंगाई भत्ते में चार फीसदी बढ़ोत्तरी का लाभ देने का फैसला किया है। चार फीसदी बढ़ोत्तरी के साथ डीए 50 फीसदी हो जाएगा। इससे कर्मचारियों की सैलरी बढ़ जाएगी। बताया जा रहा है कि इस बढ़ोत्तरी से राज्य के खजाने पर करीब 314 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार आएगा। मिली जानकारी के अनुसार यूपी सरकार के वित्त विभाग ने डीए बढ़ोत्तरी को स्वीकृति दे दी है। जल्द ही इस सम्बन्ध में औपचारिक आदेश जारी हो जाएगा। माना जा रहा है कि होली के पहले कर्मचारियों, शिक्षकों और पेंशनरों को बढ़े हुए डीए के साथ ये सौगात मिल सकती है। बता दें कि केंद्र सरकार ने हाल ही में केंद्रीय कर्मचारियों का डीए चार फीसदी बढ़ा दिया था। केंद्र सरकार की घोषणा के बाद से ही उम्मीद जताई जा रही थी कि राज्य सरकार भी जल्द ही कर्मचारियों के डीए में बढ़ोत्तरी कर सकती है।

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट का राजनीति में अलग रसूख

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी की सात लोकसभा सीटों में शामिल उत्तर-पश्चिमी दिल्ली का राजनीति में अलग रसूख है, क्योंकि इस निर्वाचन क्षेत्र में शहरी इलाका और कच्ची कॉलोनियों के साथ ग्रामीण क्षेत्र की भी अच्छी खासी हिस्सेदारी है। यहां मिश्रित आबादी निर्णय लेती है। यह सीट अनुसूचित जाति के उम्मीदवार के लिए आरक्षित की गई है...

यह लोकसभा सीट वर्ष 2002 में गठित भारत के परिसीमन आयोग की सिफारिशों के बाद साल 2008 में अस्तित्व में आई थी। इस सीट का कुछ हिस्सा हरियाणा के सीमा से सटा हुआ है। खासकर, ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाणा की संस्कृति का भी थोड़ा असर देखने को मिलता है। वर्ष 2009 में यहां पर पहली बार लोकसभा चुनाव हुआ था, जिसमें कांग्रेस से कृष्णा तीरथ को सफलता मिली थी। इस निर्वाचन क्षेत्र में दिल्ली के लगभग 125 गांव और 200 से अधिक

अनधिकृत कॉलोनियां शामिल हैं। मंगोलपुरी और सुल्तानपुरी जैसी पुनर्वास कॉलोनी भी इसी क्षेत्र में हैं, जिनकी आबादी ही पांच लाख से अधिक मानी जाती है। मंगोलपुर कलां का पत्थर बाजार और नरेला का बाजार इस क्षेत्र के मुख्य बाजारों में शामिल हैं।

यहां पहली बार कांग्रेस की कृष्णा तीरथ को विजय मिली थी। उन्होंने भाजपा की मीरा कांवरिया को हराया था। वर्ष 2019 के आम चुनाव में भाजपा ने दोबारा उदित राज को टिकट देने के बजाय हंसराज हंस को मैदान में उतारा और उन्होंने जीत हासिल की। दूसरे स्थान पर आम आदमी पार्टी के गुग्गन सिंह रहे। कांग्रेस प्रत्याशी राजेश लिलोठिया तीसरे स्थान पर रहे।

ये 10 विधानसभा क्षेत्र हैं शामिल = नरेला, बादली, रिठाला, बवाना, मुंडका, किराड़ी, सुल्तानपुर माजरा, नांगलोई जट, मंगोलपुरी और रोहिणी शामिल हैं।

यह निर्वाचन क्षेत्र मिली-जुली आबादी वाला है। यहां ग्रामीण इलाकों का बड़ा हिस्सा है और औद्योगिक क्षेत्र होने के चलते कामगार आबादी की संख्या भी काफी है। दलित, मुस्लिम और पूर्वांचली मतदाता भी यहां बड़ी संख्या में हैं। रेहड़ी-पटरी वालों की तादाद भी काफी है। इसलिए यहां पर जीत के गणित के लिए ग्रामीण, औद्योगिक कामगार, दलित, मुस्लिम और पूर्वांचली सभी समुदायों को साथ लेकर चलने की जरूरत पड़ती है।

इस सीट पर किन उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा, यह अभी तय नहीं है, क्योंकि भाजपा ने अभी इस सीट पर अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं है। फिलहाल यहां से भाजपा के हंसराज हंस सांसद हैं। गठबंधन के चलते यह सीट कांग्रेस के पाले में आई है। कांग्रेस ने भी अभी अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है।

यूपी एमएलसी चुनावः बीजेपी और सहयोगी दल के उम्मीदवारों ने भरा पर्चा, सुभासपा ने बिच्छेलाल राजभर को दिया टिकट

लखनउ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 13 सीटों पर चुनाव होने वाले हैं। 11 मार्च आज नामांकन का आखिरी दिन है। एमएलसी चुनाव के लिए बीजेपी के सात प्रत्याशी समेत एनडीए के अन्य प्रत्याशी ने भी आज नामांकन पत्र भरे। नामांकन की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से शुरू हो गई। बीजेपी के प्रत्याशियों के साथ सीएम योगी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी सहित सरकार के अन्य महत्वपूर्ण लोग शामिल हैं। साथ ही सहयोगी दल के प्रत्याशियों ने भी नामंकन भरे।

बीजेपी ने इससे पहले अपने 7 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए थे। बीजेपी के प्रत्याशियों का नाम- मोहित बेनीवाल, डा. महेंद्र कुमार सिंह, अशोक कटारिया, धर्मेंद्र सिंह, विजय बहादुर पाठक, रामतीरथ सिंघल और संतोष सिंह हैं। तय समय के मुताबिक सभी प्रत्याशी सुबह दस बजे पार्टी मुख्यालय पहुंचे, जहां पहले उनका स्वागत किया गया, जिसके बाद ये सभी एकसाथ विधानभवन पहुंचे जहां सभी प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बता दें कि 7 बीजेपी प्रत्याशियों के साथ ही 3 सहयोगी दलों के प्रत्याशी हैं। इसमें राष्ट्रीय लोकदल को एक सीट, अपना दल सोनेलाल को एक सीट और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को भी सीट मिली है।

लाखों किसानों को मिलेगी फ्री बिजली और सरचार्ज में भारी छूट, करना होगा ये कामः अपना दल सोनेलाल की ओर से पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष आशीष पटेल को टिकट दिया गया। यूपी में विधान परिषद के लिए सुभासपा ने मऊ के बिच्छेलाल राजभर को टिकट दिया। बीजेपी ने सुभासपा को एमएलसी की एक सीट दी है।

क्या खत्म होगा रायपुर लोकसभा से कांग्रेस की जीत का इंतजार बृजमोहन के नए रिकॉर्ड को क्या रोक पाएगा विकास

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बढ़ रही गर्मी राजनितिक गलियारों पर अपना असर दिखाना शुरू कर दी है। लोकसभा चुनाव में आचार संहिता लागू होने के ठीक पहले रायपुर लोकसभा सीट पर कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों ने अपने प्रत्याशियों का नाम जनता के बीच ला दिया है। अब जनता को पूरा वक्त मिल रहा है यह तय करने के लिए की रायपुर लोकसभा का विकास राजनीति में कभी हार का मुंह ना देखने वाले शांत और भाजपा के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल से कराना है, या फिर कांग्रेस के आंदोलनकारी युवा तेज तर्रार नेता विकाय उपाध्याय के हाथों पर देना है। अब आपको बताते हैं रायपुर लोकसभा के सियासी गणित और चुनावी इतिहास के बारे में। रायपुर लोकसभा सीट जो कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के बनने से पहले अस्तित्व में आ चुकी थी। शुरू से ही रायपुर की धमक से दिल्ली हिल जाया करती थी। रायपुर लोकसभा क्षेत्र जहां से विद्याचरण शुक्ल, पुरुषोत्तम लाल कौशिक और रमेश बैस जैसे दिग्गज नेता दिल्ली में रायपुर की जनता की आवाज को बुलंद करते थे। साल 1952 से लेकर साल 1971 तक लगातार रायपुर लोकसभा सीट कांग्रेस के कब्जे में रही है। लेकिन आपातकाल का वह दौर जब बदला तब 1981 से साल 1989 के लोकसभा चुनाव को अगर छोड़ दिया जाए, तो रायपुर लोकसभा सीट भाजपा अब कभी नहीं हारी है। साल से 1996 में भारतीय जनता पार्टी से चुनाव लड़ने वाले रमेश बैस पहली बार लोकसभा पहुंचे थे। उसके बाद 1998, 1999, 2004, 2009 और 2014 तक वह लगातार लोकसभा का चुनाव जीतते हुए लगातार 23 साल तक सांसद बने रहे।

भाजपा नेता मनप्रीत बादल को हार्ट अटैक, अस्पताल में भर्ती; नाजुक बनी हुई है हालत

बठिंडा, एजेंसी। पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री और भाजपा नेता मनप्रीत सिंह बादल को हार्ट अटैक होने के बाद उन्हें बठिंडा के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। डॉक्टरों ने उन्हें 2 स्टंट डाले हैं। उनकी हालत नाजुक बनी हुई और वह आईसीयू वार्ड में दाखिल हैं। मनप्रीत बादल की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलने के बाद उनके समर्थकों का अस्पताल के बाहर तांता लगा हुआ है। डॉक्टरों का कहना है कि दो स्टंट डाले गए हैं। मनप्रीत बादल जल्द ही पूरी तरह से स्वास्थ्य हो जाएंगे।

आज पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय प्रकाश सिंह बादल की पहली बरसी थी। इसके लिए गांव बादल में समागम रखा गया था, जिसमें मनप्रीत बादल को भी शामिल होना था, लेकिन अचानक उनके सीने में दर्द होने लगा। उन्हें चेकअप के लिए बठिंडा के एक निजी अस्पताल में लाया गया। चेकअप करने पर पता चला कि उनकी हालत गंभीर है और उन्हें दिल का दौरा पड़ा है।

चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे गुट को एक और झटका, विधायक रविंद्र वायकर ने भी छोड़ा साथ

मुंबई, एजेंसी।
शिवसेना (यूबीटी) विधायक रविंद्र वायकर रविवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। वायकर ने ऐसे समय पार्टी बदली है जब प्रवर्तन निदेशालय उनके खिलाफ जांच कर रहा है। एक लक्जरी होटल बनाने के लिए बृहन्मुंबई महानगरपालिका) के भूखंड के कथित दुरुपयोग का यह मामला है। जोगेश्वरी क्षेत्र से विधायक वायकर का साथ छोड़ना शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के लिए झटका है, क्योंकि वायकर उनके करीबी सहयोगी थे। वह एक दिन पहले ही मुंबई उत्तर-पश्चिम संसदीय सीट पर उनके साथ बैठक में मौजूद थे।

रविंद्र वायकर मालाबार हिल में मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास वर्षा में शिंदे के नेतृत्व वाले समूह में शामिल हुए। वायकर बीएमसी के पूर्व स्थायी समिति अध्यक्ष, 4 बार पार्षद और चार बार जोगेश्वरी से विधायक रहे हैं। खेल और मनोरंजन उद्देश्यों के लिए निर्धारित जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड के किनारे भूखंड पर लक्जरी होटल निर्माण को लेकर वायकर घिरे हुए थे। जनवरी और जुलाई 2021 के बीच बीएमसी को गुमराह करने व धोखाधड़ी से अनुमति प्राप्त करने का आरोप है। इसे लेकर दर्ज मामले में ईडी की ओर से उनकी जांच की जा रही है।

प्राथमिकी के अनुसार, भूखंड वायकर और अन्य को सार्वजनिक उपयोग के लिए आवंटित किया गया था, लेकिन उन्होंने कथित तौर पर कई करोड़ रुपये कमाने के लिए इसका व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया। मुख्यमंत्री के गुट में शामिल होने के बाद वायकर ने दावा किया कि उन्होंने 50 वर्षों तक शिवसेना में काम किया है। उन्होंने कहा, मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए पाला बदला है, जहां सड़कों और पानी की आपूर्ति की जरूरत है। जहां कई काम कोविड-19 महामारी के कारण रुके हुए थे। वायकर ने कहा कि शिंदे विकास कार्यों पर तेजी से फैसले ले रहे हैं। अगर ये काम पूरे नहीं हुए, तो मैं अपने लोगों का सामना नहीं कर पाऊंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वायकर दिवंगत बाल ठाकरे के आदर्शों से प्रेरित होकर शिवसेना में शामिल हुए हैं।

केट मिडलटन की फोटो पर विवाद, छेड़छाड़ की आशंका

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजकुमारी केट मिडलटन की जनवरी में पेट की सर्जरी हुई थी। सर्जरी के बाद 10 मार्च को उनकी पहली तस्वीर सामने आई। अब इस तस्वीर को लेकर विवाद शुरू हो गया है। आशंका जताई जा रही है कि इस तस्वीर में कांट-छांट की गई है। यही वजह है कि ज्यादातर न्यूज एजेंसियों ने इस तस्वीर को अपने प्लेटफॉर्म से हटा लिया है। तस्वीर में केट तीनों बच्चों जॉर्ज, चार्लेट और लुइस के साथ मुस्कुराती नजर आईं। 42 साल की प्रिंसेज ऑफ वेल्स केट मिडलटन को पेट संबंधी दिक्कत थी। उनकी सर्जरी हुई थी और वो दो हफ्ते हॉस्पिटल में रही थीं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, गेटी, रॉयटर्स, एसोसिएटेड प्रेस और ऋक्क समेत कई समाचार एजेंसियों ने अपने प्लेटफॉर्म से केट की तस्वीर हटाई। रॉयटर्स के पिक्टर एडिटर्स का कहना है कि केट की बेटी के कार्डिगन की आस्तीन का हिस्सा ठीक नहीं दिख रहा था। इससे लग रहा है कि फोटो से छेड़छाड़ की गई है।

हालांकि ये किसने किया है इसकी जानकारी नहीं मिली है। विवाद को लेकर फिलहाल रॉयल फैमिली की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि जिस दिन फोटो रिलीज की गई थी तब रॉयल फैमिली ने बयान में कहा था कि यह फोटो केट के पति प्रिंस विलियम ने विंसडर पैलेस में खींची थी। केट ने अपने ङ्ग अकाउंट पर फोटो शेयर करते हुए लिखा था- पिछले दो महीनों से जारी आप लोगों सपोर्ट के लिए धन्यवाद। ये पहली बार नहीं है जब केट को लेकर विवाद हुआ हो। पिछले साल एक किताब में दावा किया गया कि प्रिंसेस डायना की बहू केट मिडलटन (प्रिंस विलियम की पत्नी) को शादी के पहले फर्टिलिटी टेस्ट से गुजरना पड़ा था।

गाजा में जंग के बीच हिजबुल्लाह ने इजरायल पर मिनटों में बरसाईं 37 मिसाइलें, बताया बदला

येरुशलम, एजेंसी। बेंजामिन नेतन्याहू की सेना और हमास आतंकियों के बीच गाजा पट्टी पर हो रहे भीषण युद्ध के बीच इजराइली धरती पर 7 अक्टूबर जैसा हमला हुआ है। उत्तरी इजरायल के माउंट मेरोन इलाके पर आतंकी संगठन हिजबुल्लाह ने रातभर बम बरसाए। रॉकेट हमले की जिम्मेदारी हिजबुल्लाह ने ले ली है। हिजबुल्लाह ने मिनटों में 37 मिसाइलें दागी। इस हमले में इजरायल की तरफ से सबसे बड़ा फेलियर उसकी मिसाइल रोधी रक्षा प्रणाली आयरन डोम रही, जो 37 में से सिर्फ 7 मिसाइलों को ही जमीन पर आने से रोक पाई। हिजबुल्लाह ने इस हमले को लेकर कहा कि वह हमास का बदला ले रहे हैं। बेकसूर फिलिस्तीनियों की बड़े पैमाने पर मौत पर नाराजगी जाहिर की है। हिजबुल्लाह ने इजरायली धरती पर हवाई हमले के लिए अपने नागरिकों की मौत का बदला करार दिया है। पिछले साल अक्टूबर में गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से हिजबुल्लाह और इजरायल लगभग रोजाना सीमा पार हमले कर रहे हैं। लेबनान में पिछली रात इजरायली हवाई हमले में आतंकवादी समूह के तीन सदस्यों सहित पांच लोगों की मौत हो गई थी। मरने वाले हिजबुल्लाह के आतंकियों में जाफ़र मरजी, अली मरजी और हसन मरजी थे। इसके जवाब में हिजबुल्लाह ने रविवार को उत्तरी इजरायल पर मिनटों में 37 रॉकेट दागे। आईडीएफ के अनुसार, कुछ समय पहले माउंट मेरोन क्षेत्र में लेबनान से दो बार में लगभग 37 रॉकेट दागे गए थे। आईडीएफ का कहना है कि पहली बौछार में 30 रॉकेट दागे गए। इनमें से एक मिसाइल को आयरन डोम वायु रक्षा प्रणाली द्वारा रोक दिया गया था। इसमें कहा गया है कि दूसरी बौछार में सात रॉकेट दागे गए, जिनमें से छह को सफलतापूर्वक मार गिराया गया। आईडीएफ ने हमले वाले इलाके से किसी भी व्यक्ति को चोट या मौत की पुष्टि नहीं की है। हिजबुल्लाह ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि उसने मेरोन शहर पर दर्जनों रॉकेट दागे।

जो बाइडन को माफी मांगनी चाहिए.. अमेरिकी छात्र की हत्या ने बढ़ाई राष्ट्रपति की मुश्किलें, ट्रंप की पार्टी ने बोला हमला

वाशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिकी कांग्रेस के शीर्ष रिपब्लिकन ने रविवार को एक अमेरिकी छात्र की हत्या पर राष्ट्रपति जो बाइडन से माफी की मांग की है। पूर्व ट्विटर ङ्ग पर हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति अपने आधार से डर रहे हैं और एक ऐसे व्यक्ति के प्रति सम्मान दिखा रहे हैं जो किसी का हकदार नहीं है। उन्होंने कहा कि कथित हत्यारा एक अवैध आप्रवासी है जिसने लेकन रिले की बेरहमी से हत्या कर दी। दरअसल, नर्सिंग छात्र लेकन रिले की 26 जनवरी को हत्या कर दी गई थी। रिले का शव जॉर्जिया विश्वविद्यालय के परिसर में एक झील के पास मृत पाया गया था। इस मामले में

वेनेजुएला के एक प्रवासी पर हत्या और अपहरण का आरोप लगा है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में यह मामला मुख्य केंद्र बिंदु बना हुआ है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व वाले रिपब्लिकन ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि रिले की हत्या बाइडन द्वारा ढीले सीमा प्रवर्तन का प्रत्यक्ष परिणाम है। इससे पहले बाइडन ने रिले के हत्यारे को अवैध आप्रवासी कहने पर खेद प्रकट कर माफी मांगी थी। इसी पर ट्रंप ने शनिवार को जॉर्जिया में एक रैली के दौरान हमला बोला।

ट्रंप ने कहा कि हत्यारे से माफी मांगने के लिए बाइडन को माफी मांगनी चाहिए। हत्यारा एक अवैध विदेशी था। पूर्व राष्ट्रपति, जिन्होंने प्रवासियों पर देश के खून में जहर घोलने का आरोप लगाया है, ने कहा कि अगर बाइडन ने सीमा प्रवर्तन में ढील नहीं दी होती तो रिले आज जिंदा होती।

8,600 साल पुरानी दुनिया की सबसे पुरानी ब्रेड, अभी भी गोल और स्पंजी

जार्जिया, लंदन, एजेंसी। पुरातत्वविदों ने दुनिया की सबसे पुरानी ब्रेड खोज निकाला है। यह ब्रेड 8,600 साल पुरानी है, जो दक्षिणी तुर्किये के कोन्या प्रांत में एक पुरातात्विक स्थल कैटलहोयुक में मिली है। यह खोज 6600 ईसा पूर्व की है और ब्रैड कच्चे और फर्मेंटेंड हालत में पाया गया है। ब्रेड के अवशेष मेकन 66 नामक क्षेत्र में आंशिक रूप से नष्ट हुए ओवन के पास पाए गए, जो प्राचीन मिट्टी की ईंटों से बने घरों से घिरा हुआ था। तुर्किये के नेकमेट्टिन एर्बाकन यूनिवर्सिटी साइंस एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च एंड एप्लीकेशन सेंटर (बीआईटीएएम) की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्रेड काफी गोल और स्पंजी है और विश्लेषण के माध्यम से इसकी पहचान की गई। तुर्किये राज्य समाचार आउटलेट अनादोलु एजेंसी के हवाले से अनादोलु विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर, पुरातत्वविद् अली उमुट तुर्कान ने दावा किया हम कह सकते हैं कि कैटालहोयुक में मिली यह दुनिया की सबसे पुरानी ब्रेड है। यह एक पाव रोटी का छोटा संस्करण है। इसके बीच में एक उंगली दबाई गई है, इसे पकाया नहीं गया है, लेकिन इसे फर्मेंटेंड किया गया है और अंदर के स्टार्च आज तक जीवित है। उन्होंने कहा कि आज तक इस तरह का कोई समान उदाहरण नहीं मिला है।

स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप से मिली तस्वीरों के मुताबिक, ब्रेड के भीतर स्टार्च के कण दिखाई दिए है। तुर्कीये में गाजियांटेप विश्वविद्यालय के बायोलॉजिस्ट सलीह कावाक ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस खोज ने ब्रेड की प्रामाणिकता के बारे में हमारे संदेह को खत्म कर दिया है। स्टडी में यह भी बताया गया कि ब्रेड बनाने के लिए आटे और पानी को मिलाया गया था, जिसे बाद में ओवन के पास तैयार किया गया था और संभवतः कुछ समय के लिए संग्रहीत किया गया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129